राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 264 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,24 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

आम आदमी की जेब से भरी सरकार की झोली

नई दिल्ली, (संवाददाता)। आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपइया। आम आदमी इसी कहावत के साथ जिंदगी बिता रहा है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ये कहावत कुछ ऐसी हो जाएगी-आमदनी बढ़ी 35 प्रतिशत और पेट्रोल पर टैक्स करीब 220 प्रतिशतऔर डीजल पर 600 प्रतिशत बढ़ गया। ये आंकड़े मोदी सरकार के 2014 के दौरान सत्ता में आने से अब तक के हैं। लोकसभा में सरकार ने खुद ही बताया है कि पिछले 6 साल में पेट्रोल-डीजल से उनका टैक्स कलेक्शन 300 प्रतिशत बढ़ गया है।

जब मई 2014 में मोदी सरकार सत्ता में आई तो एक लीटर पेट्रोल पर टैक्स 10.38 रुपए था और अब ये बढ़कर 32.90 रुपए हो गया है। डीजल पर सरकार मई 2014 में 4.52 रुपए टैक्स लेती थी, जो अब 31.80 रुपए हो गया है। मई 2014 में पेट्रोल के दाम 71.41 रुपए और डीजल 56.71 रुपए पर था। लेकिन इस समय पेट्रोल के दाम 91.17 रुपए और डीजल के दाम 81.47 रुपए पर आ गए हैं। इस दौरान दाम के लिहाज से पेट्रोल करीब 30 प्रतिशत और डीजल करीब 45 प्रतिशत महंगा हुआ, लेकिन इसमें लगने वाला टैक्स 220 प्रतिशत (पेट्रोल) और 600 प्रतिशत (डीजल) बढ़ गया।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी के जरिए कुल 72,160 करोड़ रुपए कमाए थे। लेकिन सरकार 2020-21 के 10 महीनों में ही 2.94 लाख करोड़ रुपए कमा चुकी है। दूसरी तरफ, आपकी आमदनी की बात करें तो ये 2014 से 2021 के बीच 36 प्रतिशत बढ़ी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2014-15 में प्रति व्यक्ति आय 72889 रुपए सालाना थी जो 2020-21 में 99,155 रुपए हो गई।

पिछले एक साल में देश की प्रति व्यक्ति आय करीब 9त्न घटी है। 2019-20 में प्रति व्यक्ति आय 1.08 लाख रुपए सालाना थी। यह 2020-21 में घटकर 99,155 रुपए प्रति वर्ष रह गई है। वहीं, केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल के टैक्स से अप्रैल 2019 से मार्च 2020 के बीच 2.39 लाख करोड़ कमाए। यह 2020-21 के पहले 10 महीने में ही 2.94 लाख करोड़ रुपए हो चुका है। यानी पिछले साल के मुकाबले सरकार पेट्रोल और डीजल से इस साल के 10 महीनों में ही 23 प्रतिशत ज्यादा कमा चुकी है।

आपको तो पता ही होगा कि पेट्रोल-डीजल कच्चे तेल से बनता है। और कच्चे तेल के दामों का असर पेट्रोल-डीजल कीमतों पर सीधे तौर पर पड़ता है। मई 2014 में जब मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने, तब कच्चे तेल की कीमत 106.85 डॉलर प्रति बैरल थी। वहीं अभी कच्चे तेल की कीमत 63 डॉलर प्रति बैरल पर है। इसके बावजूद भी पेट्रोल के दाम घटने के बजाए बढ़कर 100 रुपए प्रति लीटर के पार पहुंच गए हैं।

इस साल पेट्रोल-डीजल के दाम जनवरी में 10 बार और फरवरी में 16 बार बढ़े, जबकि मार्च में कीमतें स्थिर हैं। इस लिहाज से 2021 में अब तक पेट्रोल-डीजल के दाम 26 बार बढ़ चुके हैं। 2021 में अब तक पेट्रोल 7.36 रुपए और डीजल 7.60 रुपए प्रति लीटर महंगा हुआ है।

भारत में पेट्रोल और डीजल की सबसे ज्यादा खपत ट्रांसपोर्ट और एग्रीकल्चर सेक्टर में होती है। दाम बढे पर यही दोनों सेक्टर सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। चूंकि ये भारत के आम आदमी से जुड़े सेक्टर हैं। इसलिए पेट्रोल डीजल की कीमतें अप्रत्यक्ष रूप से भारत के आम आदमी की जेब पर ही असर डालती हैं। डीजल के दाम बढे से खेती से लेकर उसे मंडी तक लाना महंगा हो गया है। इससे आम आदमी का बजट बिगड़ सकता है। डीजल की कुल खपत का 99 प्रतिशत भाग ट्रांसपोर्ट में उपयोग होता है।

मौजूदा कर व्यवस्था में हर राज्य अपने हिसाब से पेट्रोल और डीजल पर टैक्स लगाता है। केंद्र भी अपनी ड्यूटी और सेस अलग से वसूल करता है। पेट्रोल-डीजल का बेस प्राइज अभी करीब 32 रुपए है। इस पर केंद्र सरकार 33 रुपए एक्साइज ड्यूटी ले रही है। इसके बाद राज्य सरकारें अपने हिसाब से वैट और सेस वसूलती हैं।

सांसद नवनीत ने अरविंद सावंत के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती से सांसद नवनीत रवि राणा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। पत्र में नवनीत ने संसद भवन में सोमवार को शिवसेना सांसद अरविंद सावंत द्वारा दी गई धमकी का उल्लेख कर इस धमकी को पूरे देश की महिलाओं का अपमान बताया है। नवनीत राणा ने कहा कि आज जिस तरह से शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने मुझे धमकी दी है। ये मेरा अपमान नहीं बल्कि मेरे साथ पूरे देश की महिलाओं का अपमान है। इसके बाद उन्होंने अरविंद सावंत के खिलाफ कड़ी से कड़ी पुलिस कार्रवाई की मांग की।शेयर किए गए पत्र के मुताबिक निर्दलीय सांसद राणा ने बताया कि लोकसभा की लॉबी में शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने कहा था कि तू महाराष्ट्र में कैसे घूमती है, मैं देखता हूं। सांसद राणा ने पत्र में इससे पहले मिली धमकी का भी उल्लेख किया। जिसमें तेजाब डाले जाने एवं जान से मारने की धमकी दी गई थी।

नक्सली हमले में 5 जवान शहीद

नारायणपुर, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में मंगलवार को नक्सलियों ने डीआरजी जवानों से भरी बस में ब्लास्ट कर दिया। इस हमले में 5 जवान शहीद हो गए हैं, जबकि 8 घायल बताए जा रहे हैं। ब्लास्ट के दौरान बस में 24 जवान सवार थे। सूचना मिलते ही बैकअप फोर्स को मौके पर रवाना कर दिया गया है। सभी जवान एक ऑपरेशन में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। छत्तीसगढ़ के डीजीपी डीएम अवस्थी ने घटना की पुष्टि की है।

बस्तर के आईजी पी.सुंदरराज ने बताया कि नारायणपुर में नक्सल विरोधी अभियान के बाद जीआरजी फोर्स वापस लौट रही थी। उसी दौरान एक आईईडी ब्लास्ट में बस के ड्राइवर समेत 5 जवान शहीद हो गए। इस घटना में 02 जवान गंभीर रूप से घायल हुए हैं और 12 जवानों को सामान्य चोट लगने की जानकारी मिली है। घायल जवानों को वायुसेना के हेलीकॉप्टर से रायपुर भेजा जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, जिले के कड़ेनार इलाके में धौड़ाई और पल्लेनार के बीच घना जंगल है। नक्सलियों ने यहीं पर घात लगाकर बस को निशाना बनाकर ढ्वश्वष्ठ ब्लास्ट किया है। बताया जा रहा है कि यह जवान मंदोड़ा जा रहा थे। यह आशंका जरूर जताई जा रही है कि शहीद जवानों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल जवानों को रेस्क्यू करने का ऑपरेशन जारी है। घटनास्थल पर अतिरिक्त रिइन्फोर्समेंट पार्टी भेजी गई है।

नक्सलियों ने 17 मार्च को शांति वार्ता का प्रस्ताव सरकार के सामने रखा था। नक्सलियों ने विज्ञप्ति जारी कर कहा था कि वे जनता की भलाई के लिए छत्तीसगढ़ सरकार से बातचीत के लिए तैयार हैं। उन्होंने बातचीत के लिए तीन शर्तें भी रखीं थीं। इनमें सशस्त्र बलों को हटाने, माओवादी संगठनों पर लगे प्रतिबंध हटाने और जेल में बंद उनके नेताओं की बिना शर्त रिहाई शामिल थीं।

कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, (संवाददाता)। कोरोना वैक्सीनेशन के अभियान को लेकर भारत सरकार ने बड़ा और अहम फैसला लिया है। देश में एक अप्रैल से वैक्सीनेशन का दायरा बढ़ाया जा रहा है। अब 45 साल से अधिक उम्र वाले हर व्यक्ति को कोरोना की वैक्सीन लग सकेगी। यानी होली के त्योहार के बाद देश में कोरोना वैक्सीनेशन के अभियान को तेजी मिल सकती है।

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऐलान किया कि लोगों को सिर्फ अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा और आसानी से सरकारी-प्राइवेट सेंटर्स पर वैक्सीन मिल पाएगी। आपको बता दें कि अभी तक देश में स्वास्थ्यकर्मियों, कोरोना वॉरियर्स के साथ 60 साल से अधिक उम्र वाले, 45 साल से अधिक उम्र वाले (गंभीर बीमारी से पीड़ित) लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही थी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रकाश जावड़ेकर ने जानकारी दी कि देश में अबतक 4.85 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है, जबकि करीब 80 लाख लोगों को कोरोना की दूसरी डोज भी लगाई जा चुकी है। प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि बीते दिन ही देश में कुल 32 लाख कोरोना वैक्सीन की डोज लगाई गईं।

आपको बता दें कि वैक्सीनेशन का दायरा बढ़ाने का ये फैसला तब लिया गया है, जब देश में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आ रही है। कुछ वक्त पहले तक देश में हर रोज औसतन 15 हजार नए मामले आ रहे थे, लेकिन बीते एक हफ्ते में तस्वीर बदल गई है और अब हर रोज 40 हजार से अधिक केस सामने आ रहे हैं। यही कारण है कि देश में लगातार मांग की जा रही थी कि वैक्सीनेशन के दायरे और स्पीड को बढ़ाना होगा। इस बीच अब सरकार ने एक अप्रैल से 45 साल से अधिक उम्र वाले लोगों को वैक्सीन लगवाने की छूट दे दी है। गौरतलब है कि देश में करीब 10 हजार सरकारी सेंटर्स और हजारों प्राइवेट सेंटर्स पर वैक्सीन लगाई जा रही है। सरकारी सेंटर्स पर वैक्सीन की डोज मुफ्त में लगाई जा रही है, जबकि प्राइवेट सेंटर्स पर 250 रुपये प्रति डोज के हिसाब से वैक्सीन लग रही है।

असम में सत्ता में आने के बाद बांग्लादेशी घुसपैठियों को नहीं रहने दिया जाएगा : राजनाथ

लुमडिंग, (एजेंसी)। अवैध घुसपैठ पर सभी से राजनीति करने से बचने की अपील करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यदि भाजपा सत्ता में आई,तब बांग्लादेशी घुसपैठियों को असम में नहीं रहने देगी। असम के लुमडिंग में चुनावी रैली को संबोधित कर सिंह ने कहा कि पड़ोसी देश से घुसपैठ को रोकने के लिए भाजपा सरकार ने असम में समूची भारत-बांग्लादेश सीमा पर इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली स्थापित कर दी है। उन्होंने कहा, हम अवैध घुसपैठ पर राजनीति नहीं होने देने वाले है। हमारी सरकार आने पर असमी संस्कृति और पहचान की रक्षा की जाएगी। यदि हमारा कोई गलत इरादा होता,तब हमारी केन्द्र की सरकार ने डॉ.भूपेन हजारिका को भारत रत्न नहीं दिया होता। असम में बार-बार आने वाली बाढ़ का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि राज्य में भाजपा के पुनः सत्ता में आने पर समस्या के समाधान का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

बस–ऑटो की भिड़ंत में 13 लोगों की मौत

ग्वालियर, (एजेंसी)। मप्र के ग्वालियर में मंगलवार सुबह ऑटो और बस की आमने-सामने से हुई टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। इनमें ऑटो ड्राइवर और इसमें बैठी 12 महिलाएं शामिल हैं। सभी महिलाएं रात को आंगनबाड़ी में स्कूली बच्चों के लिए खाना बनाकर लौट रही थीं। 9 महिलाओं और ऑटो ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। तीन महिलाओं को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें भी मृत घोषित कर दिया गया।

ऑटो ग्वालियर से मुरैना रोड पर चमन पार्क की तरफ जा रहा था, जबकि बस मुरैना से ग्वालियर आ रही थी। हादसा आनंदपुर ट्रस्ट अस्पताल के सामने हुआ। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुरानी छावनी थाने की पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। मृतकों में से 9 की पहचान हो गई है। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। इस मामले में ग्वालियर आरटीओ एपीएस चौहान को सस्पेंड कर दिया गया है।

हादसे के बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए लाया गया। पीएम के बाद शवों को एंबुलेंस में रखते ही लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। शव वाहन के ड्राइवर को मारकर भगा दिया। लोगों की मांग थी कि मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा, नौकरी और बच्चों को उच्च शिक्षा तक की पढ़ाई मुफ्त में दी जाए। मौके पर कांग्रेस विधायक प्रवीण पाठक और सतीश सिकरवार भी मौके पर पहुंच गए। नेताओं ने कहा कि मृतकों के परिजनों को सीधी बस हादसे में 7-7 लाख रुपए दिए गए थे, इसी तरह से यहां पर भी मदद दी जाए। इसके बाद अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि परिजनों को सीधी हादसे में जैसी मदद दी जाएगी। इसके बाद शव जाने दिया गया। सरकार ने चार-चार लाख रु. देने की घोषणा की हुई है।

चश्मदीदों ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाली सभी 12 महिलाएं दो ऑटो से लौट रही थीं। इनमें से एक ऑटो में सिर्फ 3 सवारी बैठाने की कैपेसिटी थी, लेकिन 6 बैठाई गई थीं। रास्ते में एक ऑटो खराब हो गया। तब इसमें बैठी 6 महिलाएं साथ चल रहे दूसरे ऑटो में बैठ गईं। इस तरह एक ही ऑटो में 12 सवारी हो गईं। उन्होंने तय किया था कि पुरानी छावनी से दूसरा ऑटो कर लेंगे, लेकिन शायद मौत ने ही उन्हें एक ऑटो में किया था।

कोर्ट से मांगगे सचिन की हिरासत : महाराष्ट्र एटीएस

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र एटीएस प्रमुख जयजीत सिंह ने दावा किया है कि पूर्व पुलिस अधिकारी सचिन वझे मनसुख हिरेन हत्या मामले में संलिप्त थे। मंगलवार को उन्होंने कहा कि वह एनआईए से वझे की हिरासत लेने के लिए अदालत का रुख करने वाले है। बता दें कि मनसुख हिरेन हत्या मामले में वझे को एनआईए ने हिरासत में ले लिया था, जिसके बाद उन्हें पद से निलंबित कर दिया गया था। इस बीच महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) ने मामले में दमन से एक महंगी कार जब्त की है।

एटीएस के अधिकारी ने मंगलवार को इसकी जानकारी देकर बताया कि महाराष्ट्र के पंजीकरण नंबर वाली एक वॉल्वो कार सोमवार को जब्त की गई, जिसके मालिक का अभी पता नहीं चला पाया है। उन्होंने बताया कि जब्त की गई कार को ठाणे स्थित एटीएस कार्यालय में रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई के फोरेंसिक अधिकारी कार की जांच कर रहे हैं।इसके पहले, हत्याकांड के संबंध में शनिवार रात दो व्यक्तियों को गिरफ्तार करने के बाद एटीएस ने गुजरात से एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। इस व्यक्ति ने कथित तौर पर आरोपियों को सिम कार्ड उपलब्ध कराए थे। अधिकारियों ने बताया था कि उन्होंने इस व्यक्ति के पास से कई सिम कार्ड बरामद किए हैं। एटीएस ने मामले के संबंध में, निलंबित पुलिसकर्मी विनायक शिंदे और क्रिकेट मैच के सटोरिये नरेश गौड़ को पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया था। गौरतलब है कि मुंबई में उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के पास 25 फरवरी को एक संदिग्ध वाहन पाया गया था। इस वाहन से जिलेटिन की 20 छड़ें बरामद हुई थी। यह वाहन ठाणे के कारोबारी मनसुख हिरन का था, जो कथित तौर पर चोरी हो गया था। इसके बाद, 5 मार्च को मनसुख का शव मुंब्रा के पास मिला था।

सोमवार को एनआईए ने वझे को उस होटल में ले जाकर रीक्रिएशन करवाया जहां वहां तकरीबन 5 दिनों तक रुके हुए थे। एनआईए सचिन वझे के साथ होटल में तकरीबन 3 घंटे तक जांच पड़ताल कर रही थी। इस दौरान कई अहम खुलासे सामने आए। उस दौरान के सीसीटीवी फुटेज को भी एनआईए ने अपने कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की है। सीसीटीवी में एक संदिग्ध महिला भी सामने आई है। जो सचिन वझे के साथ होटल में मौजूद थी। इस महिला को वझे ने नोट गिनने वाली मशीन दी थी। एनआईए को शक है कि यह पूरी साजिश इसी होटल में बैठकर रची गई थी। फिलहाल एनआईए संदिग्ध महिला की भी तलाश कर रही है।

सही समय पर सीएए लागू किया जाएगा : नड्डा

गुवाहाटी, (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) संसद में पारित हो चुका है,इस सही समय पर लागू किया जाएगा। असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी करने के बाद नड्डा ने कहा कि यह असल में केन्द्र का कानून है इस राज्य में लागू ना करने देने के कांग्रेस के दावा की वजह या तो उनकी अज्ञानता है या वे लोगों को मूर्ख बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सीएए का हालांकि पार्टी के घोषणापत्र में कोई जिक्र नहीं है। उन्होंने कहा, मैं कांग्रेस क्या सोच रही है इसको लेकर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन उनका दृष्टिकोण न केवल समस्या उत्पन्न करनेवाला है बल्कि राज्य के लिए खतरनाक भी है। संशोधित नागरिकता कानून के तहत 31 दिसम्बर 2014 तक अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक प्रताड़ना के कारण भारत आए हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों के लोगों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि असम की पहचान वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव, भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका और गोपीनाथ बोरदोलोई से जुड़ी हुई है और अब क्या हम इस बदरुद्दीन अजमल के साथ जोड़ने की अनुमति दे सकते हैं अजमल एआईयूडीएफ के प्रमुख हैं, जिनकी पार्टी के साथ कांग्रेस ने राज्य में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए गठबंधन किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा असम की पहचान और संस्कृति संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए सांस्कृतिक परिवर्तन की प्राकृतिक प्रक्रिया बरकरार रखी गई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने घुसपैठ के मामले का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी अंतरराष्ट्रीय सीमा को मजबूत करने और वैज्ञानिक रूप से उसका प्रबंधन करने को प्रतिबद्ध है। भाजपा ने परिसीमन अभ्यास के माध्यम से राज्य में लोगों के राजनीतिक अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प भी किया है। पार्टी ने वादा किया है कि मिशन ब्रह्मपुत्र शुरू करके असम को बाढ़ मुक्त किया जाएगा, जिसमें ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों से अतिरिक्त पानी को संग्रहित करके जलाशयों का निर्माण करने की एक बहुस्तरीय रणनीति शामिल है। इसमें यह भी वादा किया गया कि ओरुंडोई योजना के तहत महिलाओं को दी जाने वाली राशि 830 रुपये से बढ़ाकर तीन हजार रुपये कर दी जाएगी और पात्र निवासियों को भूमि अधिकार भी दिए जाएंगे। इसमें चरणबद्ध तरीके से 30 लाख महिलाओं को इस योजना के तहत लाभान्वित किया जाएगा। पार्टी ने बच्चों को मुफ्त शिक्षा मुहैया कराने के लिए मिशन शिशु उन्नयन योजना शुरू करने का भी वादा किया, जिसके तहत असम के हर बच्चे को सरकारी संस्थान में मुफ्त शिक्षा मुहैया कराई जाएगी और आठवीं तक के छात्रों को मुफ्त में एक साइकिल भी दी जाएगी। पार्टी ने असम में युवकों को दो लाख सरकारी नौकरी देने का वादा भी किया, इसके तहत 31 मार्च 2022 तक एक लाख नौकरियों दी जाएंगी। निजी क्षेत्र में भी आठ लाख नौकरियों का सृजन किया जाएगा।

कार्टून

लॉकडाउन के खिलाफ सड़क पर लोग

ब्रिटेन, जर्मनी समेत यूरोप के कई देशों में लॉकडाउन के विरोध में होने लगे प्रदर्शन; लंदन में 33 लोग गिरफ्तार

लंदन। लंदन में लॉकडाउन के विरोध में 10 हजार से ज्यादा लोगों ने प्रदर्शन किया। दूसरी तरफ, जर्मनी, नीदरलैंड, ऑस्ट्रिया, बुल्गारिया, स्विटजरलैंड, रोमानिया, सर्बिया, पोलैंड, फ्रांस और ब्रिटेन में भी लॉकडाउन और स्थानीय समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन होने लगे हैं। सेंट्रल लंदन में हुए प्रदर्शन में प्रदर्शनकारियों और पुलिस में हाथापाई भी हुई। पुलिस ने कहा कि 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

लोगों को घरों में रहने को कहा गया है। 'हमारे बच्चों की जिंदगी बर्बाद करना बंद करो' और 'नकली महामारी' जैसे नारे लिखे पोस्टर लेकर लोग लॉकडाउन का विरोध कर रहे हैं। लॉकडाउन के तहत 29 मार्च तक बाहर निकलने सहित विभिन्न तरह के प्रतिबंध लागू हैं।

सरकार ने 21 जून से सभी प्रतिबंध हटाने को कहा है। विरोध करने वाले लोगों का कहना है कि लंबे समय से

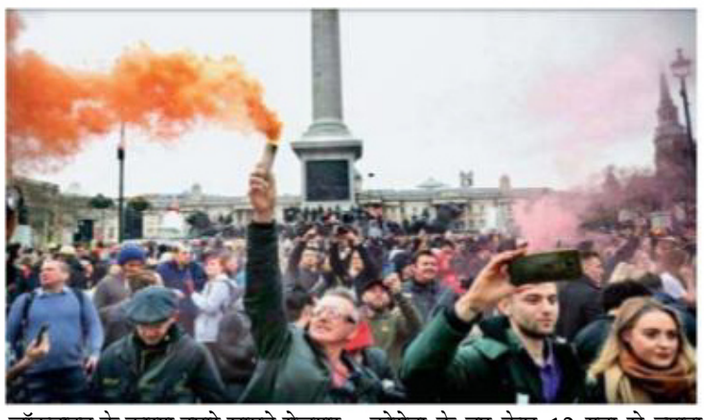

लॉकडाउन के कारण हमारे सामने रोजगार सहित विभिन्न तरह के संकट पैदा हो गए हैं। हमें लॉकडाउन से आजादी चाहिए। हालांकि तेज वैक्सिनेशन और लॉकडाउन की वजह से ब्रिटेन में पिछले दो महीने में कोरोना के नए केस 12 गुना से ज्यादा घट गए हैं। मौतें भी तेजी से घटी हैं।

ब्रिटेन: कोरोना के बावजूद 60 सांसदों ने प्रदर्शन की छूट देने की मांग की: ब्रिटेन में महामारी की वजह से किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं है। घटना के बाद देश के 60 से ज्यादा सांसदों ने गृह मंत्री प्रीति पटेल को पत्र लिखकर लॉकडाउन के दौरान विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति देने की मांग की है। कहा है कि किसी प्रदर्शन में शामिल होना अपराध नहीं है। कोरोना से संबंधित नियमों में ज्यादा सख्ती को लेकर पुलिस की भी लगातार आलोचना हो रही है।

ब्राजील: बीते हफ्ते 5 लाख से ज्यादा नए मरीज मिले

ब्राजील में शनिवार को 73,450 नए केस और 2331 मौतें हुईं। ब्राजील में बीते हफ्ते में 5.35 लाख से ज्यादा नए मरीज मिले हैं। वहीं, 17 हजार से ज्यादा मौतें हुई हैं। नए मरीजों और मौतों के मामले में ब्राजील इस समय सबसे ऊपर चल रहा है। वैक्सीनेशन में भी ब्राजील काफी धीमे चल रहा है।

जर्मनी: सेंट्रल जर्मनी के कासेल शहर में 20 हजार से ज्यादा लोगों ने प्रतिबंध के बावजूद एंटी लॉकडाउन प्रोटेस्ट किया।

जर्मनी में रोजाना लगभग 10 हजार से ज्यादा नए मरीज मिल रहे हैं। पोलैंड: तेजी से बढ़ते केसों की वजह से यहां आंशिक नेशनल लॉकडाउन लगाया गया। विरोध में राजधानी वारसा में मार्च फॉर फ्रीडम शुरू कर दिया। रविवार को 26,405 नए मरीज पाए गए।

यूरोप में नए केस: ज्यादातर यूरोपीय देशों में नए मरीजों का बढ़ना जारी है। फ्रांस में रविवार को 35345, इटली में 23832 और जर्मनी में 13665 नए मरीज मिले।

चीन की हरकतों का जवाब देने के लिए शेंकाकू द्वीप के नजदीक अमेरिका और जापान करेंगे बड़ा युद्धाभ्यास

टोक्यो। चीन की आक्रामक हरकतों का जवाब देने के लिए जापान के शेंकाकू द्वीप समूह के नजदीक अमेरिका और जापान की सेनाएं मिलकर बड़ा अभ्यास करेंगी। यह जानकारी जापान के रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने दी है।

संयुक्त अभ्यास में नौसेना, वायुसेना और थल सेना शामिल होंगी

इस संयुक्त अभ्यास में नौसेना, वायुसेना और थल सेना शामिल होंगी। यह अभ्यास जापान के शेंकाकू द्वीप की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया जाएगा। इस द्वीप पर चीन दावा करता है और अक्सर वहां पर अपने युद्धपोत और लड़ाकू विमान भेजता रहता है।

जापानी रक्षा मंत्री ने कहा- हम शेंकाकू द्वीप में अपनी युद्ध क्षमता का विकास करना चाहते हैं

जापानी रक्षा मंत्री ने कहा, हम इलाके में अपनी युद्ध क्षमता का विकास करना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य शेंकाकू द्वीप और उसके आसपास के इलाके में अपनी मौजूदगी को जताना है। संयुक्त अभ्यास का फैसला अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन की जापान यात्रा में हुआ है। यह टू प्लस टू वार्ता मंगलवार को टोक्यो में हुई थी। ब्लिंकेन और ऑस्टिन ने साफ कर दिया है कि दोनों देशों के बीच हुए समझौते के चलते अमेरिका जापान की सुरक्षा में पूरा सहयोग देने के लिए वचनबद्ध है। पूर्व चीन सागर में यथास्थिति को बदलने की किसी भी कोशिश का अमेरिका कड़ा विरोध करता है। चीन ने फरवरी में कानून बनाकर तटरक्षक बल को विदेशी जहाजों पर फायरिंग का अधिकार दे दिया है। इसी तटरक्षक बल के जहाज अक्सर शेंकाकू द्वीप के आसपास आते रहते हैं। जापान अक्सर चीन की हरकत पर विरोध जताता रहता है, लेकिन वर्षों से चीनी जहाजों का आवागमन बना हुआ है। हाल के वर्षों में तो यह बढ़ा है। शेंकाकू द्वीप के आसपास के समुद्र को चीन पूर्व चीन सागर का हिस्सा बताते हुए उस पर अपना अधिकार जताता है।

ताइवान के 67 फीसद लोगों ने चीन की वैक्सीन लगवाने से किया मना, बताई प्रमुख वजह

ताइपे। ताइवान के 67 फीसद लोगों ने कहा है कि अगर उनका देश चीन से कोरोना वैक्सीन आयात करता है तो वह इसे नहीं लगवाएंगे। जबकि 24.3 फीसद लोगों ने वैक्सीन लेने की हामी भरी है। ताइवान टाइम्स के मुताबिक यह सर्वे फोकस सर्वे रिसर्च द्वारा किया गया। सर्वे के दौरान 67 फीसद लोगों ने जहां इसको नहीं लेने की बात कही है वहीं 27.1 फीसद लोगों ने बिल्कुल नहीं लेने और 39.9 फीसद लोगों ने किसी भी कीमत पर नहीं लेने की बात कही है।

सर्वे में ताइवान के लोगों ने बताई यह वजह

स्ट्रेटजिक स्टडी सोसाइटी के प्रमुख और तामकांग यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर वांग कु यी ने कहा कि इसकी एक बड़ी वजह यह है कि चीन ने वैक्सीन से जुड़े वैज्ञानिक आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं। सर्वे के दौरान 5.4 फीसद लोग ऐसे हैं, जिन्होंने कहा है कि अगर ताइवान चीन से इन टीकों को मंगवाता है तो वे इसे जरूर लगवाएंगे। जब लोगों से यह पूछा गया कि क्या ताइवान और चीन द्वारा कोई उद्देश्यपूर्ण बातचीत शुरू किए जाने की उम्मीद है। इस पर 77.9 फीसद लोगों ने हां में जवाब दिया वहीं 13.7 फीसद लोगों ने कहा कि उन्हें इसकी उम्मीद नहीं है।

विश्वभर में कोरोना महामारी से जुड़े प्रमुख बिंदु

जर्मनी में कोरोना प्रतिबंधों के खिलाफ हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प भी हुई। पाकिस्तान ने 12 देशों से विमान यात्रा पर रोक लगा दी है। जिन देशों से यात्रा पर रोक लगाई गई है उनमें से अधिकांश अफ्रीकी देश हैं।

नहीं थम रहे म्यांमार में विरोध-प्रदर्शन, यंगून सहित 20 शहरों में आंदोलनकारियों ने निकाला कैंडिल मार्च

ढाका। हजारों की संख्या में लोगों ने इजरायल की सड़कों पर उतरकर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन ऐसे वक्त हुआ है, जब देश में दो साल के भीतर दो दिन बाद चौथी बार चुनाव होने हैं। इस दौरान 20 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते इस्तीफे की मांग को लेकर पेरिस स्क्वायर पर इकट्ठा हुए थे। यहां से प्रधानमंत्री आवास की दूरी बहुत पास है। पिछले साल जुलाई से इजरायल में पूरे देशभर में प्रदर्शन चल रहा है। इजरायल में 24वीं संसद को लेकर चुनाव होने हैं। इससे पहले नेतन्याहू के नेतृत्व में सेंटर और राइट को लेकर गठबंधन बना था। लेकिन यह गठबंधन ज्यादा चल नहीं पाया और सरकार गिर गई।

अप्रैल 2019 ने लगातार चुनाव हो रहे हैं

इजरायल की संसद को लेकर लगातार अप्रैल 2019 से चुनाव होते रहे हैं। इसमें दो बार चुनाव जीते राजनीतिक दलों का गठबंधन एक स्थायी सरकार चलाने में नाकाम रहा है। इससे पहले यहां मार्च 2020 में आखिरी चुनाव हुआ था। इस चुनाव में सरकार तो बन गई, लेकिन आधा साल से ज्यादा ये टिक नहीं सकी। बीते मंगलवार को स्पूतनिक से बात करते हुए न्यू होप सेंटर राईट पार्टी के उम्मीदवार रोन मोरियों के अनुसार, जल्द ही पांचवी बार चुनाव हो सकता है। क्योंकि एक स्थिर सरकार बनने की उम्मीद इस बार भी कम है। 3 महीने पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार गिर गई थी। इसके बाद यह तय हो गया था कि देश में अगले साल फिर से चुनाव होंगे। दो साल में यहां चौथी बार चुनाव होंगे। नेतन्याहू की लिकुड और रक्षा मंत्री बेनी गेंत्ज की ब्लू एंड व्हाइट पार्टी ने मई में गठबंधन सरकार बनाई थी, क्योंकि उस चुनाव में किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। नेतन्याहू की सरकार पर संकट पर उस समय मंडराने लगा था, जब गठबंधन नेता गेंत्ज ने प्रधानमंत्री पर गंभीर आरोप लगाए थे।

सोशल मीडिया पर वापसी की तैयारी: ट्रम्प अपना खुद का प्लेटफॉर्म लाने की तैयारी में

कैपिटल हिल पर हुई हिंसा के बाद ट्विटर-फेसबुक ने कर दिया था बैन

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक बार फिर सोशल मीडिया पर वापसी की तैयारी कर रहे हैं। ट्रम्प को कैपिटल हिल पर 6 जनवरी को हुई हिंसा के बाद ट्विटर, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया साइटों ने बैन कर दिया था। इसके बाद से वे सोशल मीडिया से नदारद हैं। अब खबर आ रही है कि ट्रम्प अगले दो-तीन महीनों में अपना खुद का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लॉन्च करेंगे। ट्रम्प के सीनियर एडवाइजर ने इसका खुलासा किया।

9 जनवरी को सोशल मीडिया पर बैन हुए थे ट्रम्प

ट्रम्प के ट्विटर अकाउंट को ट्विटर ने 9 जनवरी को हमेशा के लिए सस्पेंड कर दिया था। ट्विटर ने ट्रम्प के ट्वीट से फिर से हिंसा भड़कने की आशंका को देखते हुए उनके अकाउंट को सस्पेंड कर दिया था। ट्विटर पर ट्रम्प के अकाउंट को सस्पेंड करने का काफी दबाव था। मिशेल ओबामा समेत कई बड़ी हस्तियों ने ट्रम्प के अकाउंट को बंद करने की मांग की थी। ट्विटर से पहले फेसबुक ने भी ट्रम्प को बैन कर दिया था। इसके अलावा स्नैपचैट, यूट्यूब, ट्विच और रेडिट ने भी ट्रम्प को अपने-अपने प्लेटफॉर्म पर बैन कर रखा है।

6 जनवरी को क्या हुआ था?

अमेरिका में वोटिंग (3 नवंबर) के 64 दिन बाद 6 जनवरी को संसद जो बाइडेन की जीत पर मुहर लगाने जुटी, तो अमेरिकी लोकतंत्र शर्मसार हो गया। ट्रम्प के समर्थक दंगाइयों में तब्दील हो गए। कैपिटल हिल में तोड़फोड़ और हिंसा की। कैपिटल हिल बिल्डिंग में अमेरिकी संसद के दोनों सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट हैं। ट्रम्प समर्थकों के हंगामे के चलते कुछ वक्त तक संसद की कार्यवाही रोकनी पड़ी थी। इस हिंसा में 4 लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हुए थे।

206 साल बाद अमेरिकी संसद में ऐसी हिंसा हुई: 24 अगस्त 1814 में ब्रिटेन ने अमेरिका पर हमला कर दिया था। अमेरिकी सेना की हार के बाद ब्रिटिश सैनिकों ने यूएस कैपिटल में आग लगा दी थी। इसके बाद से पिछले 206 साल में अमेरिकी संसद पर ऐसा हमला नहीं हुआ था।

अफगानिस्तान: काबुल में बीते 24 घंटे में कई बम विस्फोट में सात लोगों की मौत, तीन हुए घायल

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पिछले 24 घंटों में कई बम धमाकों में सात लोग मारे गए है और तीन अन्य घायल हो गए हैं। अफगानिस्तान की स्थानीय मीडिया खबर के अनुसार, एक घटना में एक गाड़ी में सुबह काबुल में चहार असियाब जिले में एक सड़क के किनारे बम विस्फोट किया, जिसमें एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। मृतक परिवार के रिश्तेदारों ने बताया कि परिवार लावंदर इलाके में एक नवाज़ उत्सव के लिए गया था जब उनके वाहन को विस्फोट से निशाना बनाया गया था।

पुलिस ने कहा कि कल रात काबुल के बाग्रामी जिले में हुए एक अन्य सड़क किनारे बम विस्फोट में एक पुलिस बल का सदस्य मारा गया और एक अन्य घायल हो गया। इसके अलावा, एक सुरक्षा सूत्र ने टोलो न्यूज को बताया कि शुक्रवार को काबुल के पैघमान जिले के क़रगा झील में अज्ञात सशस्त्र लोगों के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

इस मई में अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की नियोजित वापसी की समय सीमा से पहले सरकारी कर्मचारियों पर लक्षित हमलों में वृद्धि हुई है। खबर के अनुमान के अनुसार, पिछले 18 दिनों में विभिन्न सुरक्षा घटनाओं में 144 लोग मारे गए हैं और 214 अन्य घायल हुए हैं। अफगानिस्तान में ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब भारत की दो दिनी यात्रा के बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन रविवार को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पहुंचे हैं। राष्ट्रपति अशरफ गनी सहित वह अफगान सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। ऑस्टिन ने कहा कि अफगानिस्तान से सेना हटाने के मामले में राष्ट्रपति जो बाइडन ने अभी अंतिम फैसला नहीं लिया है। बता दें कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले सप्ताह एबीसी न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा था कि अफगानिस्तान से सैनिकों को बुलाने के लिए निर्धारित की गई एक मई की डेडलाइन का काम पूरा हो पाना असंभव है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि अगर इस डेडलाइन को बढ़ाया भी जाता है तो इसकी समयसीमा बहुत अधिक नहीं होगी। उधर, तालिबान ने शुक्रवार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अमेरिका ने डेडलाइन का पालन नहीं किया तो गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

तमिल मामले में श्रीलंका के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में आज आएगा प्रस्ताव, भारत से मांगा है सहयोग

कोलंबो। मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामले में श्रीलंका सोमवार को जेनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में एक मुश्किल प्रस्ताव का सामना करेगा। प्रस्ताव में जाफना प्रायद्वीप में लिट्टे के खिलाफ कार्रवाई के पीड़ितों को न्याय न मिलने और उनका पुनर्वास न कर पाने में सरकार की विफलता का उल्लेख होगा। श्रीलंका ने लिट्टे के खिलाफ 2009 में कार्रवाई की थी जिसमें बड़ी संख्या में निर्दोष तमिल नागरिक भी मारे गए थे। इस प्रस्ताव में श्रीलंका का साथ देने का रूस, चीन, पाकिस्तान और कई मुस्लिम देशों ने वादा किया है। लेकिन श्रीलंका सरकार भारत का समर्थन भी चाहती है।

श्रीलंका के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र की संस्था में लगातार तीन प्रस्ताव पारित हो चुके हैं। ये प्रस्ताव महिंदा राजपक्षे के राष्ट्रपति के कार्यकाल के दौरान 2012 और 2014 में पारित हुए थे। महिंदा इस समय श्रीलंका के प्रधानमंत्री पद पर हैं जबकि उनके छोटे भाई गोटाबाया राजपक्षे राष्ट्रपति की कुर्सी पर। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के अनुसार सोमवार को सत्र में पेश होने वाले प्रस्ताव के जरिये श्रीलंका सरकार की जवाबदेही तय हो सकती है।श्रीलंका के विदेश मंत्री दिनेश गुणव?र्द्धने ने कहा है कि पूरा मामला राजनीति से प्रेरित है और इसके पीछे ब्रिटेन है। श्रीलंका अपने कार्यक्रम मानवाधिकारों का पालन करते हुए आगे बढ़ा रहा है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को हमारे साथ सहयोग करना चाहिए। गुणवर्द्धने ने कहा, वर्षों से श्रीलंका पर मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लग रहे हैं। हम उनके प्रति सतर्क हैं। मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों की जांच के लिए नवगठित सरकार में राष्ट्रपति द्वारा गठित आयोग भी नियुक्त किया गया है। लापता लोगों की तलाश और उनके स्वजनों की मदद के लिए देश के बजट में प्रविधान किया गया है। विदेश मंत्री के इस दावे के विपरीत संयुक्त राष्ट्र में मानवाधिकार मामलों की उच्चायुक्त मिशेल बैचलेट ने कहा है कि श्रीलंका में बीते 12 वर्षों में सरकार के उठाए सारे कदम विफल साबित हुए हैं।

ट्रम्प सार्वजनिक जीवन और यात्राओं से दूर

न्यूयॉर्क के नजदीकी एयरपोर्ट पर धूल खा रहा पूर्व यूएस प्रेसिडेंट का बोइंग-757, इंजन के कुछ हिस्से भी गायब

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का निजी बोइंग-757 विमान इन दिनों न्यूयॉर्क के एक नजदीकी हवाई अड्डे पर खड़ा धूल खा रहा है। इस विमान की खास बात ये है कि इसमें सोने का पानी चढ़ा हुआ बाथरूम है। साथ ही 24 कैरेट सोने के बक्कल्स वाले सीट बेल्ट भी हैं। यह विमान इससे पहले तक ट्रम्प के फोटो शूट, चुनाव प्रचार, विशिष्ट दौरों आदि के लिए किया जाता था।

हालांकि एक अंग्रेजी वेबसाइट के मुताबिक, ट्रम्प का यह आलीशान विमान नए राष्ट्रपति जो बाइडेन के शपथ समारोह के बाद से एक बार भी नहीं उड़ा है। यह इसलिए क्योंकि तब से ही ट्रम्प सार्वजनिक जीवन और यात्राओं से दूर हैं। इसका नतीजा ये हुआ है कि ट्रम्प के विमान का एक इंजन खराब हो चुका है। उसके कुछ हिस्से गायब हैं। दूसरा इंजन भी गड़बड़ होने के करीब है।

विमान में सोने का पानी चढ़ा हुआ बाथरूम और 24 कैरेट सोने के बक्कल्स वाले सीट बेल्ट हैं।

विमान में सोने का पानी चढ़ा हुआ बाथरूम और 24 कैरेट सोने के बक्कल्स वाले सीट बेल्ट हैं।

अनुमान के मुताबिक, इसकी मरम्मत और दोबारा इसे उड़ान भरने योग्य बनाने के लिए बड़ी रकम की जरूरत होगी। फिलहाल ट्रम्प इतना खर्च करने के मूड में नहीं हैं। हालांकि उनकी वर्तमान वित्तीय स्थिति को सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन कोरोना महामारी ने उनके कई बिजनेस को प्रभावित किया है।

खुले आसमान के खड़े होने से इंजन की धातु को पहुंच सकता है नुकसान

विशेषज्ञों का कहना है कि खुले आसमान के नीचे विमान के खड़े होने से इसके इंजन की धातु को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं, ट्रम्प के कारोबार से जुड़े एक प्रतिनिधि से पूछा गया कि विमान का इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा रहा है? इसकी मरम्मत क्यों नहीं कराई जा रही है? ट्रम्प दोबारा इसमें उड़ान भर सकते हैं या नहीं? लेकिन इस बारे में उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की।

पीएम नेतन्याहू से इस्तीफे की मांग: 20 हजार से ज्यादा लोगों ने इजरायल की सड़कों पर उतरकर किया प्रदर्शन, दो दिन बाद ही होने हैं चुनाव

तेल अवीव। हजारों की संख्या में लोगों ने इजरायल की सड़कों पर उतरकर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन ऐसे वक्त हुआ है, जब देश में दो साल के भीतर दो दिन बाद चौथी बार चुनाव होने हैं। इस दौरान 20 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते इस्तीफे की मांग को लेकर पेरिस स्क्वायर पर इकट्ठा हुए थे। यहां से प्रधानमंत्री आवास की दूरी बहुत पास है। पिछले साल जुलाई से इजरायल में पूरे देशभर में प्रदर्शन चल रहा है। इजरायल में 24वीं संसद को लेकर चुनाव होने हैं। इससे पहले नेतन्याहू के नेतृत्व में सेंटर और राइट को लेकर गठबंधन बना था। लेकिन यह गठबंधन ज्यादा चल नहीं पाया और सरकार गिर गई।

अप्रैल 2019 ने लगातार चुनाव हो रहे हैं: इजरायल की संसद को लेकर लगातार अप्रैल 2019 से चुनाव होते रहे हैं। इसमें दो बार चुनाव जीते राजनीतिक दलों का गठबंधन एक स्थायी सरकार चलाने में नाकाम रहा है। इससे पहले यहां मार्च 2020 में आखिरी चुनाव हुआ

था। इस चुनाव में सरकार तो बन गई, लेकिन आधा साल से ज्यादा ये टिक नहीं सकी। बीते मंगलवार को स्पूतनिक से बात करते हुए न्यू होप सेंटर राईट पार्टी के उम्मीदवार रोन मोरियों के अनुसार, जल्द ही पांचवी बार चुनाव हो सकता है। क्योंकि एक स्थिर सरकार बनने की उम्मीद इस बार भी कम है। 3 महीने पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार गिर गई थी। इसके बाद यह तय हो गया था कि देश में अगले साल फिर से चुनाव होंगे। दो साल में यहां चौथी बार चुनाव होंगे। नेतन्याहू की लिकुड और रक्षा मंत्री बेनी गेंत्ज की ब्लू एंड व्हाइट पार्टी ने मई में गठबंधन सरकार बनाई थी, क्योंकि उस चुनाव में किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। नेतन्याहू की सरकार पर संकट पर उस समय मंडराने लगा था, जब गठबंधन नेता गेंत्ज ने प्रधानमंत्री पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि नेतन्याहू देश से ज्यादा फोकस अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों से निपटने में कर रहे हैं। सात महीने पहले जब नेतन्याहू और गेंत्ज ने गठबंधन सरकार का फैसला किया था, तभी कयास लगने लगे थे कि यह सरकार कितने दिन चलेगी। खुद गेंत्ज ने इसे 'इमरजेंसी अलायंस' बताया था। मई में दोनों दलों ने एक कॉमन प्रोग्राम के जरिए सरकार बनाने पर सहमित जताई थी। एक डील भी हुई थी। इसके तहत नेतन्याहू पहले 18 महीने प्रधानमंत्री रहेंगे। अगले 18 महीने गेंत्ज पीएम होंगे। सरकार बनने के बाद से ही दोनों पार्टियों के कई बार मतभेद सामने आ चुके थे।

100 साल में पहली बार ऐसी आपदा: ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा आबादी वाले न्यू साऊथ वेल्स में भीषण बाढ़

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले न्यू साऊथ वेल्स राज्य में भीषण बाढ़ आ गई है। राज्य के प्रीमियर ग्लेडिस बेरेजीक्लियन ने बताया कि 100 साल में पहली बार इतनी भीषण आपदा आई है। खतरे को देखते हुए मिड नार्थ कोस्ट के कई स्थानों से लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

सिडनी के कई इलाकों को खाली करने के लिए कहा गया है। 750 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। 4000 लोगों को शिविरों में पहुंचाया गया है। सिडनी शहर के पानी का मुख्य स्रोत वार्रगंबा डैम 2016 के बाद पहली बार ओवरफ्लो हो गया है। राज्य में 13 इलाकों में चेतावनी दी गई है।

आधी रात को घर छोड़ना पड़ा

तस्वीर पोर्ट मैक्यूरी की है। वहां पानी भरने से आधा शहर टापू बन गया। ये बाढ़ 2020 में जंगलों की आग के बाद आई है। तब राज्य की 7त्न जमीन को नुकसान पहुंचा था।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम का मिजाज, कई इलाकों में गरज के साथ बारिश

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बदल गया है। दिल्ली और नोएडा समेत एनसीआर के कई इलाकों में गरज के साथ हल्की बारिश हो रही है। इसके अलावा तेज हवा भी चल रही है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को भी ऐसा ही मौसम रहने की उम्मीद है। आकाश में बादल छाए रहने और कई इलाकों में हल्की बारिश से तापमान में गिरावट भी दर्ज हुई है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। पहले कहा जा रहा था कि बारिश के साथ ओले पड़ सकते हैं लेकिन आज इसकी उम्मीद नही है जोकि राहत वाली है।

इससे पहले सोमवार को भी तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई थी। बूंदाबांदी से दिल्ली की फिजा में बदलाव देखने को मिला। धूप की चुभन थोड़ा कम हुई और गर्मी की तपन में राहत रही। अधिकतम तापमान में भी आंशिक गिरावट देखने को मिली। राहत भरा यह दौर अभी जारी रहेगा। मंगलवार को भी तेज झोंकेदार हवा के साथ हल्की बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि एक दिन पहले रविवार को ही यह 35 डिग्री पार हो गया था। न्यूनतम तापमान भी सामान्य से तीन डिग्री अधिक 20.0 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 39 से 74 फीसद रहा।

दिल्ली के विभिन्न इलाकों में कई बार बूंदाबांदी देखने को मिली। हालांकि पूर्वानुमान तो ओलावृष्टि का भी था, लेकिन नहीं हुई। मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इसका असर मैदानी इलाकों में भी तेज हवाओं एवं बारिश के रूप में देखने को मिल रहा है। दिल्ली में अभी यह दौर दो दिन और बना रहेगा।

मौसमी परिस्थितियों में हुए बदलाव से सोमवार को दिल्ली-एनसीआर की हवा में भी सुधार देखने को मिला। दिल्ली की हवा मार्च में दूसरी बार मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई। मंगलवार को हवा की गुणवत्ता में और सुधार हो सकता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर क्वालिटी बुलेटिन के अनुसार सोमवार को दिल्ली का एयर इंडेक्स 196 दर्ज हुआ। वहीं, एनसीआर के शहरों में गुरुग्राम की हवा भी इसी श्रेणी में रही। सफर के मुताबिक, हवा की रफ्तार तेज होने और बूंदाबांदी का असर वायु गुणवत्ता पर भी पड़ा है। अगले एक दो दिन में इसमें और सुधार देखने को मिलेगा।

किसान नेता का आरोप, केंद्र सरकार से मिल गए हैं पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह

नई दिल्ली । किसान मजदूर संघर्ष कमेटी (पंजाब) के महासचिव सरवन सिंह पंधेर ने पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह पर गंभीर आरोप लगाया है। सरवन सिंह पंधेर ने मंगलवार को कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह केंद्र की मोदी सरकार से मिल गए हैं। उन्होंने कहा कि कैप्टन सोच रहे हैं कि उनके घर में ईडी के छापे नहीं पड़ने चाहिए। बिहार में छापे पड़ते रहे, हरियाणा में पड़ते रहे, लेकिन उसके घर न पड़ें। उनको लगता है कि अगर उन्होंने केंद्र सरकार से पंगा लिया तो उनके घर भी ईडी छापेमारी करेगी। इसलिए वह मोदी सरकार के खिलाफ कुछ भी नहीं बोल रहे हैं।

सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि इस वजह से कोरोना का बहाना बनाकर आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए प्रदर्शनकारी किसी भी सरकार से कोई आस न रखें।

सुखबीर बादल से भी मिलीभगत का आरोप

किसान मजदूर संघर्ष कमेटी (पंजाब) के महासचिव सरवन सिंह पंधेर दावा किया कि अकाली दल के नेता सुखबीर बादल और पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह भी एक दूसरे से मिले हुए हैं। वह खुद तो एक दूसरे के दुख-सुख में साथ रहते हैं, जबकि लोगों को पार्टी बाजी की बातें करते हैं। इसलिए पंजाब में कोरोना को लेकर पाबंदी लगा दी है।

विवादित बयानों से चर्चा में रहे हैं सरवन सिंह पंधेर

बता दें कि सिंघु बॉर्डर पर धरना दे रहे किसान संगठनों में किसान मजदूर संघर्ष कमेटी (पंजाब) भी शामिल है। सरवन सिंह पंधेर इससे पहले भी कई बार विवादित बयान दे चुके हैं। दिल्ली में ट्रैक्टर रैली के दौरान जब सारे किसान संगठन पुलिस की बताए हुए मार्ग पर मार्च निकालने के लिए मान गए थे तब किसान मजदूर संघर्ष कमेटी (पंजाब) ने प्रदर्शनकारियों को भड़काया और दिल्ली में घुसने के लिए उन्हें प्रेरित किया।

बिना इंतजाम किए ओखला में लाखों रूपये पार्किंग शुल्क वसूल रहा निगम

दक्षिणी दिल्ली। ओखला इंडस्टियल एस्टेट में स्थित फैक्टियों व कार्यालयों में काम करने वाले लाखों लोग यहां लगने वाले मनमाने पार्किंग शुल्क के कारण परेशान हैं। फैक्टियों के मालिकों का कहना है कि दक्षिणी दिल्ली नगर बिना कोई इंतजाम किए लोगों से हर माह लाखों रुपये पार्किंग के नाम पर वसूल रहा है। पार्किंग की व्यवस्था करके अगर निगम इसके लिए शुल्क वसूलता तो उन्हें कोई परेशानी नहीं होती, लेकिन उनके संस्थानों के सामने ही गाड़ी पार्क करवाकर लाखों रुपये की वसूली की जा रही है। निगम की इस मनमानी के खिलाफ ओखला चैंबर्स आफ इंडस्ट्री ने कई बार गुहार भी लगाई, लेकिन अधिकारियों ने नहीं सुनी। ओखला चैंबर्स आफ इंडस्ट्री के चेयरमैन अरुण पोपली ने बताया कि ओखला इंडस्टियल एस्टेट के मास्टर प्लान में डीडीए ने यहां तीन पार्किंग विकसित करने की बात कही थी, लेकिन आज तक एक भी पार्किंग नहीं बनी। अब यह क्षेत्र निगम के पास है। निगम ने पार्किंग की व्यवस्था तो की नहीं, लेकिन वर्षों से पार्किंग के नाम पर करोड़ों रुपये वसूल लिए। उन्होंने कहा कि फैक्टियों में काम करने वाले लोगों से वसूला जाने वाला पार्किंग शुल्क इतना ज्यादा है कि कर्मचारियों की कमाई का एक बड़ा हिस्सा इसी में खर्च हो जाता है। उन्होंने कहा कि ओखला फेस- 1 व फेस- 2 में सड़कों, फुटपाथों व कार्यालयों के सामने से पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। पार्किंग स्लाट आवंटित करते समय निगम ने न तो आम राहगीरों की सुविधा का ध्यान रखा और न ही यहां काम करने वाले मजदूरों व कर्मचारियों का। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) ने रोशनी नाम से चैटबोट (वर्चुअल असिस्टेंट) की शुरुआत की है। इंडस्टियल एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि निगम अधिकारियों की मनमानी के कारण आज यहां के उद्यमी व काम करने वाले कर्मचारी दोनों ही परेशान हैं।

दिल्ली में सड़क पर मदद की गुहार लगाता दौड़ता रहा चाकू से घायल युवक, नहीं पसीजा किसी का दिल

नई दिल्ली । सरिता विहार थाने के पास सरेशाम लूट का विरोध करने पर कुछ बदमाशों ने युवक को चाकू मारकर घायल कर दिया। आफिस से घर जा रहे युवक के पेट पर आरोपितों ने कई वार किए और उसका बैग लूट कर फरार हो गए। हमले में घायल युवक मदद की गुहार लगाता हुआ बीच सड़क पर दौड़ता रहा, लेकिन उसे मदद नहीं मिली।

घटना 20 मार्च की शाम की है। गंभीर रूप से घायल युवक को देखकर एक निजी कंपनी के डिलीवरी ब्वाय ने अस्पताल पहुंचाया और मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल के बयान पर केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल शब्बीर परिवार के साथ द्वारका में रहता है। पीड़ित शब्बीर ने बताया कि सरिता विहार मेट्रो स्टेशन के पास माल निर्माण का काम चल रहा है। यहां से रेलवे लाइन से जाने का रास्ता बना हुआ है। शब्बीर शनिवार शाम को अपने घर लौट रहा था। रेलवे लाइन के पास कुछ युवकों ने उसे घेर लिया और उसका बैग छीनने लगे। शब्बीर ने लूटपाट का विरोध किया तो युवकों ने उसे चाकू मार दिया और उसका बैग लेकर फरार हो गए।

वहीं, बुद्ध विहार इलाके में शनिवार को संतान प्राप्ति के लिए तीन वर्षीय मासूम बच्चे की हत्या के मामले में पुलिस अब उस तांत्रिक की भूमिका की जांच कर रही है, जिसने आरोपित नीलम गुप्ता को बच्चे की बलि देने की सलाह दी थी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महिला चार साल पहले हरदोई स्थित अपने गांव में तांत्रिक से मिली थी। वहीं पर तांत्रिक ने कहा था कि बच्चे की बलि देने से ही उसको गर्भ धारण होगा। अब पुलिस यह पता लगा रही है कि आरोपित महिला इन चार साल में उस तांत्रिक से मिली थी या नहीं। पुलिस अधिकारी का कहना है कि बच्चे की हत्या में सिर्फ महिला का ही हाथ है महिला के परिवार के अन्य सदस्यों की भूमिका अब तक की जांच में सामने नहीं आई है। वहीं पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपित महिला तांत्रिक के बारे में अधिक जानकारी नहीं दे पा रही है। उसने बताया कि शादी के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी उसे गर्भ धारण नहीं हो रहा था। उसने बताया कि समाज के ताने के कारण वह गर्भ धारण करने के लिए बहुत दबाव में थी।

सभी प्रदर्शनकारियों ने पहनी बसंती पगड़ी, 28 मार्च को होगी बड़ी महापंचायत

नई दिल्ली/गाजियाबाद/सोनीपत। तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को रद कराने की मांग को लेकर दिल्ली-एनसीआर के आधा दर्जन बॉर्डर पर यूपी, पंजाब और हरियाणा समेत कई राज्यों के किसान जमा हैं और लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। 28 नवंबर से शुरू हुए किसानों के धरना-प्रदर्शन को आगामी 26 मार्च को 4 महीने पूरे हो जाएंगे, वहीं इससे पहले मंगलवार को शहीद सरदार भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू का शहीदी दिवस है, ऐसे में यूपी गेट स्थित धरना स्थल पर किसानों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान यहां पर शहीदी दिवस के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान मंच की कमान युवाओं के हाथ रही। आयोजनों की कड़ी में मंगलवार शाम को यूपी गेट स्थित धरना स्थल पर शहीदों की याद में पैदल मार्च किया जाएगा। मंगलवार को सभी प्रदर्शनकारियों बसंती पगड़ी पहनी। कार्यक्रम में पंजाबी गायक अजय हुड्डा भी शामिल हैं।

वहीं, इससे पहले यूपी गेट स्थित धरना स्थल पर भारतीय किसान यूनियन अंबावता के प्रदेश अध्यक्ष सचिन शर्मा ने सोमवार को बैठक का आयोजन किया। इसमें फैसला लिया गया है कि यूपी गेट पर 28 मार्च को महापंचायत की जाएगी। इसमें आगामी रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही जल्द ही जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया जाएगा। महापंचायत में अधिक से अधिक लोगों को बुलाने के लिए अपील की जाएगी।

वहीं, 28 नवंबर से यूपी गेट पर तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में धरना प्रदर्शन के चलते पश्चिमी उत्तर प्रदेश से दिल्ली जाने वाले लाखों लोगों की मुश्कलें बढ़ गई हैं। किसान प्रदर्शनकारियों की वजह से रोजाना लाखों लोग जाम से जूझते हुए मिनटों का सफर घंटों में तय करने के लिए मजबूर हैं। वहीं, काफी दिनों से स्थानीय लोग प्रदर्शनकारियों को सड़क से हटाने की मांग कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर को एसीपी और एसएचओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश, जानिए क्या है मामला?

नई दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को एक असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर (एसीपी) सहित बाबा हरिदास नगर थाना के एसएचओ और एक एएसआई के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

इससे पहले शिकायतकर्ता द्वारा दायर एक शिकायत पर अगस्त 2017 में अदालत के निर्देश पर एक एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उसके इलाके के कई लोगों ने उसके खिलाफ लगभग 63 व्यक्तियों के झूठे और जाली हस्ताक्षर करने की शिकायत की है।

शिकायत में उक्त लोगों ने आरोप लगाया है कि शिकायतकर्ता जानबूझकर अपनी जाति का दुरुपयोग करता है और विभिन्न लोगों को फंसाता है और बाद में उनसे पैसे लेकर मामले को सुलझाता है। इस शिकायत पर बाहरी जिले के एसीपी / पीजी से पूछताछ की गई।

पुलिस ने उस एफआईआर में एससी / एसटी एक्ट के तहत आरोप पत्र दाखिल किया जो शिकायतकर्ता के सीसीटीवी फुटेज की सामग्री पर निर्भर करता है।

कथित तौर पर 63 व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षरित एक शिकायत पर हस्ताक्षर करने के बाद हाईकोर्ट के समक्ष आरोपी व्यक्तियों ने 24 अगस्त, 2017 के आदेश को चुनौती दी और दिल्ली हाईकोर्ट से स्टे ऑर्डर प्राप्त किया।

पूछताछ के बाद, शिकायतकर्ता को पता चला कि कॉलोनी में सीवर लाइन बिछाने और जन कल्याणकारी गतिविधियों के लिए अधिकारियों को प्रतिनिधित्व देने के झूठे आश्वासन पर कई व्यक्तियों से हस्ताक्षर प्राप्त किए गए थे और ऐसे ही एक हस्ताक्षरकर्ता ने बताया कि अक्टूबर 2017 से उन्होंने कभी आरडब्ल्यूए के लेटरहेड पर हस्ताक्षर नहीं किए और उनके हस्ताक्षर जाली और फर्जी हैं।

कोर्ट ने कहा कि मुझे यह समझने में परेशानी हो रही है कि एक पुलिस अधिकारी यानी एफआईआर के आईओ शिकायतकर्ता और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ घर के सीसीटीवी फुटेज में जाति-संबंधी टिप्पणी सुनने में सक्षम हैं, जबक एसीपी/पीजी सेल, बाहरी जिला और अन्य पुलिस अधिकारी वह बात नहीं सुन पा रहे हैं। यह सब तत्कालीन एसीपी / पीजी सेल, बाहरी जिले की मदद करने और ढाल बनाने के लिए एक कार्य जैसा प्रतीत होता है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सोनू अग्निहोत्री ने 19 मार्च को आदेश पारित करते हुए दिल्ली पुलिस कमिश्नर को एएसआई नरेश कुमार, तत्कालीन एसएचओ थाना बाबा हरिदास नगर और तत्कालीन एसीपी नजफगढ़ और तत्कालीन एसीपी / पीजी सेल बाहरी जिला के खिलाफ एससी-एसटी अधिनियम की धारा 3 (2)और धारा 217/218 आईपीसी के तहत एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया है।

दिल्ली में सड़क पर बेसुध पड़ा रहा युवक, कॉल करने के एक घंटे बाद आई पुलिस

नई दिल्ली । द्वारका इलाके में पुलिस की संवेदनहीनता सामने आई है। करीब एक घंटे तक बेसुध हालत में युवक सड़क पर पड़ा रहा लेकिन पीसीआरकर्मी नहीं पहुंचे। बाद में थाने से एक एएसआइ के पहुंचने के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा सका। घटना द्वारका सेक्टर 23 थाना इलाके की है। यहां गालीगलौच करने से मना करने पर कुछ बदमाशों ने तीन युवकों की जमकर पिटाई कर दी और फरार हो गए। तीनों घायलों में एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन में जुटी हुई है।

पीड़ित राजेश कुमार ने पुलिस को बताया कि वे 19 मार्च को अपने दोस्त विकास के साथ दीपक के कार्यालय में बैठे थे। देर रात जब तीनों घर जाने के लिए निकले तो देखा कि गली में एक कार खड़ी है। गाड़ी में बैठा शख्स नीतेश किसी से गालीगलौच कर रहा था। राजेश ने उसे गाली देने से मना किया तो नितेश उसे धमकी देने लगा। साथ ही नीतेश ने अपने कुछ दोस्तों को बुला लिया और राजेश से उलझ गए। इस दौरान विकास व दीपक बीच बचाव में आए तो आरोपितों ने दोनों की जमकर पिटाई कर दी और फरार हो गए।

दीपक वहीं बेसुध होकर गिर गए। राजेश ने पुलिस को बताया कि इस दौरान कई बार फोन किया लेकिन पुलिस नहीं आई। एक घंटे बाद द्वारका सेक्टर 23 थाने में तैनात एएसआइ मौके पर पहुंचे और उन्होंने पीसीआर वैन को फोन किया। इसके बाद मौके पर पीसीआरकर्मी पहुंचे। एएसआइ ने दीपक को एंबुलेंस व राजेश व विकास को पीसीआर वैन में बिठाकर अस्पताल भेज दिया लेकिन कुछ दूर जाने के बाद पीसीआर वैन में मौजूद पुलिसकर्मी ने राजेश व विकास को वैन से उतार दिया। इसके बाद दोनों दोस्त एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचे।

दिल्ली के द्वारका में कैसे बुझेगी प्यास, भूजल स्तर जा रहा नीचे

नई दिल्ली । जल संरक्षण आज के समय की जरूरत बन गई है। सूख रहे जोहड़, बढ़ रही निर्माण की गति ने पर्यावरण को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। साथ ही विभागीय लापरवाही सबसे बड़ा नासूर बनकर उभर रहा है। ऐसे में अगर अभी ध्यान नहीं दिया गया तो आनेवाले समय में पानी का संकट चहुंओर दिखाई देगा। उपनगरी द्वारका की बात करें तो 22 गांवों की जमीन पर बसी उपनगरी में पहले 50 के करीब जोहड़ हुआ करते थे। यहां का जमीनी जल स्तर काफी उपर था और मीठे पानी से खेती हुआ करती थी। जब से डीडीए ने जमीन के अधिग्रहण की शुरुआत की उसी समय से जोहड़ों के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह लगने शुरू हो गये और अब हालत यह है कि जोहड़ों के नाम पर अब सिर्फ जमीनें दिखाई देती हैं। पर्यावरणविद दीवान सिंह बताते हैं कि द्वारका इलाके में अभी भी 40 के करीब जोहड़ अस्तित्व में हैं लेकिन ये निष्क्रिय जोहड़ डीडीए की लापरवाही व उदासीनता को साफ-साफ बयां कर रहे हैं। इन जोहड़ों में बरसात के पानी जाने का कोई साधन नहीं बचा है। परिणामस्वरूप जहां पहले ये जोहड़ पानी से आबाद रहते थे अब निष्क्रिय होकर अपनी लाचारी बयां कर रहे हैं। हालत यह है कि अब पूरी उपनगरी में सेक्टर 23 में स्थित जोहड़ स्थानीय लोगों की मेहनत से आबाद रहते हैं। जोहड़ के आबाद होने और नहीं होने में यह फर्क है कि द्वारका सेक्टर 23 में आबाद जोहड़ के आसपास 70 से 80 फीट पर आपको पानी मिल जाएगा वहीं जहां जोहड़ आबाद नहीं हैं वहां पर 200 फीट के बाद पानी मिलता है। उन्होंने कहा कि जोहड़ों के जीर्णोद्धार की परिभाषा विभागों ने अलग ही बना रखी है।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव सिंह को उनके शहादत दिवस पर नई दिल्ली में दिल्ली विधानसभा में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

एक भाई से थी रंजिश, दूसरे को 4 लोगों के सामने बदमाश ने मारी 5 गोली, घटना सीसीटीवी में कैद

पश्चिमी दिल्ली। जाफरपुरकलां थाना क्षेत्र के उजवा गांव में सोमवार शाम बाइक सवार बदमाशों ने एक पूर्व फौजी मुकेश की गोली मारकर हत्या कर दी। बदमाशों ने मुकेश पर पांच राउंड फायरिंग की। घटनास्थल पर मौजूद लोग मुकेश को अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस छानबीन में पता चला कि है कि बदमाशों की दुश्मनी मुकेश के भाई राकेश से है और वह राकेश को मारने आये थे। राकेश पर कई मामले दर्ज हैं। पुलिस गैंगवार की आशंका से इंकार नहीं कर रही है। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जांच में सीसीटीवी कैमरे में कैद बदमाशों की बाइक चोरी की निकली है। पुलिस हुलिए के आधार पर बदमाशों की पहचान करने में जुटी है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मुकेश अपने परिवार के साथ उजवा गांव में रहते थे। सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद मुकेश ने गांव में ही दुकान खोल रखी थी और अपनी जिंदगी गुजर बसर कर रहे थे। सोमवार शाम करीब साढ़े पांच बजे वह अपने घर के पास ही अपने चाचा ईश्वर सिंह व अन्य लोगों के साथ खेत में पेड़ की छांव में बैठे हुए थे।

इसी दौरान काले रंग की बाइक पर सवार दो युवक वहां पहुंचे। एक युवक बाइक से उतरकर इनके पास पहुंचा। युवक ने मुकेश के भाई राकेश के बारे में पूछा। इसपर मुकेश ने कहा कि राकेश तो यहां नहीं है मैं उसका भाई हूं। इतना सुनते ही युवक ने मुकेश पर गोली चला दी। गोली लगते ही मुकेश गिर पड़े।

बदमाश यहीं नहीं रुके। बेसुध मुकेश पर फिर से तीन राउंड गोली चला दी और बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। घटना से आसपास के लोग दहशत में आ गए। पुलिस छानबीन में सामने आया है कि मुकेश के भाई राकेश पर आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह जाफरपुर कलां थाने का घोषित बदमाश है।

यूपी बॉर्डर के धरनास्थल पर किसानों की एक हरकत बनी परेशानी का सबब

नई दिल्ली/गाजियाबाद । तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में यूपी गेट पर 28 नवंबर से धरने पर बैठे किसान प्रदर्शनकारी जहां एक तरफ सड़कों को स्वच्छ रखने की अपील कर रहे हैं, वहीं कुछ गंदगी फैलाकर वहां की सूरत बिगाड़ने में लगे हुए हैं। यहां पर न तो प्रदर्शनकारी स्वच्छता की तरफ ध्यान दे रहे हैं और न ही संबंधित विभाग। इसके चलते एलिवेटेड रोड पर पुल के नीचे के हिस्से में गंदगी का अंबार लग गया है। दरअसल, जब प्रदर्शनकारियों ने धरने की शुरुआत की थी तो पहले दिन से ही सड़कों को स्वच्छ रखने की बात कही थी।

यहां तक की यूपी गेट पर जगह-जगह स्लोगन भी लगा दिए गए थे कि सड़कों को अपनी नीयत की तरह साफ रखें, लेकिन समय के साथ-साथ यह अपील धरी की धरी रह गई। अब प्रदर्शनकारी धरनास्थल से गंदगी को नीचे एलिवेटेड रोड की तरफ डाल रहे हैं। इससे यहां पर गंदगी जमा हो गई है।26 जनवरी को किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान हिंसा और लाल किले पर निशान साहिब फहराने की घटना के बाद प्रदर्शनकारियों के प्रति लोगों का नकारात्मक नजरिया बना। इसके चलते 4 से अधिक किसान संगठन अपना धरना खत्म कर चुके हैं। इसी कड़ी में लाल किला हिंसा के कुछ दिनों के भीतर ही गाजीपुर बॉर्डर पर भी धरना खत्म करने की तैयारी हो चुकी थी।

इस बीच राकेश टिकैत के एक प्रेस कॉन्फ्रेंस ने माहौल को पूरी तरह से बदल दिया। दरअसल, गाजियाबाद प्रशासन ने प्रदर्शनकारी किसानों को आधी रात तक यूपी गेट खाली करने का अल्टीमेटम दिया था, वहीं किसान नेता राकेश टिकैत अपनी मांग पर अड़े रहे और कहा कि वह आत्महत्या कर लेंगे लेकिन आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। राकेश टिकैत पत्रकार वार्ता के दौरान फूट-फूटकर रोते नजर आए। इसके बदा से राकेश टिकैत के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के सदस्य 28 नवंबर से डटे हुए हैं। आगामी 26 जनवरी को किसानों के आंदोलन को पूरे 4 महीने हो जाएंगे।

यौन संबंध के लिए दबाव बनाने पर दोस्त की पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी में सोमवार तड़के यौन संबंध के लिए दबाव बनाने पर युवक ने अपने दोस्त की पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मयूर विहार थाने में समर्पण करने के लिए जा रहा था तभी रास्ते में रास्ते में कपड़े पर लगे खून को देखकर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस आरोपी 22 वर्षीय मोनू से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

32 वर्षीय भरत परिवार के साथ त्रिलोकपुरी के ब्लॉक नंबर-11 में रहता था। परिवार में माता-पिता, तीन भाई और एक बहन है। भरत एक ऑनलाइन कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय था। वहीं, आरोपी मोनू त्रिलोकपुरी के ब्लॉक नंबर-32 में रहता है। मोनू और भरत दोस्त थे। उनकी मुलाकात तीन वर्ष पहले फेसबुक पर हुई थी। मृतक भरत के परिजनों ने बताया कि मोनू रविवार शाम को उनके घर आया था और भरत को अपने साथ ले गया था। दोनों ने एक पार्टी में जाने की बात कही थी।

आरोप है कि पार्टी से निकलने के बाद मोनू ने भरत को शराब पिलाई और पूरी रात अपने साथ घुमाता रहा। सोमवार तड़के करीब चार बजे मोनू ने त्रिलोकपुरी के ब्लॉक नंबर-17 में वसुंधरा एन्क्लेव रोड के किनारे पत्थर से पीट-पीटकर भरत की हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद आरोपी मोनू पैदल ही मयूर विहार थाने में समर्पण करने के लिए जाने लगा। तभी रास्ते में गश्त कर रहे पुलिसकर्मी मिले। पुलिसकर्मियों ने उसके कपड़े पर लगे खून को देखकर उससे पूछताछ की तो उसने अपने दोस्त की हत्या करने की बात कही। पुलिस उसे तुरंत लेकर घटना स्थल पर पहुंची और भरत का शव बरामद किया।

आरोपी मोनू ने पुलिस को बताया कि भरत और उसके बीच यौन संबंध थे। लेकिन, भरत अब यौन संबंध के लिए लगातार उस पर दबाव बनाने लगा था। साथ ही उसे धमकी भी देता था। इससे मोनू की शादीशुदा जिंदगी खतरे में आ गई थी। मोनू ने भरत से पीछा छुड़ाने के लिए उसकी हत्या की योजना बनाई और सोमवार तड़के वारदात को अंजाम दे दिया।

इस तरह शुरू हुई थी दोस्ती

पुलिस के अनुसार, मोनू और भरत की तीन साल पहले फेसबुक पर दोस्ती हुई थी। दोनों त्रिलोकपुरी के रहने वाले थे तो एक-दूसरे से मिलने-जुलने लगे। कुछ समय बाद दोनों ने यौन संबंध बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि मोनू की यौन संबंध में कम रुचि थी, जबकि भरत लगातार संबंध के लिए उस पर दबाव बना रहा था।

परिजनों ने कहा, आरोपी ने उधार लिए थे रुपये-भरत के परिजनों के अनुसार, आरोपी मोनू ने दो साल पहले भरत से सवा लाख रुपये उधार लिए थे। इन रुपयों से आरोपी ने बाइक खरीदी थी। भरत अब मोनू से रुपयों की मांग कर रहा था। इसके चलते मोनू उससे खफा था। वहीं पुलिस के अनुसार, रुपयों के लेन-देन को लेकर जांच की जा रही है।

संपादकीय

ड्रैगन ने छिपाकर दिया बड़ा दर्द

करीब 15 महीने पहले 31 दिसंबर, 2019 को वुहान (चीन) प्रशासन ने पहली बार यह बताया कि वहां के अस्पतालों में दर्जन भर निमोनिया मरीजों का इलाज चल रहा है, जिनकी बीमारी की वजह स्पष्ट नहीं है। मगर तब यही कहा गया था कि यह वायरस इंसान से इंसान को संक्रमित नहीं कर रहा है। इसके एक पखवाड़े के अंदर ही 11 जनवरी, 2020 को वहां के मीडिया ने वायरस से पहली मौत की पुष्टि कर दी। इसके पहले सरकार ने इसे ज्यादा तवज्जो नहीं दी थी, इसलिए लाखों लोग नए साल का जश्न मनाने के लिए अपने-अपने घर आए और उत्सव मनाकर वापस देश-विदेश में अपनी कर्मभूमि पर लौट गए। वैज्ञानिकों का मानना है कि यही वह मोड़ था, जब कोरोना वायरस वुहान से पूरे चीन में और फिर विश्व भर में पहुंच गया। इसमें कोई शक नहीं कि अगर इसे वुहान शहर में ही थाम लिया जाता, तो दुनिया यूं घरों में दुबकने को मजबूर नहीं होती। हालांकि, अब भी इस वायरस के जन्म का ठीक-ठीक पता नहीं चल सका है और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) इसके बारे में अपनी जांच कर रहा है, लेकिन यह धारणा कुछ ठोस वजहों से बनी हुई है कि दुनिया को दर्द देने वाला कोरोना वायरस चीन की देन है।

आखिर ये कारण हैं क्या? दरअसल, चीन ने शुरू से ही सूचनाओं को छिपाने का भरसक प्रयास किया और अभी भी उसकी नीति कोई बदली नहीं है। वुहान सेंट्रल हॉस्पिटल के नेत्र-रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ली वेनलियांग ने जब अपने साथी डॉक्टरों को बताया कि सार्स जैसे वायरस के लक्षण कुछ मरीजों में दिख रहे हैं, तो स्थानीय पुलिस ने न सिर्फ उन्हें अपना मुंह बंद रखने को कहा, बल्कि वहां का प्रशासन भी उदासीन बना रहा। मगर जल्द ही ली की बातें सच साबित हुईं और खुद ली भी इस वायरस से अपनी जान गंवा बैठे। यही वजह है कि चीन सरकार द्वारा डब्ल्यूएचओ को भ्रम में रखने के आरोप सच जान पड़ते हैं। बल्कि तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो तब नाराज होकर डब्ल्यूएचओ को दी जाने वाली आर्थिक मदद रोकने का एलान भी कर दिया था और कहा था कि अगर समय पर इस संक्रामक वायरस के बारे में सूचना दी गई होती, तो काफी सारे लोगों की जान बचाई जा सकती थी। चीन से यह शिकायत अन्य देशों की भी है।

आलम यह है कि आज भी बीजिंग में बैठी सरकार हरसंभव बचने की कोशिश करती है। जैसे, डब्ल्यूएचओ की टीम जब महामारी के स्रोत का पता लगाने वुहान जाना चाहती थी, तब शुरुआत में उसे इसकी अनुमति नहीं दी गई। फिर कोरोना के शुरुआती मामलों से जुड़े आंकड़े तक उसे नहीं दिए गए। हालांकि, अब जांच टीम वुहान की उस प्रयोगशाला तक पहुंच चुकी है, जहां से इस वायरस के 'लीक' होने का अनुमान है। फिलहाल इसके विस्तृत नतीजों का सभी देश इंतजार कर रहे हैं।

कोरोना जैसी महामारी देने और छिपाने से चीन को खासा नुकसान पहुंचा है। यूरोप के मित्र राष्ट्र तो अब भी उससे खफा हैं, क्योंकि वे भी यही मानते हैं कि समय पर जानकारी मिलने से वहां हुए जान-माल के भारी नुकसान को टाला जा सकता था। चीन साख के संकट से भी जूझ रहा है। कोरोना संक्रमण-काल से पहले वह 'विनिर्माण का गढ़' माना जाता था, लेकिन अब मोबाइल उपकरण, दवा निर्माण जैसे क्षेत्रों की कंपनियां वहां से मुंह मोड़ने लगी हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भी चीन की भागीदारी घटी है और भारत समेत तमाम अन्य अर्थव्यवस्थाओं को इसका फायदा मिला है। कोरोना-काल में जिस निम्न गुणवत्ता के चिकित्सा-उपकरण चीन ने दूसरे देशों को निर्यात किए, उससे भी उसकी छवि को दाग लगा है।

यह वैश्विक संकट भारत के लिए नए अवसर लेकर आया है। हमारी अर्थव्यवस्था बेशक चीन के मुकाबले छोटी है, लेकिन 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का हमें फायदा मिलने लगा है। मैन्यूफैक्चरिंग के लिए अब कई देश हमारे यहां आने लगे हैं। यही नहीं, विश्व स्तर पर हमारी उपलब्धियों को दरकिनार करने वाले देश भी हमें अब सिर आंखों पर बिठाने को तैयार हैं। श्रीलंका, मालदीव जैसे एशियाई देश बीजिंग के बजाय नई दिल्ली को महत्व देने लगे हैं। नेपाल ने शुरुआत में भले ही चीन का समर्थन किया, मगर अब वहां की जनता सरकार के विरोध में सड़कों पर उतर आई है। दुनिया के ज्यादातर देशों में चीन की वैक्सीन को महत्व नहीं मिल रहा है और उसने अपने वैक्सीन के प्रचार के लिए जरूरी उदारता का भी प्रदर्शन नहीं किया है। ब्राजील के राष्ट्रपति ने तो भारत से टीके मिलने के बाद बाकायदा हनुमान जी की तस्वीर ट्वीट की, जिसका संकेत था कि जिस तरह से रामायण में लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए हनुमान जी संजीवनी बूटी लेकर आए थे, उसी तरह से ये टीके उनके नागरिकों की जान बचाने के लिए भारतवर्ष की तरफ से भेजे गए हैं। कभी हम अनेक चीजों के लिए चीन का मुंह ताका करते थे। मगर जरूरत के समय खराब उत्पाद भेजकर जब उसने अपनी भद पिटवाई, तो भारत सरकार ने खुद ही इन्हें बनाने का फैसला किया। इन सबका हमें काफी कूटनीतिक लाभ मिला है। 2020 के अमेरिकी चुनाव में कहा जा रहा था कि यदि डेमोक्रेटिक पार्टी चुनाव जीतेगी, तो नई सरकार का झुकाव चीन की तरफ होगा, जबकि रिपब्लिकन के सत्तारूढ़ होने पर भारत को तवज्जो मिलेगी। मगर जो बाइडन की सरकार ने चीन को आईना दिखा दिया है। क्षेत्रीय सुरक्षा के मद्देनजर गठित क्वाड (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत की संयुक्त पहल) को लेकर अमेरिकी सरकार खासा संजीदा है। हालांकि, पिछले दिनों हुई इसकी बैठक में चीन को सीधे तौर पर तो कुछ नहीं कहा गया, लेकिन यह स्पष्ट दिखा कि अमेरिका एशिया में सत्ता संतुलन बनाने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करना चाहता है। साफ है, नए साल में चीन की वैश्विक राह थमती नजर आ रही है, जबकि भारत को आगे बढ़ने का रास्ता मिला है।

प्रवीण कुमार सिंह

सेक्युलर हिंदू होने की जल्दबाजी में, ये न तो निष्ठावान सेक्युलर थे और न निष्ठावान हिंदू

> **सर्वपंथ समभाव हिंदू चेतना का परिणाम है, पर छद्म सेक्युलर हिंदू और हिंदुओं के तपश्रम को खारिज करते हैं। भारतीय लोकतंत्र की सफलता का कारण असहमति के सम्मान की हिंदू जीवन रचना है। हिंदू जन्मत- लोकतंत्री हैं। प्राचीन भारत में सभा समितियां थीं। विचार विमर्श तार्किक थे। पूरे संसार को परिवार जानने की अनुभूति हिंदू दार्शनिक चेतना है। ऐसी हिंदू चेतना को सर्वत्र प्रसारित देखकर ही आज सेक्युलरवादी हलकान हैं। सो हिंदू आवरण ओढ़ने की शीघ्रता में हैं। ऐसे अवसरवाद से किसी लोकमंगल आचरण की अपेक्षा नहीं की जा सकती।**

सत्य अवसरवादी नहीं होता, लेकिन भारतीय राजनीति के छद्म सेक्युलरवादी समूह में इन दिनों स्वयं को हिंदू सिद्ध करने की होड़ मची है। हिंदुत्व पंथ रिलीजन या मजहब नहीं है। हिंदू दर्शन में विश्व एक परिवार है। रिलीजन, मजहब या पंथ 'विश्वास' है। प्रकृति में अंतर्चालित व्यवस्था है। वर्षा, ताप, शीत, शरद, वसंत इसी व्यवस्था में आते-जाते हैं। नदी नाद, वनस्पति, सूर्य, चंद्र का उगना अस्त होना प्रकृति की व्यवस्था है। प्रकृति सदा से है और इसकी स्वचालित व्यवस्था भी। ऋग्वेद में प्रकृति के संविधान को 'ऋत' कहा गया है। पूर्वजों ने प्रकृति के संविधान से प्रेरित होकर अपने लिए भी एक आदर्श आचार संहिता का विकास किया था। इसी संहिता का नाम धर्म है। इसी को सनातन धर्म या वैदिक धर्म या हिंदू धर्म कहते हैं। यह भारत के लोगों की जीवनशैली है। अंग्रेजों के भारत आने के बाद सेक्युलर शब्द आया। इसका मूल अर्थ सांसारिक या इहलौकिक है, पर भारतीय राजनीति में इसका व्यवहार हिंदू विरोध और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण रहा है।

हिंदू होना स्वाभाविक है, लेकिन राजनीतिक लाभ के लिए स्वयं को समूहों में हिंदू सिद्ध करने के प्रयास अवसरवाद हैं। हिंदुओं का बहुमत जनेऊ नहीं पहनता, लेकिन 2017 में कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी जनेऊ पहनते हैं। कपिल सिब्बल ने नई खोज पेश की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असली हिंदू नहीं हैं। सिब्बल ने कहा कि मोदी ने हिंदुइज्म छोड़ दिया है और हिंदुत्व अपनाया है। राज बब्बर ने अमित शाह को गैर हिंदू बताया था। वरिष्ठ अधिवक्ता होने के बावजूद सिब्बल हिंदुइज्म और हिंदुत्व का अर्थ नहीं जानते। हिंदुइज्म विचार या वाद है। वाद अखंड नहीं होता। कम्युनिज्म, कैपिटलिज्म, नेशनलिज्म वाद हैं। हिंदुत्व समग्र अनुभूति है। हिंदुत्व का

अंग्रेजी अनुवाद हिंदूनेस होगा। संपूर्णता में संपूर्णता की अनुभूति। आज हिंदू जागरण के प्रभाव के कारण छद्म सेक्युलर डरे हुए हैं, क्योंकि वे हिंदू विरोधी और मुसलमान समर्थक सिद्ध हो चुके हैं। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने एक बार कहा था कि भारत की संपदा पर अल्पसंखयकों का अधिकार पहला है। इस कथन में हिंदुओं का दर्जा दोयम है। भारतीय सेक्युलरवाद के मूल्यांकन में हिंदू सांप्रदायिक हैं, प्रति मजहबवादी हैं। कट्टरपंथी भी हैं, लेकिन अब परिस्थिति बदल गई है। हिंदू होने का अपना रस, छंद और आनंद है। अब हिंदू होने का आकर्षण बढ़ गया है।

महात्मा गांधी सभी पंथों के प्रति आदरभाव रखते थे, पर हिंदू होने की निष्ठा सरेआम बताते थे। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू को यरवदा जेल से पत्र (2.5.1933) लिखा, 'मैं धर्म नहीं छोड़ सकता। इसलिए हिंदुत्व छोड़ना असंभव है। हिंदुत्व के कारण ही मैं ईसाइयत, इस्लाम और अन्य विश्वासों से प्रेम करता हूं। इसे मुझे दूर कर दो तो मेरे पास कुछ भी नहीं बचेगा।' आज के समाजवादी भी मजहबी राजनीति की आक्रामकता और अलगाववाद को सांप्रदायिकता नहीं मानते, पर हिंदुत्व की निष्ठा को सांप्रदायिक मानते हैं। हिंदू आतंकवाद जैसे असहनीय शब्दों के हमले किए जाते रहे हैं। वामपंथियों ने मजहबी अलगाववाद को सेक्युलर और भारतीय राष्ट्रवाद को सांप्रदायिक माना है। यह सुखदाई है कि भारत के सभी क्षेत्र में हिंदुत्व की प्रतीति बढ़ी है। इसी वजह से सेक्युलर आज हिंदू हो जाने की जल्दबाजी में हैं।

संप्रति सेक्युलर हिंदू होने का स्वांग रच रहे हैं। ये पहले भी निष्ठावान सेक्युलर नहीं थे और न अब निष्ठावान हिंदू। पहले वे हिंदू प्रतीकों पर हमलावर थे। सांस्कृतिक प्रतीकों के प्रयोग को भगवाकरण कहते थे। सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यों को हिंदू एजेंडा बताते थे। सेक्युलर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के विरोधी थे। अब दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल भी रामराज्य के प्रशंसक हैं। वे दिल्ली के बुजुर्गों को रामजन्मभूमि मंदिर के दर्शन कराने की घोषणा कर चुके हैं। वे हनुमान भक्त हैं। प्रियंका प्रयाग के संगम में डुबकी लगा चुकी हैं। ममता बनर्जी चंडी पाठ कर चुकी हैं। वे स्वयं को ब्राह्मण बता रही हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भी श्रीराम मार्ग पर हैं। भारतीय सेक्युलरवाद से राष्ट्र की बड़ी क्षति हुई है। हिंदू नवजागरण के कारण सेक्युलरवाद समाप्त हो रहा है। हिंदुत्व बढ़ा है। मूलभूत प्रश्न यह है कि क्या सेक्युलरवादियों के चित्त में जागा हिंदुत्व प्रेम स्थाई होगा। क्या भारत में सेक्युलरवाद की विदाई हो रही है? सेक्युलरवादी शुद्ध रूप में अवसरवादी हैं। उनका हिंदुत्व अस्थाई और छद्म है। ठीक वैसे ही जैसे उनका सेक्युलर भाव छद्म था।

आज देश में सांस्कृतिक परिवर्तन की लहर है। श्रीराम और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के विरोधी शांत हैं। वे राममय होने का दिखावा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चले राष्ट्रवादी अभियानों से भारतीय संस्कृति की प्रतिष्ठा विश्वव्यापी हुई है। योग हिंदुओं का खोजा विज्ञान है। आयुर्वेद हिंदुओं का प्राचीन चिकित्सा विज्ञान है। ऐसी सारी बातें गर्व करने लायक हैं। हिंदू दुनिया की सभी आस्थाओं का आदर करते हैं। अन्य आस्थाओं का सम्मान हिंदू धर्म का ही अंग है।

दर्शन, सभ्यता, संस्कृति एवं ज्ञान के विकास का प्राचीन केंद्र भारत है और हिंदू इसके नायक हैं। यूरोपीय विद्वान एचएस मेन ने लिखा है कि बीजगणित, अंकगणित में पश्चिमी सहायता के बिना ही ऊंचे दर्जे की दक्षता है। अरबों ने अंक हिंदुओं से पाए, यूरोप में फैलाए। विलियम हंटर ने लिखा था कि पश्चिम के विद्वान जब भाषा विज्ञान का विवेचन आकस्मिक समानताओं के आधार पर कर रहे थे, उस समय भारत में व्याकरण के सिद्धांतों का विकास हो चुका था। उन्होंने लिखा है कि पाणिनि का व्याकरण संसार में सर्वोच्च है। अरबों की चिकित्सा पद्धति भी भारत की देन है। योग हिंदुओं के सत्य शोधक कर्म का परिणाम है।

सर्वपंथ समभाव हिंदू चेतना का परिणाम है, पर छद्म सेक्युलर हिंदू और हिंदुओं के तपश्रम को खारिज करते हैं। भारतीय लोकतंत्र की सफलता का कारण असहमति के सम्मान की हिंदू जीवन रचना है। हिंदू जन्मत- लोकतंत्री हैं। प्राचीन भारत में सभा समितियां थीं। विचार विमर्श तार्किक थे। पूरे संसार को परिवार जानने की अनुभूति हिंदू दार्शनिक चेतना है। ऐसी हिंदू चेतना को सर्वत्र प्रसारित देखकर ही आज सेक्युलरवादी हलकान हैं। सो हिंदू आवरण ओढ़ने की शीघ्रता में हैं। ऐसे अवसरवाद से किसी लोकमंगल आचरण की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

चालबाज चीन के खिलाफ क्वाड की कामयाबी में भारत का कवच

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में भारत राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक रूप से इतनी मजबूत स्थिति में पहुंच चुका है कि दोस्त क्या अब दुश्मन भी उसका लोहा मानने लगे हैं, तो इसमें अतिशयोक्ति नहीं होगी। चुनाव के जरिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को हराने में असफल देश की विपक्षी पार्टियों को छोड़कर पूरी दुनिया हमारी इस उपलब्धि को स्वीकार भी कर रही है और सराह भी रही है। पिछले हफ्ते शुक्रवार को संपन्न क्वाड का पहला शिखर सम्मेलन इसका ताजा उदाहरण है। इस सम्मेलन से स्पष्ट हो गया कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की विस्तारवादी नीतियों के जवाब में भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान ने 14 साल पहले जिस क्वाड का गठन किया था, वह अब अपने सामरिक महत्व से आगे बढ़कर आर्थिक जरूरत में बदल गया है और देखा जाए तो पिछले साल आई कोरोना महामारी ने भारत को पूरी दुनिया के आकर्षण का केंद्र बना दिया है।

कोरोना से पहले भारत सहित क्वाड के सभी देश अपनी जरूरतों के लिए चीन पर निर्भर थे। सिर्फ ये देश ही नहीं, बल्कि चीन तो ग्लोबल सप्लाई चेन पर इतना हावी था कि वह पूरी दुनिया को सस्ते माल आपूर्ति का केंद्र बना हुआ था। अब भारत ग्लोबल फैक्ट्री बनकर उभर रहा है। जब पूरी दुनिया को पीपीई किट की आवश्यकता हुई तो एक भी किट नहीं बनाने वाला भारत सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बनकर सामने आया। आज हमारे पास प्रतिदिन 10 लाख पीपीई किट बनाने की क्षमता है। सिर्फ पीपीई किट ही क्यों, कोरोना की वैक्सीन से लेकर सिरिंज तक की वैश्विक आपूर्ति भारत से हो रही है। हाईड्रोक्लोरोक्वीन से लेकर वेंटीलेटर उत्पादन के मामले में भारत न सिर्फ आत्मनिर्भर हुआ है, बल्कि निर्यात भी कर रहा है। हाल में अमेरिकी कंपनी जानसन एंड जानसन की सिंगल डोज वैक्सीन के निर्माण का आर्डर भारत की कंपनी को मिलना यह बताता है कि हमारे प्रति भरोसा बढ़ रहा है। इसमें दोराय नहीं है कि भारत की वैक्सीन कूटनीति ने उसे दोस्तों के साथ दुश्मनों का भी सम्मान दिलाया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र के अलावा भारत मोबाइल एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के मामले में पूरी दुनिया का ध्यान खींच रहा है। केंद्र सरकार की प्रोत्साहन योजनाओं का नतीजा है कि एपल और सैमसंग जैसी चोटी के ब्रांड सहित दो दर्जन बड़ी कंपनियां अरबों डॉलर का निवेश कर रही हैं। मोदी सरकार के तहत खासकर रक्षा के क्षेत्र में देश की उपलब्धियों ने दुनिया का विशेष ध्यान खींचा है। रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र के प्रवेश और रक्षा उत्पादों की आयात सूची में कटौती के बाद से इस दिशा में खास प्रगति हुई है। हमारी वायु सेना ने देसी कंपनी को एक साथ 83 तेजस लड़ाकू विमानों का आर्डर देकर यह साबित कर दिया कि हम पूरी दुनिया की सेनाओं को विश्वस्तरीय रक्षा निर्यात करने में सक्षम हैं। पिछले पांच साल के दौरान देश के रक्षा निर्यात में सात गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। अगले चार साल में इसे पांच अरब डॉलर यानी 35 हजार करोड़ रुपये पर ले जाने का लक्ष्य है।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि भारत की इस बढ़ती ताकत में उन उद्यमियों का बड़ा हाथ है जिन्हें यूनिकार्न कहा जाता है। यूनिकार्न यानी ऐसे उद्यम जिन्हें उन लोगों ने शुरू किया जिन्हें विरासत में पूंजी नहीं मिली थी। इन लोगों ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर ऐसी कंपनियां खड़ी की हैं, जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों को टक्कर दे रही हैं। देश में कम से कम 100 ऐसी यूनिकार्न हैं, जिनमें से प्रत्येक का वैल्यूएशन एक अरब डॉलर यानी 73 अरब रुपये से ज्यादा है। इन कंपनियों में विदेशी निवेशक धड़ल्ले से पैसे लगा कर रहे हैं। जाहिर सी बात है कि इन कंपनियों में उन्हें भविष्य सुरक्षित दिख रहा है। यह सब देश की विपक्षी पार्टियों को नहीं दिख रहा, क्योंकि उन्हें सिर्फ विरोध करना है। इसलिए वे कहते हैं कि इस देश को सिर्फ दो उद्योगपति चला रहे हैं। दरअसल, उन्हें तो अपना ही जमाना याद है, जब चुनिंदा पूंजीपतियों की ही चलती थी। उन्हें ही प्रोजेक्ट भी मिलते थे और बैंकों से कर्ज भी। आज तो जिसके पास आइडिया है, वह यूनिकार्न है यानी भारत न सिर्फ एक मजबूत राजनीतिक लोकतंत्र है, बल्कि इसका आर्थिक तंत्र भी समानता के सिद्धांत पर ही चल रहा है। मोदी सरकार के निजीकरण को बढ़ावा देने के प्रयासों और ईज आफ डूईंज बिजनेस इंडेक्स में सुधार ने भारत को विदेशी निवेशकों के लिए काफी आकर्षक बना दिया है। पूरी दुनिया के मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में भारत की बढ़ती ताकत ने क्वाड देशों को यह आत्मविश्वास दिया है कि अब उन्हें अपनी जरूरतों के लिए चीन पर निर्भर नहीं रहना होगा। भारत उसे पदस्थापित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। लिहाजा उसे कस कर घेरा जा सकता है। चीन की ही तरह भारत का घरेलू बाजार उसकी सबसे बड़ी ताकत है। श्रम भी दोनों देशों में सस्ता है। स्किल के मामले में भी दोनों में 19-20 का फर्क है, लेकिन चीन के पास भारत की तरह लोकतंत्र नहीं है।

रिश्तों की नाप-जोख

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन की तीन दिवसीय भारत यात्रा दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के संकल्प दोहराती हुई संपन्न हुई। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन के शपथ ग्रहण के बाद से यह उनके सत्ता ढांचे के किसी अहम सदस्य की पहली भारत यात्रा थी, इसलिए स्वाभाविक रूप से सबकी नजरें इस पर टिकी हुई थीं। यह यात्रा ऐसे समय हुई है जब भारत-अमेरिका रिश्तों का समीकरण पूरे एशियाई प्रशांत क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गया है।

कुछ ही दिन पहले क्वाड शिखर बैठक में राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रधानमंत्री नरेंद मोदी की वर्चुअल मुलाकात भी हो चुकी है। बावजूद इसके, ऑस्टिन की इस यात्रा को लेकर दोनों तरफ उम्मीदों के साथ-साथ कुछ आशंकाएं भी जोर मार रही थीं। यात्रा की पूर्वसंध्या पर अमेरिकी सीनेट की फॉरेन रिलेशंस कमिटी के चेयरमैन रॉबर्ट मेनेंडीज ने डिफेंस सेक्रेटरी ऑस्टिन को पत्र लिखकर कहा कि वे भारत में रूसी एस-400 मिसाइल की खरीद का मसला जरूर उठाएं। इसके साथ ही उन्होंने बातचीत के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवाधिकार से जुड़े सवाल भी उठाने को कहा।

रूसी एस 400 मिसाइल खरीद का मुद्दा निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच अभी सबसे संवेदनशील मसला बना हुआ है। भारत जल्द ही इस सौदे की औपचारिक घोषणा करने वाला है जबकि अमेरिका इसके खिलाफ है। इसी सौदे की वजह से वह अपने नाटो सहयोगी तुर्की तक पर कई प्रतिबंध लगाने की घोषणा कर चुका है।

भारत कहता रहा है कि रूस से या किसी भी देश से हथियार खरीदने का मतलब उससे करीबी और बाकी मित्र देशों से दूरी नहीं है। किससे कौन सा हथियार खरीदना है या नहीं खरीदना है यह भारत की सुरक्षा तथा संप्रभुता से जुड़ा सवाल है, इसलिए इस पर किसी तरह की सौदेबाजी नहीं की जानी चाहिए।

उम्मीद की जा रही है कि बाइडेन प्रशासन दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों की अहमियत समझते हुए भारत को इस मामले में अपवाद मानने की नीति को जारी रखेगा। अमेरिकी सरकार ने इस मसले पर अभी तक कोई फैसला नहीं किया है।

अच्छी बात यह रही कि ऑस्टिन की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के प्रति नकारात्मकता पैदा करने वाला कोई संकेत नहीं दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा सचिव से मुलाकात के बाद अपने अर्थपूर्ण ट्वीट में कहा कि दोनों की सामरिक साझेदारी दुनिया का भला करने वाली ताकत है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी इंडस्ट्री का स्वागत करते हुए कहा कि उसे रक्षा क्षेत्र में भारत की उदार एफडीआई नीतियों का फायदा उठाना चाहिए। साफ है कि भारत के साथ सहयोग की नीति न केवल भारत के लिए बल्कि खुद अमेरिका के लिए भी लाभदायक है।

लेकिन यह संदेश लॉयड ऑस्टिन ने कितनी अच्छी तरह ग्रहण किया है और बाइडेन प्रशासन की आगामी नीतियों में यह किस रूप में प्रतिबिंबित होती है, इसका ठीक-ठीक अंदाजा थोड़े समय बाद होगा जब भारत के एस-400 मिसाइल खरीद सौदे और अन्य महत्वपूर्ण मसलों पर अमेरिका अपना रुख स्पष्ट करेगा।

पोप की ऐतिहासिक इराक यात्रा शांति, सहिष्णुता और भाईचारे के विचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम

> **कोई भी सकारात्मक कार्य केवल शांति के माहौल में ही किया जा सकता है-चाहे वह व्यक्तिगत हो या सामाजिक। पोप की ऐतिहासिक इराक यात्रा-शांति, सहिष्णुता और भाईचारे के विचार की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने वही संदेश दिया, जो भारत के लोग और यहां की संस्कृति सदियों से देती आ रही है। इस खूबसूरत दुनिया को संरक्षित करना हमारा कर्तव्य है। हमारी आने वाली पीढ़ियों की क्षमता सही दिशा में उजागर हो, इसके लिए एक शांतिपूर्ण समाज की आवश्यकता है। ऐसे समाज को अस्तित्व में लाने के लिए हमें आज से ही प्रयास करने होंगे।**

पिछले दिनों पोप फ्रांसिस इराक की यात्रा करने वाले इतिहास के पहले पोप बने। वहां पहुंचकर उन्होंने इराक को 'सभ्यता का उद्गम' कहा। पोप की इस ऐतिहासिक यात्रा को विश्वभर में पश्चिम एशिया में विभिन्न समुदायों के बीच संवाद को बढ़ावा देने के नजरिये और आशावाद की भावना से देखा गया। इराक के प्राचीन शहर ऊर में आयोजित एक महत्वपूर्ण सर्वधर्म बैठक में उन्होंने कहा कि 'शत्रुता, अतिवाद और हिंसा का जन्म किसी धार्मिक व्यक्ति में नहीं हो सकता, बल्कि ऐसा करने वाले धर्म के साथ विश्वासघात करते हैं।' पोप का यह संदेश विश्व के सभी धर्मों द्वारा दी गई शिक्षाओं का सार है। उनका संबोधन यह दर्शाता है कि धर्म जोड़ने का काम करता है, न कि तोड़ने का।

दरअसल ऊर इराक का हजारों साल पुराना शहर है, जो हजरत इब्राहीम की जन्मस्थली के नाम से जाना जाता है। हजरत इब्राहीम को यहूदी, ईसाई और इस्लाम धर्म के लोग आदर के साथ देखते हैं। इस यात्रा का एक और ऐतिहासिक क्षण पोप फ्रांसिस और अयातुल्ला अली अल सिस्तानी के बीच हुई मुलाकात थी। मालूम हो कि इसके लिए पोप बगदाद से नजफ एक विशेष विमान से गए थे। नजफ शहर एक मुख्य शिया धार्मिक केंद्र है। यहां दुनिया भर के शिया समाज के लोग जाते हैं। यहां मौजूद हजरत इमाम अली इब्न अबी तालिब की मजार इस शहर की महत्ता का एक बड़ा कारण है। अयातुल्ला सिस्तानी को विश्व के प्रभावशाली व्यक्तियों में गिना जाता है। वह इराक और शिया समाज की एक बड़ी हस्ती माने जाते हैं। पोप और

अयातुल्ला के बीच आपसी योगदान के साथ-साथ विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच आपसी सहयोग और संवाद के महत्व पर चर्चा की गई। इस बैठक में पोप ने कहा कि आपसी भावना के साथ काम करने में न सिर्फ इराक, बल्कि संपूर्ण विश्व की भलाई है।

देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न धार्मिक नेताओं और सरकारों के बीच संवाद काफी बढ़े हैं। आज धर्म को शांतिपूर्ण व्यवस्था को बढ़ाने में एक बड़े सहयोगी के रूप में देखा जाता है। इसीलिए इन दिनों सर्वधर्म संवाद के माध्यम से मतभेदों को समाप्त करने के रास्ते तलाशे जा रहे हैं। अगर आज इन प्रयासों में तेजी लाई जाए तो इसका भविष्य में फलदायी परिणाम अवश्य प्राप्त हो सकता है। संयुक्त अरब अमीरात फतवा परिषद के प्रमुख शेख अब्दुल्ला बिन बिया ने एक बार कहा था कि मानवता एक जहाज पर सवार है और इसे बचाना सभी का कर्तव्य है।

वास्तव में मानव इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा है, जहां लोगों ने अपने राष्ट्र और सभ्यता को एक-दूसरे के प्रति हिंसा और शत्रुता में फंसाकर नष्ट कर दिया। शांति मात्र एक शब्द नहीं है। इसके अभाव में कोई भी समाज या राष्ट्र तरक्की नहीं कर सकता। इसका असर समाज से लेकर देश की अर्थव्यवस्था या राष्ट्र से जुड़े प्रत्येक पहलू में देखा जा सकता है। इसलिए समाज में शांति बनाए रखने का दायित्व केवल सरकार का नहीं, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। याद रखें कि आपसी मतभेदों को स्वीकार करने और एक-दूसरे के प्रति आपसी सम्मान की भावना को अपनाने से शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की शुरुआत होती है। विभिन्नता को पनपने देना एक स्वस्थ समाज की कुंजी है। इसके विपरीत विभिन्नता को खतरे के रूप में देखने वाली मानसिकता अगर संपूर्ण समाज में फैल जाए तो उस समाज में रचनात्मकता और एकजुटता भी समाप्त होने लगती है। इसलिए यह समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि विभिन्नता वरदान है, कोई दोष नहीं। इसकी मौजूदगी किसी राष्ट्र को आगे बढ़ने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान करती है।

आज विश्व में केवल भारत ही एक ऐसा देश है, जो इस संबंध में एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करने की क्षमता रखता है। अपनी समृद्ध विरासत, संपन्न विविधता और सहिष्णुता की सहज भावना के साथ भारत दुनिया में आध्यात्मिक शक्ति के रूप में उभरकर सामने आ सकता है। भारत में प्रत्येक धर्म और संस्कृति के लोग बिना किसी भेदभाव के बरसों से साथ रहते आ रहे हैं। इसका बड़ा कारण यहां के लोगों की आपसी सामंजस्य की प्रवृत्ति है। इस प्रवृत्ति ने यहां के लोगों के मन में अपने धर्म को लेकर श्रेष्ठता का नहीं, बल्कि विनम्रता का भाव पैदा किया। इंसान शांति की एक सतत स्थिति में हमेशा रह सकता है, लेकिन टकराव और झगड़े की स्थिति में हमेशा रहना संभव नहीं। आज जब धार्मिक कारणों से पैदा हुई हिंसा और आतंकवाद की घटनाएं सुनने में आती हैं तो ऐसे में सभी समुदायों के धार्मिक गुरुओं की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे सभी एक साथ आएं और सह अस्तित्व के संदेश को समाज के सामने रखें। धर्म में श्रेष्ठता के भाव को आज खत्म करने की आवश्यकता है।

पोप की ऐतिहासिक इराक यात्रा ने दुनिया को वही संदेश दिया, जो भारत सदियों से देता आ रहा है जब तक किसी भी धर्म के मानने वाले लोगों में यह भाव रहेगा कि 'मेरा धर्म या मेरा विचार ही सर्वश्रेष्ठ है', तब तक विश्व में पूर्णत- शांतिपूर्ण समाज की कल्पना मुश्किल है। इस आधार पर जो लोग समाज या राष्ट्र की शांति भंग करने का प्रयास करते हैं, वे सामाजिक ताने-बाने को गहरी चोट पहुंचाते हैं। कोई भी सकारात्मक कार्य केवल शांति के माहौल में ही किया जा सकता है-चाहे वह व्यक्तिगत हो या सामाजिक। पोप की ऐतिहासिक इराक यात्रा-शांति, सहिष्णुता और भाईचारे के विचार की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने वही संदेश दिया, जो भारत के लोग और यहां की संस्कृति सदियों से देती आ रही है। इस खूबसूरत दुनिया को संरक्षित करना हमारा कर्तव्य है। हमारी आने वाली पीढ़ियों की क्षमता सही दिशा में उजागर हो, इसके लिए एक शांतिपूर्ण समाज की आवश्यकता है। ऐसे समाज को अस्तित्व में लाने के लिए हमें आज से ही प्रयास करने होंगे।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते प्रसार के कारण हाईअलर्ट पर योगी आदित्यनाथ सरकार, सख्ती लागू

लखनऊ । महाराष्ट्र, दिल्ली, केरल, पंजाब के साथ ही राजस्थान व मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के बाद उत्तर प्रदेश में भी मार्च महीने में दस मार्च के बाद से हर दिन सौ से अधिक नए मामले सामने आने के बाद से उत्तर प्रदेश सरकार हाई अलर्ट पर है। प्रदेश में कक्षा एक से नौ तक के स्कूलों में 24 से 31 मार्च तक अवकाश घोषित किया गया है, लेकिन जहां पर परीक्षाएं चल रही हैं, वह जारी रहेंगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ का इसके साथ ही सख्त निर्देश है कि प्रदेश में अब बिना जिला प्रशासन की अनुमति न तो कोई सार्वजनिक कार्यक्रम होगा और न ही कहीं पर कोई जुलूस निकाला जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार शाम को उच्च स्तरीय बैठक के बाद तमाम बंदिशों को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने दोबारा तेजी से बढ़ते कोरोना वायरस संक्रमण के कारण सभी प्रकार के आयोजनों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

मुख्यमंत्री ने होली के साथ ही प्रदेश में पंचायत चुनाव और दूसरे राज्यों में कोरोना संक्रमण के बढने की स्थिति के मद्देनजर विशेष सतर्कता के साथ ही सभी को सावधानी बरतने के निर्देश दिए। सरकार ने होली के अवसर पर होने वाली पार्टियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही रेन डांस व शराब पार्टी पर पूरी तरह से बैन लगाया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि प्रदेश में बिना अनुमति किसी भी प्रकार के कार्यक्रम का नहीं होगा। बिना स्थानीय प्रशासन की पूर्वानुमति के कोई भी जुलूस या सार्वजनिक समारोह नहीं होगा। इन सबके साथ उन्होंने निर्देश दिया कि कोरोना टीकाकरण का काम प्रतिबद्धता के साथ किया हो। हर जनपद में कम से कम एक डेडीकेटेड कोविड हॉस्पिटल तत्काल प्रभाव से काम करे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना वायरस से बचाव और उपचार की व्यवस्थाओं को मजबूत करते हुए संक्रमण की स्थिति को रोकने के सभी उपाय सुनिश्चित किए जाएं। ग्रामीण इलाकों में प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर और शहरों में वॉर्ड स्तर पर नोडल अधिकारी या कर्मचारी की तैनाती हो।

स्कूलों में अवकाश, जारी रहेंगी परीक्षाएं-

मुख्यमंत्री ने कक्षा-1 से 8 तक के सभी परिषदीय और निजी विद्यालयों में 24 से 31 मार्च, तक होली के अवकाश के निर्देश दिए। जिन शिक्षण संस्थानों में परीक्षाएं आयोजित नहीं हो रही हैं, वहां 25 से 31 मार्च तक अवकाश रहेगा। जहां पर परीक्षा हो रही है, वहां पर परीक्षाओं को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सम्पन्न कराया जाए।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के के 542 नए मामले सामने आए हैं। इनमें भी राजधानी लखनऊ में 147 नए केस सामने आए हैं। प्रदेश में रविवार को 496 तथा शनिवार को 442 नए कोरोना संक्रमित मिले थे। इसके साथ ही प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 3396 पहुंच गई है। इस महामारी के संक्रमण के कारण प्रदेश में अब तक 8760 लोगों की मौत हो चुकी है।

सीएम योगी आदित्यनाथ की बैठक के दस अहम निर्णय

1- पर्व और त्योहारों को मनाने पर कोई रोक नहीं है लेकिन कोरोना के हालतों को देखते हुए लोग खुद सतर्कता बरतें। बिना स्थानीय प्रशासन की पूर्वानुमति के कोई भी जुलूस तथा कार्यक्रम या सार्वजनिक समारोह आयोजित न किए जाएं।

2- कोरोना संक्रमण पर नजर रखने के लिए ग्रामीण इलाकों में हर ग्राम पंचायत के लेवल पर और शहरों में वार्ड स्तर पर नोडल अधिकारी या कर्मचारी की तैनात होंगे।

3- इन नोडल अधिकारियों को जिम्मेदारी दी जाएगी कि संदिग्ध रोगी पाए जाने पर रोगियों को क्वारंटीन करने की व्यवस्था करें और आरटीपीसीआर जांच कराते हुए कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

4- हर जनपद में एक-एक डेडीकेटेड कोविड हॉस्पिटल चालू किया जाए और इसके लिए जरूरी स्टाफ की भी तैनाती की जाए।

5- सार्वजनिक आयोजनों से बचें और अगर ये हो भी रहे हैं तो कोविड नियमों का पूरा पालन हो। आयोजनों में हाई रिस्क कैटेगरी जैसे 10 वर्ष से कम उम्र बच्चों और 60 वर्ष से अधिक के वृद्धजन, एक से अधिक गम्भीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों आदि को शामिल होने से रोका जाए। आयोजनों में कोविड प्रोटोकॉल, मास्क, फिजिकल डिस्टेंसिंग का सख्ती से पालन हो।

6- जिन शिक्षण संस्थानों में परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं वहां सब कुछ सामान्य रहेगा। कोविड प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन किया जाए।

7- इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटरमें प्रतिदिन कोविड-19 संबंधी समीक्षाएं अधिकारी सुनिश्चित करें।

8-कोविड वैक्सीनेशन प्रोग्राम को पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जाए और वैक्सीन खराब होने से बचाई जाए।

9- ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट और अन्य संस्थानों में बाहर से आने वाले लोगों पर नजर रखी जाए।

10- जेलों में भी कोविड नियमों का पालन हो और पेशी के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ही इस्तेमाल की जाए।

अमिताभ ठाकुर को अनिवार्य सेवानिवृति, बोले- सरकार को अब मेरी सेवाएं नहीं चाहिए, जय हिंद

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के खिलाफ केस दर्ज कराने के बाद से बेहद चर्चा में रहे 1992 बैच के आइपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को अनिवार्य सेवानिवृति का आदेश दिया गया है। अखिल भारतीय पुलिस सेवा से जबरिया रिटायर किए गए अमिताभ ठाकुर ने इसके बाद एक ट्वीट भी किया है।

उत्तर प्रदेश में आईजी रूल्स एंड मैन्युअल के पद पर कार्यरत आइपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी गई। अमिताभ ठाकुर को लोकहित में सेवा में बनाये रखे जाने के उपयुक्त न पाते हुए लोकहित में तात्कालिक प्रभाव से सेवा पूर्ण होने से पूर्व सेवानिवृत किये जाने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद अमिताभ ठाकुर ने एक ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि मुझे अभी-अभी वीआरएस (लोकहित में सेवानिवृति) आदेश प्राप्त हुआ। सरकार को अब मेरी सेवाएं नहीं चाहिये। जय हिन्द।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की स्क्रीनिंग में उत्तर प्रदेश काडर के आइपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर के साथ दो अन्य को भी सरकारी सेवा के लिए उपयुक्त नहीं पाया गया। उत्तर प्रदेश काडर के तीन आइपीएस अफसर गृह मंत्रालय की स्क्रीनिंग में बाहर हो गए और अब इनको अनिवार्य सेवनिवृत्ति

दी गई है। अमिताभ ठाकुर के साथ राजेश कृष्ण और राकेश शंकर को अनिवार्य सेवानिवृति दी गई है।

उत्तर प्रदेश काडर के 1992 बैच के आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह के खिलाफ मोर्चा खोलने के साथ ही उनके खिलाफ लखनऊ में केस भी दर्ज करावाया था। इसके बाद अखिलेश यादव सरकार ने उनके खिलाफ भी केस दर्ज कराया। उनके खिलाफ पांच पांचवीं विभागीय कार्रवाई भी हुई थी। उनके खिलाफ आरोप था कि 16 नवम्बर 1993 को आईपीएस की सेवा प्रारंभ करते समय अपनी संपत्ति का ब्यौरा शासन को नहीं दिया गया। इसके साथ ही उन्होंने 1993 से 1999 तक का वर्षवार संपत्ति विवरण शासन को एकमुश्त दिया। आरोपपत्र में यह भी था कि अमिताभ ठाकुर के वर्षवार वार्षिक संपत्ति विवरण में काफी भिन्नताएं हैं। उन्होंने अपनी पत्नी व बच्चों के नाम से काफी संख्या में चल एवं अचल संपत्तियां, बैंक व पीपीएफ जमा की हैं। उनको ऋण व उपहार प्राप्त हुए थे, किन्तु उन्होंने इसकी सूचना शासन को नहीं दी। इन कार्यों को अखिल भारतीय आचरण नियमावली 1968 के नियम 16(1) तथा 16(2) का उल्लंघन बताते हुए अमिताभ ठाकुर को 15 दिन में इनके संबंध में अपना जवाब देने को कहा गया था। इससे पहले अमिताभ ठाकुर पर चार विभागीय कार्रवाइयां चलीं जो जो वर्ष 2015-16 में शुरू हुई थीं।

संक्षिप्त खबर

छिछोरे को मिला सर्वश्रेष्ठ फिल्म का अवार्ड तो छलक पड़ीं सुशांत के पिता की आंखें, बोले- काश वो जिंदा होता

पटना । बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म छिछोरे को सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय फिल्म का अवार्ड मिला है। सुशांत अब इस दुनिया में नहीं रहे। बीते साल मुंबई स्थित अपने फ्लैट में लटकता उनका शव मिला था। आज उनकी फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का अवार्ड मिलने पर उनके पिता केके सिंह की आंखें भर आईं। भावुक पिता ने कहा कि काश, आज वो जिंदा होता। सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने से पटना स्थित उनकी कॉलोनी में लोगों में खुशी देखी गई।

काश! आज जिंदा होते सुशांत- केके सिंह ने कहा कि बेटे की मौत से जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई तो मुश्किल है, लेकिन राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने से कुछ खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि काश, आज सुशांत की मां जिंदा होतीं, सुशांत भी होते तो कितना अच्छा होता। मां-बेटे में जो लगाव था, उनकी याद आ रही है। प्यार से उसका नाम बुलशन रखा था, लेकिन मेरा तो गुलशन ही उजड़ गया। उसकी सफलता का सपना देखा था, लेकिन बहुत सारे सपने अधूरे रह गए हैं।

बेटे की जिंदगी से मिलती है फिल्म- फिल्म छिछोरे साल 2019 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन नितेश तिवारी ने किया था। फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत के साथ श्रद्धा कपूर, वरुण शर्मा और ताहिर राज भसीन ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। बॉक्स ऑफिस पर सफल रही यह फिल्म में सुशांत ने बेहतरीन अभिनय किया है। फिल्म सुसाइड के खिलाफ बड़ा मैसेज देती है। हालांकि, सुशांत के पिता बताते हैं कि उन्होंने यह फिल्म एक बार देखी है। वे मानते हैं कि फिल्म की कहानी उनके बेटे की जिंदगी से मिलती है।

बीते साल फ्लैट में मृत मिले थे सुशांत- विदित हो कि सुशांत सिंह राजपूर बीते 14 जून 2020 को मुंबई स्थित अपने फ्लैट में मृत पाए गए थे। इस घटना की सीबीआइ जांच चल रही है।

सुशील मोदी का शरद पवार पर बड़ा हमला, लालू की तरह महाराष्ट्र में दागी मंत्री को बचा रहे एनसीपी सुप्रीमो

पटना । भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार पर बड़ा हमला किया है। कहा है कि महाराष्ट्र में एक बेमेल गठबंधन की सरकार में शामिल एनसीपी कोटे के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर जब पुलिस कमिश्नर ने 100 करोड़ रुपये की नाजायज वसूली के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया, तब संबंधित मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए था। इसके विपरीत शरद पवार दागी मंत्री का बचाव कर रहे हैं और कांग्रेस मूक दर्शक बनी है। बिहार में ठीक ऐसा ही महागठबंधन की सरकार के दौरान राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने किया था। यही काम आज शरद पवार महाराष्ट्र में कर रहे हैं।

सुशील मोदी ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि 2017 में बिहार की महागठबंधन सरकार के समय तत्कालीन उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के मॉल-मिट्टी-जमीन घोटाले में आरोपित होने और इस्तीफा नहीं देने से वैसी ही परिस्थिति बनी थी, जैसी आज महाराष्ट्र में अनिल देशमुख के चलते पैदा हुई है। तब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सरकार का इस्तीफा सौंप कर मिसाल कायम की थी। उन्होंने कहा है कि तब बिहार की महागठबंधन सरकार में दागी मंत्री के इस्तीफे की मांग को ठुकरा कर जो हठ आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने दिखाया था, वही रुख आज एनसीपी प्रमुख पवार अपना रहे हैं। उद्धव ठाकरे को यदि बाला साहब ठाकरे की प्रतिष्ठा का जरा भी ख्याल हो और वे शिवसेना को सम्पूर्ण कांग्रेसीकरण से बचाना चाहते हैं तो उन्हें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तरह तुरंत अपनी सरकार का इस्तीफा देना चाहिए।

बेरोजगारी व अपराध को ले सीएम नीतीश पर हमलावर हुए तेजस्वी, बोल- उन्हें आइना दिखाना जरूरी

पटना । बिहार में बेरोजगारी और अपराध को मुद्दे बनाकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने फिर नीतीश कुमार की सरकार को घेरा है। मंगलवार को पटना में राष्ट्रीय जनता दल के विधानसभा मार्च के पहले मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बेरोजगारी और अपराध में वृद्धि के खिलाफ पार्टी ने विधानसभा के घेराव का फैसला किया है। बैकडोर से आई यह सरकार न तो जनता का काम कर रही है, न ही सदन में सवालों के सही जवाब दे रही है। इसलिए इस सरकार को आइना दिखाना जरूरी है।

तेजस्वी ने कहा कि जनता ने महागठबंधन पर भरोसा कर जनादेश भी दिया था, लेकिन क्या हुआ यह सब जानते हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 19 लाख रोजगार देने का वादा किया था। उस चुनावी वादे का क्या हुआ

नेता प्रतिपक्ष ने बिहार सरकार को बढ़ते अपराध के मुद्दे पर भी घेरा। कहा कि नीतीश कुमार से कानून-व्यवस्था नहीं संभल रही है। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। तेजस्वी यादव ने बिहार में लाए जा रहे नए पुलिस बिल को काला कानून बताते हुए कहा कि इसका सदन के अंदर और बाहर जमकर विरोध किया जाएगा। यह कानून सरकार को बेलगाम कर विरोधियों को दबाने का हथियार देगा।

हमेशा लीक होता है बिहार बोर्ड का पेपर- तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में शिक्षा की हालत तो यह है कि सीबीएसई का पेपर कहीं लीक नहीं होता, पर बिहार बोर्ड का पेपर हमेशा लीक हो जाता है।

हुसैनीवाला में शहीद ए आजम भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु की समाधि पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे नेता व आम लोग

फिरोजपुर । शहीद -ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को शहीदी दिवस पर हुसैनीवाला में स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। हुसैनीवाला में भारत माता के तीनों वीर सपूतों के स्मारक पर लोग सुबह से श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे हैं। पंजाब के कैबिनेट मंत्री कैबिनेट मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, विधायक परमिंदर सिंह पिंकी ओर विधायक कुलबीर सिंह जीरा ट्रैक्टर पर सवार होकर पहुंचे।

फिरोजपुर के नजदीक हुसैनीवाला स्थति शहीद स्मारक पर तीनों नेता पहुंचे और शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को पुष्पांजलि देकर श्रद्धांजलि दी। कैबिनेट मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि शहीद-ए आजम भगत सिंह की कुर्बानी आज भी देश के युवाओं को देशभक्ति की प्रेरणा देते हैं।

देश के महान क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू का फिरोजपुर की धरती के साथ पुराना रिश्ता है। इसी धरती पर तीनों क्रांतिकारी साथियों को फांसी देने के बाद सतलुज दरिया के किनारे हुसैनीवाला में 23 मार्च 1931 को देर रात अंधेरे में उनकी पाथिर्व देह का अंतिम संस्कार कर दिया गया था।

उनकी याद में यहां पर समाधि स्थल बना गए है। जहां पर हर साल 23 मार्च को मेला लगता था। विभिन्न नेताओ, प्रशासनिक अधिकारियो सहित देशभक्ति का जज्बा रखने वाले संगठनों द्वारा यहां पर इंकलाबी नारो के साथ भगत सिंह सहित उनके साथियों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके दिखाए मार्ग पर चलने की सौगंध ली जाती है। पिछले साल से कोरोना के कारण यह आयोजन नहीं हो रहा है।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित हुसनैवाला स्मारक पर तीनो क्रांतिकारी साथियो की समाधि पर लगातार शहीद ज्योति जलती रहती है। यहां पर भगत सिंह के साथी बुटकेश्वर दत्त की समाधि के अलावा साथ में भगत सिंह की माता पंजाब माता की समाधि भी है। वर्ष 2015 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां पर पुष्पांजलि अर्पित की थी। समाधि स्थल के साथ अंततराष्ट्रीय बार्डर है और कोरोना काल से पहले रोजाना यहां पर रिट्रीट सेरेमनी होती थी।

इस स्थल पर श्रद्धा के फूल अर्पित करने देश-विदेश से लोग आते है। फिरोजपुर में स्थित तूड़ी बाजार में भगत सिंह के क्रांतिकारी साथियों का गुप्त ठिकाना होता था। जहां पर भगत सिंह ने अपना भेष बदलकर बाल कटवाए थे और हैट पहनी थी।

इसी बिल्डिंग में भगत सिंह साथियों के साथ बम बनाते थे। इन्ही शहीदों के कारण फिरोजपुर को शहीदों की धरती के नाम से भी जाना जाता है।

सहारनपुर में दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बनाई, ब्लैकमेल कर मतांतरण कराया, मुकदमा दर्ज, दस आरोपितों की तलाश में पुलिस

सहारनपुर । देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की युवती को नशीला पदार्थ सुंघाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। अश्लील वीडियो बनाकर आरोपित ने ब्लैकमेल कर 50 हजार रुपये मांगे और फिर मुजफ्फरनगर जिले में ले जाकर जबरन मतांतरण करा दिया। हिंदू जागरण मंच के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने एक महिला समेत 10 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया, जो फरार हैं।

यह है मामला

पीड़िता ने बताया कि फरवरी माह में वह अपने गांव के ही एक जनसेवा केंद्र पर पैन कार्ड बनवाने गई थी। यहां उसे गांव निवासी आरोपित मोहम्मद अहमद मिला। उसने पैन कार्ड के लिए कई दिन तक चक्कर कटवाए। इसके बाद उसने कहा था कि उसके जनसेवा केंद्र पर पैन कार्ड नहीं बन पा रहा है। उसे उसके साथ सहारनपुर जाना होगा। युवती आरोपित के साथ सहारनपुर चली गई। आरोपित उसे एक होटल में ले गया और वहां बेहोश करके उसके साथ दुष्कर्म किया, जिसकी वीडियो भी बनाई। इसके बाद वह लगातार ब्लैकमेल करता रहा। युवती ने अपने पिता को बताया तो उन्होंने 16 फरवरी को उसकी शादी कर दी। आरोप है कि शादी के बाद भी आरोपित ने पीछा नहीं छोड़ा और धमकी दी कि यदि उसे 50 हजार रुपये नहीं देगी तो वह वीडियो वायरल कर देगा। डर के मारे वह घर से 50 हजार रुपये चोरी कर आरोपित मोहम्मद अहमद के पास ले गई, जहां से पहले से उसके रिश्तेदार शबाना, रफीक, असरफ, युनुस, युसुफ, सहवान, मोतीलाल, अहमद का जीजा और दोस्त मिले। आरोप है कि इन लोगों ने उसे बंधक बना लिया और मुजफ्फरनगर जिले के एक धार्मिक स्थल पर ले जाकर उसका मतांतरण करा दिया। इसके बाद आरोपित उसे गांव में ले आए और गांव के एक बाग में बंधक बनाकर रखा। किसी तरह युवती के पिता ने उसे बचाया। सोमवार को थाने पहुंची पीड़िता ने उपरोक्त सभी आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। देहात कोतवाली प्रभारी उमेश रोरिया का कहना है कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। उधर, हिंदू जागरण मंच के प्रांत संपर्क प्रमुख पश्चिम उत्तर प्रदेश ठाकुर सूर्यकांत सिंह ने बताया कि लड़की के पिता ने उनसे शिकायत की थी। उन्होंने एसएसपी से बात कर मुकदमा दर्ज कराया है।

अयोध्या में भीषण हादसे में छह की मौत-दो गंभीर, ट्रक ट्रेलर ने बसों में मारी टक्कर, सीएम ने जताया दुख

अयोध्या । दुर्घटनाग्रस्त खड़ी परिवहन निगम बस्ती डिपो की दो बसों में एक ट्रक ट्रेलर ने टक्कर मार दी। टक्कर होने से बस में सवार आठ यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान छह यात्रियों ने दम तोड़ दिया। दो घायल यात्री जिंदगी मौत से अस्पताल में जंग लड़ रहे हैं। सड़क दुर्घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख जताया है। घटना मंगलवार की भोर सुबह चार बजे हुई।

हादसा उस समय हुआ जब रोडवेज की दो बसें कानपुर से बस्ती जा रही थी, तभी एनएच 27 के रौजा गांव ओवरब्रिज पर डीसीएम ने पीछे चल रही एक बस को टक्कर मार दी। इसके बाद आगे चल रही बस भी रुक गई। इसके बाद दोनों बस के चालक और परिचालक नीचे उतरकर दुर्घटनाग्रस्त बस को देखने पहुंचे। तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ट्रेलर ने हादसे की शिकार हुई बस को टक्कर मार दी। जिस वक्त ट्रक ट्रेलर ने टक्कर मारी उस वक्त बस में सवार यात्री बस से उतर कर हाइवे पर खड़े थे। टक्कर की चपेट में आने से सभी यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में धनंजय विश्वकर्मा (29) निवासी छोटका गांव थाना घाटपार जिला देवरिया, अभिषेक शुक्ल (21) जखई नगर बाजार बस्ती, ओम प्रकाश (48) महादेवईट थाना हरैया बस्ती, विनोद कुमार (38) नरियावा थाना मुंडेवरा बस्ती सहित दो अज्ञात की मौत हो गयी। घटना से आधा घन्टे तक फोरलेन पर जाम की स्थिति बनी रही। रुदौली व पटरंगा पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायलों को अस्पताल भेजा। घटना की सूचना पुलिस ने मृतकों के परिजनों को दे दी। जिला अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस उपाधीक्षक डॉ. डीके यादव ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को अलग हटाकर फोरलेन पर यातायात बहाल कराया गया। हादसे में ट्रक ट्रेलर चालक की लापरवाही सामने आई है। डीएम अनुज झा व डीआईजी/ एसएसपी दीपक कुमार ने जिला अस्पताल पहुंच कर घायलों का हाल चाल लिया और उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश चिकित्सकों को दिए। अफसरों ने रोते विलखते परिजनों को सांत्वना प्रदान की।

परिवहन निगम देगा पांच पांच लाख का मुआवजा - सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को परिवहन निगम ने पांच - पांच लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना को संज्ञान में लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर रह कर पीड़ितों की हर संभव सहायता करने के दिए निर्देश। दुर्घटना में घायल हुए लोगों को तत्काल बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने के भी सीएम ने निर्देश दिए।

पुलिस से भिड़ी आरजेडी, पथराव व लाठीचार्ज के बीच दर्जनों घायल

पटना । बिहार विधानसभा के घेराव के लिए पटना के गांधी मैदान के पास स्थित जेपी गोलंबर से निकले राष्ट्रीय जनता दल के मार्च के दौरान पटना में जमकर उपद्रव हुआ है। कोरोनावायरस संक्रमण की रोकथाम को लेकर प्रशासन की मनाही के बावजूद आरजेडी नेता व कार्यकर्ता काफी संख्या में जेपी गोलंबर के पास इकट्ठा होकर विधानसभा के लिए रवाना हो गए। उन्होंने जेपी गोलंबर के पास लगाई गई बैरिकेडिंग को तोड़ दिया। इसके बाद डाकबंगला चौराहे पर उनकी पुलिस-प्रशासन से जबर्दस्त झड़प हुई, जिसमें दोनों ओर से कम से कम दो दर्जन लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। आरजेडी ने मीडिया पर भी हमला किया। जब वाटर कैनन से बात नहीं बनी तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पुलिस ने मार्च का नेतृत्व कर रहे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को हिरासत में ले लिया।

बेरोजगारी और अपराध सहित कई मुद्दों पर आंदोलन- बेरोजगारी, अपराध, महंगाई एवं अशिक्षा के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आरजेडी की ओर से मंगलवार को विधानसभा का घेराव किया जाना था। असम की चुनावी यात्रा से खासतौर पर इस आंदोलन के लिए तेजस्वी खुद पटना लौटे। युवा आरजेडी के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने दावा किया था कि घेराव कार्यक्रम में बड़ी तादाद में कार्यकर्ता एवं आम लोग शिरकत करेंगे। युवा आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष मो. कारी सोहैब के नेतृत्व में सारी तैयारी की गई। आरजेडी प्रवक्ता चितरंजन गगन ने घेराव को इतिहास से जोड़ा। उन्होंने कहा कि महंगाई और तानाशाही के मुद्दे पर 18 मार्च 1974 को बिहार के छात्रों ने लालू प्रसाद के नेतृत्व में विधानसभा का घेराव किया था। 47 वर्ष बाद तेजस्वी यादव के नेतृत्व में फिर वही आक्रोश है।

आरजेडी ने सरकार पर लगाया जनविरोधी होने का आरोप- आरजेडी ने सरकार पर जनविरोधी होने का आरोप लगाया है। आरजेडी के प्रदेश महासचिव विनोद यादव ने कहा है कि राजधानी के विभिन्न इलाकों में युवा आरजेडी द्वारा लगाए गए सैंकड़ों होर्डिंग-पोस्टर को नीतीश कुमार के इशारे पर नगर निगम प्रशासन ने हटा दिया है। सरकार की यह जनविरोधी नीति है। विधानसभा घेराव के ऐलान से सरकार डर गई है।

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव पटना में पार्टी की समाचार पुस्तिका राजद समचार 'का विमोचन करने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ।

एक नजर

राजस्थान में लगातार बढ़ रही कोरोना की रफ्तार, गहलोत बोले- कोविड प्रोटोकॉल की पालना नहीं करने पर होगी सख्ती

जयपुर । राजस्थान में कोरोना की रफ्तार लगातार बढ़ती जा रही है। सोमवार को 602 नये संक्रमित मिले हैं। पिछले पांच दिन में 185 फीसदी की दर से कोरोना बढ़ा है। प्रदेश में एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर पिछले साल 22 मार्च कोरोना की दस्तक के साथ ही जनता कर्फ्यू लागू किया गया था। सोमवार को जनता कर्फ्यू के एक साल हो गए। अब तक कुल 326026 कुल संक्रमित मिले हैं। वहीं मौतों की संख्या 2803 हो गई।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर कहा कि सिंगापुर सहित कई देशों ने कोरोना नियंत्रण के लिए बड़े जुर्माने और कड़ी सजा का प्रावधान किया था। जिसके कारण वहां जनता ने कोविड प्रोटोकॉल की पालना की। वर्तमान में वहां अभी स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। भारत में भी कई राज्यों ने कोविड प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर बड़े जुर्माने लगाए हैं । प्रदेश सरकार ने अब तक इसी तरह के कदम नहीं उठाए, लेकिन कोविड प्रोटोकॉल सही ढंग से फॉलो नहीं होने के कारण रज्य में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

उन्होने लोगों से अपील करते हुए लिखा, आमजन बिल्कुल भी लापरवाही ना बरतें। सभी कोविड प्रोटोकॉल का सही तरह से पालन करें अन्यथा सरकार को सख्त कदम उठाने पड़ेंगे। उधर राज्य के पुलिस महानिदेशक एम.एल.लाठर ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 2315 लोगों का कोरोना प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के कारण चालान किया गया है। इनमें मास्क नहीं लगाने, सोशल डिस्टेंसिंग की पालना नहीं करने, सार्वजनिक स्थलों पर थूकने और शराब पीने वाले लोग शामिल है। राजस्थान में कोरोना की रफ्तार लगातार बढ़ती जा रही है। सोमवार को 602 नये संक्रमित मिले हैं। पिछले पांच दिन में 185 फीसदी की दर से कोरोना बढ़ा है। प्रदेश में एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर पिछले साल 22 मार्च कोरोना की दस्तक के साथ ही जनता कर्फ्यू लागू किया गया था। सोमवार को जनता कर्फ्यू के एक साल हो गए। अब तक कुल 326026 कुल संक्रमित मिले हैं। वहीं मौतों की संख्या 2803 हो गई।

महाराष्ट्र में 24,645 नए मामलों की पुष्टि, 58 की मौत; मुंबई में दर्ज हुए सर्वाधिक केस

मुंबई, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण के दोबारा बढ़ रहे मामले अब डराने लगे हैं। कोरोना का सबसे ज्यादा कहर महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है। हालांकि इस कहर के बीच सोमवार का दिन थोड़ा राहत भरा रहा। सोमवार को यहां कोरोना के ताजा मामलों में गिरावट दर्ज की गई है। राज्य में सोमवार को कोरोना संक्रमण के 24,645 नए मामलों की पुष्टि हुई जिसके बाद राज्य में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 25,04,327 तक पहुंच गई। वहीं मुंबई में सर्वाधिक 3,262 मामले दर्ज किए गए। स्वास्थ्य विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र में बीते 24 घंटों में 58 संक्रमितों की मौत दर्ज की गई जिसके बाद राज्य में कुल मृतकों की संख्या बढ़कर 53,457 तक पहुंच गई। रविवार को यहां कोरोना संक्रमण के 30,535 और शनिवार को 27,126 नए मरीजों की पुष्टि हुई थी। 18 मार्च को 25,833 नए मामले सामने आए थे। राज्य के विभिन्न अस्पतालों से 19,463 लोगों को स्वस्थ पाये जाने पर अस्पताल से घर भेज दिया गया। महाराष्ट्र में अब तक कुल 22,34,330 लोग इस महामारी को मात दे चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार राज्य में महामारी से 58 और मरीजों की मौत के साथ मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 53,457 हो गई है. महाराष्ट्र में रविवार को संक्रमण के 30,535 और शनिवार को 27,126 नए मामले सामने आए थे. 18 मार्च को राज्य में महामारी के 25,833 नए मामले सामने आए थे. इससे पहले सितंबर में सर्वाधिक दैनिक मामलों की संख्या 24,896 थी. राज्य के विभिन्न अस्पतालों से आज 19,463 लोगों को छुट्टी दी गई. इसके साथ ही महाराष्ट्र में महामारी को मात देने वालों की संख्या 22,34,330 हो गई है. मुंबई में महामारी के सर्वाधिक 3,262 मामले सामने आए.

नागपुर में 3,596 नए मामले दर्ज -नागपुर में 3,596 नए मामले दर्ज किए गए और 1,837 मरीजों के स्वस्थ होने की खबर है। बीते 24 घंटों में 40 संक्रमितों की मौत दर्ज की गई। शहर में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 1,96,676 तक पहुंच चुकी है और 1,60,945 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। 31,067 मरीज सक्रिय बताये गए हैं जबकि 4,664 लोगों की इस महामारी के कारण मौत हो चुकी है। महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने लोगों से अपील करते हुए कहा अगर लॉकडाउन से बचना है तो कोविड नियमों का अवश्य पालन करें। टोपे ने कहा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का मत है कि अगर इसी तरह से कोरोना सकंमण के मामले बढ़ते रहे तो लॉकडाउन लगाना जरूरी हो सकता है। यदि अगले कुछ दिन तक रोजाना आने वालों मामलों की संख्या 25000-30000 के बीच रहती है तो हमें कड़े कदम उठाने होंगे। कहीं ऐसा न हो कि लॉकडाउन लगाना पड़ें, इसलिए आप सब से खास अपील है कि कोविड नियमों का सख्ती से पालन करें। मास्क अवश्य लगाये, शरिरिक दूरी का ध्यान रखें और बार-बार हाथ धोते रहें।

ओडिशा में कोरोना के 146 नये मामले, भुवनेश्वर और कटक में बज रही खतरे की घंटी

भुवनेश्वर । राज्य में कोरोना संक्रमण के 146 नये मामले सामने आये हैं। राज्य के सूचना व जनसंपर्क विभाग ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। इसके साथ राज्य में कुल मामलों की संख्या बढ़कर 3,38,963 हो गई है। अभी तक राज्य में 3,36,124 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि राज्य में सक्रिय मामलों की संख्या 867 है। विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इन 146 नये मामलों में से 87 संगरोध से हैं, जबकि 59 स्थानीय संपर्क में आकर संक्रमित हुए हैं। संक्रमित पाये गये लोग कुल 19 जिलों से हैं। इनमें खुर्दा जिले में सर्वाधिक 35 कोरोना संक्रमित पाये गये हैं।

अनुगुल जिले में 3 तथा बालेश्वर जिले से 4 संक्रमित मिले है। बरगढ़ जिले से 3 संक्रमित की पहचान की गई है। भद्रक जिले से एक भी संक्रमित की पहचान नहीं हुई है। बलांगीर जिले से 9 संक्रमित की पहचान की गई है। बौध में एक भी संक्रमित की पहचान नहीं की गई है। कटक जिले से 25 कोरोना संक्रमित की पहचान की गई है। इसी तरह देवगढ़, ढेंकानाल, गजपति जिले से एक भी संक्रमित नहीं मिले हैं। गंजाम जिले से 5, जगतसिंहपुर जिले से 3, जाजपुर जिले से 4 कोरोना संक्रमितों की पहचान हुई है। झारसुगुड़ा जिले से 1, कलाहांडी जिले से 1 संक्रमित की पहचान की गई है। कंधमाल जिले से एक भी संक्रमित नहीं मिला है। केन्द्रापड़ा जिले से 1 संक्रमित की पहचान की गई है। केन्दुझर जिले से एक भी कोरोना संक्रमितों की पहचान नहीं हुई है। खुर्दा जिले से 35 नये कोरोना संक्रमित पाये गये हैं।

कोरापुट व मालकानगिरि जिले से एक भी संक्रमित की पहचान नहीं हुई है। इसी तरह मयूरभंज जिले से 13 संक्रमितों की पहचान की गई है। नवरंगपुर जिले से 1 संक्रमित मिला है, जबकि नयागढ़ जिले से एक भी संक्रमित की पहचान नहीं की गई है। नुआपड़ा जिले से 12 संक्रमित की पहचान की गई है। पुरी जिले से 2 संक्रमितों की पहचान की गई है। रायगड़ा जिले से 2 कोरोना संक्रमित की पहचान हुई है। संबलपुर जिले से 1 संक्रमितों की पहचान की गई है। सोनपुर से एक भी संक्रमितों की पहचान नहीं हुई है। सुंदरगढ़ जिले से 12 नये मामले सामने आये हैं। इसी तरह स्टेट पूल में 8 कोरोना संक्रमितों की पहचान की गई है।

भुवनेश्वर स्थित जेवियर इंस्टीट्यूट मैनेजमेंट में अधिक संख्या में कोरोना पॉजिटिव पहचान किए जाने के बाद संस्थान को भुवनेश्वर नगर निगम ने सील कर दिया है। अब इस संस्थान के अंदर केवल बीएमसी के कर्मचारी ही प्रवेश कर पाएंगे। भुवनेश्वर नगर निगम द्वारा यह जानकारी दी गई है। बीएमसी ने कहा है कि अब छात्र-छात्राओं को अत्यावश्यक सामग्री व दवाइयां बीएमसी ही उपलब्ध कराएगी। छात्र-छात्रा या उनके अभिभावकों को शिक्षण संस्थान में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। साथ ही शिक्षण संस्थान के सभी छात्र-छात्राएं और शिक्षकों का भी टेस्ट करने का निर्देश दिया गया है। इसी तरह सभी कोरोना संक्रमितों को एक हॉस्टल रूम में आइसोलेशन में रहने के लिए कहा गया है।

हावड़ा जिले में विधानसभा चुनाव से पहले शिबपुर निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार रथिन चक्रवर्ती चुनाव प्रचार करते हुए।

मनसुख हिरेन मर्डर केसः महाराष्ट्र एटीएस ने दमन से जब्त की एक वॉल्वो कार

मुंबई । कारोबारी मुकेश अंबानी के घर के बाहर विस्फोटक से भरी संदिग्ध कार मिलने और फिर उस कार से जुड़े शख्स मनसुख हिरेन की मौत के मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। इसी कड़ी में महाराष्ट्र एटीएस ने दमन से एक वॉल्वो कार बरामद की है। इस कार लिंक मनसुख हिरेन हत्याकांड से बताया जा रहा है। हालांकि अभी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है।

बता दें कि मनसुख हिरेन की हत्या के संदिग्ध के तौर पर एनआईए ने मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वाझे को अरेस्ट किया है और उससे पूछताछ की जा रही है। यह मामला बेहद हाई प्रोफाइल हो गया है और महाराष्ट्र विधानसभा से लेकर संसद तक इसकी गूंज है। यही नहीं महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख के इस्तीफे की भी विपक्ष की ओर से मांग की जा रही है।

इस तरह अब तक मुकेश अंबानी के घर के बाहर मिली संदिग्ध कार और हिरेन की हत्या के केस में अब तक 6 लग्जरी कारें बरामद की जा चुकी हैं। इस पूरी कहानी की शुरुआत 25 फरवरी की शाम से हुई थी, जब कारोबारी मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर एक संदिग्ध स्कॉर्पियो कार मिली थी।

इस कार से जिलेटिन की 20 छड़ें भी बरामद हुई थीं। यही नहीं कार से मुकेश अंबानी और उनकी फैमिली को धमकी देने वाला एक पत्र भी बरामद हुआ था। सूत्रों के मुताबिक वॉल्वो कार एक बड़े बिजनेसमैन की है।

हालांकि मनसुख हिरेन की हत्या के मामले में इस कार का इस्तेमाल कैसे हुआ, इसकी जांच एटीएस की ओर से की जा रही है।

बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से एंटीलिया के बाहर मिली संदिग्ध कार वाले मामले की जांच एनआईए को सौंप दी गई है। यही नहीं एनआईए ने मनसुख हिरेन हत्याकांड के आरोपी पुलिस अधिकारी सचिन वाझे को अरेस्ट कर लिया है। वाझे की गिरफ्तारी के बाद मुंबई पुलिस ने उन्हें सस्पेंड कर दिया था।

ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण पर ध्यान दे केंद्र, राज्यों को अधिक टीके उपलब्ध करवाएः गहलोत

नई दिल्ली । राजस्थान व देश के अन्य राज्यों में कोरोना वायरस से संक्रमित होने वालों की संख्या में एक बार फिर तेजी से हो रही बढ़ोतरी पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार को ज्यादा से ज्यादा लोगों के कोरोना वायरस प्रतिरक्षण टीकाकरण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से राज्यों को अधिकाधिक टीके उपलब्ध कराने की अपील की है। इसके साथ ही गहलोत ने राज्य की जनता से स्वास्थ्य संबंधी नियमों का पालन करने की अपील करते हुए आगाह किया कि अगर सतर्कता नहीं बरती तो सरकार को सख्त फैसले लेने ही पड़ेंगे।

गहलोत ने ट्वीट किया, देश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों की राय है कि भारत सरकार को ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण पर फोकस करना चाहिए। अधिक से अधिक टीकाकरण से ही जनता कोरोना से सुरक्षित हो सकेगी। टीकाकरण में आयु वर्ग की सीमा हटाकर सभी को टीका लगाना चाहिए। गहलोत के अनुसार बेंगलुरु के डॉक्टर देवी शेट्टी की यह राय उचित लगती है कि 24 से 45 वर्ष आयुवर्ग के लोगों का भी शीघ्र टीकाकरण करना चाहिए क्योंकि ये लोग अपने काम से घरों से बाहर रहते हैं और सुपर स्प्रेडर बन सकते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के पास बड़ी संख्या में टीका उत्पादन की क्षमता भी उपलब्ध है जिसका इस्तेमाल होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने लिखा, मैं भारत सरकार से अपील करता हूं कि राज्यों को अधिक से अधिक संख्या में टीके उपलब्ध करवाएं जिससे कोरोना संक्रमण की इस दूसरी लहर पर काबू पाया जा सके। कोरोना के मामले बढ़ने पर एक और लॉकडाउन आजीविका के लिए घातक साबित होगा।

गहलोत ने कहा है कि राजस्थान में 11 मार्च को कोरोना संक्रमण के 203 मामले आए थे,22 मार्च को यह संख्या 602 पर पहुंच गई। गत 11 दिनों में ही कोरोना के नए मामलों की संख्या करीब तीन गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा, अगर अभी भी लापरवाही बरती गई तो स्थिति बिगड़ सकती है इसलिए मास्क लगाएं, हाथ धोएं एवं सामजिक दूरी का अनुपालन करें। लोगों को आगाह करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि आमजन ने पूर्व की तरह सतर्कता नहीं बरती तो सरकार को सख्त फैसले लेने ही पड़ेंगे, प्रदेश सरकार कठोर फैसलों की बजाय आमजन के सहयोग से कोरोना वायरस की महामारी को नियंत्रित करना चाहती है।

एयर इंडिया एयरबस के पायलटों का उड्डयन मंत्री को पत्र, भत्ता बहाली करने में हस्तक्षेप की मांग

मुंबई । एयर इंडिया एयरबस पायलटों का संघ इंडियन कॉमर्शियल पायलट ने भत्ता बहाली के लिए नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने की मांग की है। पायलटों के इस संघ ने केंद्रीय मंत्री से कहा कि उद्योग मानकों के अनुसार भत्ता देने की गुजारिश की है। संघ ने कहा कि पायलटों को भत्ता देने से इनकार करना काफी भयानक है।

पायलटों ने कहा कि उन्हें अप्रैल 2020 से लगभग 58 फीसदी की एकतरफा कटौती और अक्टूबर 2020 से 55 फीसदी की कटौती का सामना करना पड़ा है। संघ ने एयरलाइन से कहा कि वो अपने कर्मचारियों को पूरा वेतन दें क्योंकि वे महामारी के दौरान भी राष्ट्र की सेवा के लिए काम किया है।

पायलट संघ ने कहा कि एक साल हो गया है जब कोविड-19 महामारी ने विमानन उद्योग को नष्ट कर दिया था और वे (एयर इंडिया और इसके पायलट) महामारी के चरम पर रहने के बाद भी उड़ानों को जारी रखा था। इसके बाद भी हमारे पायलटों के वेतन में कटौती की गई। वहीं, एयर इंडिया ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की।

भत्ते में कटौती को बताया भयानक

संघ ने कहा पायलटों को मिलने वाले मासिक उड़ान भत्ते को बंद करना उचित नहीं है। जबकि पायलटों ने महामारी के दौरान खुद को जोखिम में डालकर उड़ान भरी थी। पायलटों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर के भत्ते में संशोधन किए जाने पर भी सवाल उठाया। एक पायलट ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के भत्ते का भुगतान उद्योग-मानक के साथ किया जाना चाहिए। उड्डयन मंत्रालय को हमें अन्य सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों जैसा व्यवहार करना चाहिए। आईसीपीए ने कहा कि एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और एलायंस एयर के पायलटों को वेतन और भत्तों को देने से इनकार करना भयानक है।

अश्लील हरकतें और दुष्कर्म के आरोप में महिला ने एएसआई को पेड़ से बांधकर दी ये सजा

उदयपुर । चित्तौड़गढ़ जिले में एक सहायक उप निरीक्षक (एएसआई)को पेड़ से बांधकर उसके साथ मारपीट का वीडियो वायरल हुआ है। जिसे बाद में पुलिस ने मुक्त कराया। ग्रामीण महिला ने एएसआई पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है, वहीं एएसआई का कहना है कि वह भैंस चोरी के मामले की जांच के लिए पहुंचा था और उसे षड़यंत्रपूर्वक घर में बुलाकर पेड़ से बांधा और मारपीट की। पुलिस अधीक्षक ने एएसआई को लाइन हाजिर करते हुए मामले की जांच माहिला पुलिस उप अधीक्षक को सौंपी है।

मिली जानकारी के अनुसार घटनाक्रम सोमवार का है तथा वायरल वीडियो में चंदेरिया थाने की घोसुंडा पुलिस चौकी के सहायक उप निरीक्षक श्यामलाल सुखवाल को ग्रामीणों ने पेड़ से बांध रखा है और वह पानी के लिए गिड़गिड़ाता नजर आ रहा है।

वह भूख-प्यास लगने की गुहार लगा रहा है। परिवार ने बंधक रहते हुए उसे पीने को पानी भी दिया। उसे तब ही छोड़ा, जब पुलिस आई।

सहायक उप निरीक्षक सुखवाल का कहना है कि वह बार-बार बुलाने पर भैंस चोरी के मामले की जांच करने गया था। उसे गलत आरोप लगाकर बंधक बनाया व मारपीट भी की। उसने षडयंत्रपूर्वक बुलाकर मारपीट और राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज कराया है। एएसआई का कहना है कि इस घटनाक्रम में पुलिस विभाग एक सब इंस्पेक्टर और उसके रिश्तेदार भी थे। इनसे जुड़े एक मामले में सच्चाई नहीं होने से मैंने एफआईआर लगा दी थी। इसलिए वे रंजिश रखते हैं।

इधर, ग्रामीण महिला ने एएसआई पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है और बताया कि दो दिन से पहले भी एएसआई उनके घर आया और अश्लील हरकतें की। महिला की शिकायत पर एएसआई सुखवाल के खिलाफ छेड़छाड़ और दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस अधीक्षक ने उसे लाइन हाजिर कर दिया।

पीड़ित महिला का कहना है कि तेरह मार्च को भैंस चोरी का मामला चंदेरिया थाने में दर्ज हुआ था। जिसकी जांच घोसुंडा चौकी के सहायक उप निरीक्षक सुखवाल को सौंपी गई थी। चोरी के मामले में शिकायतकर्ता ने अपने छोटे बेटे पर शंका जताई थी।

पीड़िता का कहना था कि इस मामले में उसके बयान लिए जाने थे। उसके मजदूरी पर जाने की वजह से उसने एएसआई को सोमवार दोपहर बयान के लिए बुलाया था। घटनाक्रम के समय उसके ससुर नहा रहे थे और एएसआई ने उसके बच्चों को वहां से भगाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके बाद परिवारजनों ने उसे पकड़ लिया और आंगन में लगे नीम के पेड़ से बांधकर उसके साथ मारपीट की।

घटनाक्रम की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिम्मतसिंह देवल, पुलिस उप अधीक्षक कमल जांगिड़ तथा चंदेरिया थानाधिकारी अनिल जोशी जांच के लिए पहुंचे। पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव ने मामले की जांच महिला पुलिस उप अधीक्षक शाहना खानम को सौंपी है। मामले की जांच पूरी होने तक एएसआई को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

कोरोना वायरस के नए केसों में मिली मामूली राहत, आंकड़ा अब भी 40,000 के पार

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस के नए मामलों मंगलवार को मामूली गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, नए अभी भी 40000 के पार हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे में देशभर में कोरोना वायरस के 40,715 नए केस सामने आए हैं, जबकि इस महामारी से एक दिन 199 लोगों की जान गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में देशभर में 29,785 लोग कोरोना वायरस से ठीक हुए। 40 हजार से अधिक नए मामलों के बाद देश में कुल संक्रमितों का आंकड़ा 1,16,86,796 पहुंच गया है। वहीं,1,11,81,253 लोग इससे ठीक हुए हैं। पिछले दिनों नए मामलों में तेजी से उछाल के बाद एक्टिव केसों की संख्या 3,45,377 पहुंच गई है। इस महामारी से अभी तक

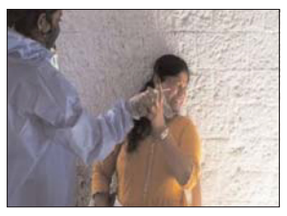

देशभर में 1,60,166 लोगों की मौत हुई है।

बता दें कि सोमवार को पिछले 24 घंटों में भारत में 46,951 नए कोविड-19 मामले सामने आए थे जो कि इस साल का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा रहा था। वहीं, 21,180 लोग ठीक हुए थे जबकि 212 मौतें दर्ज हुई थी। सोमवार के आंकड़े की तुलना मंगलवार के आंकड़े से करे तो नए केस में मामूली राहत मिली है। भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए, केंद्र सरकार ने कोरोना वैक्सीन के 12 करोड़ खुराक का ऑर्डर दिया है। 10.2 करोड़ खुराकों में से, 1 करोड़ खुराक कोविशिल्ड के होंगे जो SII द्वारा निर्मित किए जाएंगे। बाकी भारत बायोटेक द्वारा कोवैक्सिन के होंगे।

सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र से

देश में सबसे ज्यादा कोरोना के नए केस महाराष्ट्र से सामने आए हैं। राज्य में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। महाराष्ट्र में रविवार को संक्रमण के 30,535 और शनिवार को 27,126 नए मामले सामने आए थे। 18 मार्च को राज्य में महामारी के 25,833 नए मामले सामने आए थे। इससे पहले सितंबर में सर्वाधिक दैनिक मामलों की संख्या 24,896 थी। हालांकि, एक दिन पहले सोमवार को दैनिक मामलों में कुछ कमी के साथ 24,645 नए मामले सामने आए थे। राज्य में महामारी के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 25,04,327 हो गई।

गुजरात विधानसभा में मुख्यमंत्री विजय रुपाणी पर जमकर बरसे कांग्रेस विधायक

अहमदाबाद । किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों ने मंगलवार को गुजरात विधानसभा में राज्य सरकार को घेरने का प्रयास किया। किसानों को कृषि लोन, नीलगायों को सासन गिर जंगल में छोड़ने के विरोध में तथा पशु पालकों को किसानों का दर्जा देने की मांग को लेकर कांग्रेस के तीन विधायकों ने मुख्यमंत्री विजय रुपाणी सरकार पर जमकर हमला बोला।

कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक वीर जी ठुम्मर ने कहा की केंद्र सरकार ने नाबार्ड को किसानों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए 13000 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराई लेकिन इसके बावजूद किसानों को निजी बैंकों से लो फीस दी की ब्याज दर पर ऋण लेना पड़ रहा है। गुजरात की सरकार ने किसानों को जीरो फीस भी ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराने की घोषणा की तथा इसकी योजना भी तैयार की लेकिन यह पूरी तरह विफल साबित हुई। कांग्रेस के एक अन्य विधायक हर्षद रिबाडिया ने कहा कि गुजरात सरकार नील गायों को गांधीनगर से हटाकर सासन गिर जंगल में छोड़ने का प्रयास करती है तो किसान तथा कांग्रेस इसका विरोध करेंगे।

विधायक का कहना है कि सौराष्ट्र का सासन गिर जंगल किसानों के लिए एक तरह से वरदान है तथा नील गायों को यहां छोड़ने से नीलगाय उनकी फसलों को बर्बाद कर देंगी। सरकार अगर नीलगाय को सासन गिर जंगल में छोड़ने की अपनी योजना को वापस नहीं लेती है तो सौराष्ट्र का किसान सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरेगा।

गौरतलब है कि राजधानी गांधीनगर में नील गायों के चलते कई बार सड़कों पर दुर्घटनाएं होती हैं। सरकार इन दुर्घटनाओं को टालने के लिए नील गायों को गांधीनगर से हटाकर प्रदेश के सबसे बड़े सासन गिर जंगल में छोड़ देना चाहती है जिसका कांग्रेस विरोध कर रही है कांग्रेस इसे किसान विरोधी कदम बता रही है। उधर कांग्रेस के एक और विधायक लाखा भाई भरवाड ने कहा है कि प्रदेश के मालधारी अर्थात पशुपालकों को सरकार किसानों का दर्जा दे ताकि वे खेती योग्य जमीन की खरीद कर सके।

भरवाड का कहना है कि माल धारियों को पशुपालक के रूप में पहचान मिली हुई है लेकिन सरकार उन्हें किसान नहीं मानती है अगर इस पशुपालक वर्ग को किसान का दर्जा मिल जाता है तो उन्हें खेती की जमीन खरीदने में आसानी होगी साथ ही पशुपालन को भी वह और बेहतर तरीके से कर सकेंगे।

दलाई लामा के लिए भारत रत्न दिलाने के लिए देश भर में बाइक रैली करेंगे दो तिब्बती कार्यकर्ता

नई दिल्ली । तिब्बती आध्यात्मिक नेता 14 वें दलाई लामा को भारत रत्न दिलाने की मांग के साथ दो तिब्बती कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को मैक्लोडगंज से एक बाइक रैली शुरू की है। देहरादून के सेरिंग येशी और शिमला के चिम्मी तामदेन 14 वें दलाई लामा के लिए भारत रत्न की मांग वाली एक याचिका पर समर्थन और हस्ताक्षर प्राप्त करने के लिए पूरे भारत में जाएंगे।

अभियान का स्वागत करने के लिए विभिन्न तिब्बती गैर सरकारी संगठन और भारतीय समर्थक सोमवार को मैक्लोडगंज में एकट्ठा हुए। दोनों बाइकर्स अगले दो महीनों के लिए सभी भारतीय राज्यों का दौरा करेंगे। वे 14 वें दलाई लामा को प्रतिष्ठित भारत रत्न पुरस्कार के सम्मान के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के साथ एक याचिका पर हस्ताक्षर प्राप्त करना चाहते हैं।

सेरिंग ने कहा- मैं अपना अभियान शुरू करने के लिए यहां हूं। मेरा अभियान है - मैं भारत के प्रधान मंत्री को तिब्बत के 14 वें दलाई लामा को भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने के संबंध में एक आवेदन लिख रहा हूं। इसके लिए मैं पूरे भारत में यात्रा कर रहा हूं। , सभी तिब्बती बस्तियों का दौरा करते हुए मैं लद्दाख से कन्याकुमारी तक, अरुणाचल से गुजरात तक जाऊंगा।

बाइक रैली के लिए प्रेरणा के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, प्रेरणा दलाई लामा की पवित्रता से ही आती है। उन्होंने न केवल तिब्बती समुदायों, बल्कि पूरी दुनिया के लिए योगदान दिया है - इसके लिए मुझे कुछ भी समझाने की आवश्यकता नहीं है। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन ने सभी क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए दलाई लामा का आभार व्यक्त किया है।

जब सेरिंग चिम्मी के साथ अपनी बाइक रैली शुरू करने की तैयारी कर रहा था, तभी बारिश होने लगी। उन्होंने कहा कि तिब्बती समुदाय में बारिश सौभाग्य की निशानी है। तिब्बत में, जब हम कुछ नया करते हैं और बारिश होती है तो हम इसे सौभाग्य मानते हैं।

इसलिए मुझे लगता है कि यह खराब मौसम नहीं है, बारिश होना अच्छी बात है। मुझे कोई चुनौती नहीं दिखती, क्योंकि मुझे लगता है कि यह वास्तव में है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए बहुत बड़ा काम है और इसे करने में सक्षम होना मेरा सौभाग्य है। सेरिंग ने कहा कि वह 50-60 दिनों में रैली खत्म करने की उम्मीद करता है।

वरुण धवन के साथ फिल्म सनकी में नजर आ सकती हैं परिणीति

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी शानदार एक्टिंग से सभी का दिल जीत रही हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' रिलीज हुई है। इसके अलावा उनकी फिल्म 'साइना' रिलीज होने वाली हैं। अब एक और फिल्म से परिणीति का नाम जुड़ गया है। खबर आ रही है कि परिणीति चोपड़ा अभिनेता वरुण धवन के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म 'सनकी' में नजर आ सकती हैं। इससे पहले वरुण और परिणीति को कभी भी एक साथ फिल्मों में मुख्य भूमिका में नहीं देखा गया है। बताया जा रहा है कि साजिद नाडियावाला की प्रोडक्शन में बन रही इस फिल्म में वरुण के साथ परिणीति नजर आ सकती हैं। फिल्म से जुड़े सूत्र ने बताया, फिल्म में परिणीति को कास्ट करने पर विचार किया जा रहा है। 'सनकी' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो किसी फिल्म का रीमेक है। हालांकि, इसकी जानकारी नहीं है कि यह किस फिल्म की रीमेक होगी। इस फिल्म में वरुण मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। वरुण और परिणीति स्क्रीन पर एक फ्रेश जोड़ी के रूप में नजर आएंगे। इससे पहले दोनों एक साथ किसी फिल्म में लीड रोल में नहीं नजर आए हैं। फिलहाल फिल्म में दोनों कलाकारों की कास्टिंग को लेकर बातचीत चल रही है। अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। बता दें कि वरुण और परिणीति को साजिद की फिल्म 'ढिशूम' में एक छोटी भूमिका में देखा गया था। इस फिल्म के एक गाने में वरुण और परिणीति साथ नजर आए थे। परिणीति फिल्म 'संदीप और पिंकी फरार' को लेकर चर्चा में हैं। वह आगामी फिल्म 'एनिमल' में भी नजर आने वाली हैं।

अभिनेत्री रितुपर्णा सेनगुप्ता कोरोना से संक्रमित

बंगाली अभिनेत्री रितुपर्णा सेनगुप्ता कोविड-19 पॉजिटिव पाई गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर खुद इस बात की जानकारी साझा की है। उन्होंने ट्वीट किया, ''मैंने कोविड-19 के लिए परीक्षण कराया तो पॉजिटिव निकली, लेकिन मैं आप सभी को सूचित करना चाहती हूं कि मैं ठीक महसूस कर रही हूं। कोई लक्षण नहीं है और अपने डॉक्टरों और अधिकारियों की सलाह पर आवश्यक प्रोटोकॉल और सावधानियों का पालन कर रही हूं।'' सेनगुप्ता ने कहा कि वह इस समय सिंगापुर में हैं और एक रिकवरी सेंटर पर क्वारंटीन में हैं। सेनगुप्ता ने 1997 में 'दहन' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था।

परिणीति ने मुझे फिर से थप्पड़ मारा

अभिनेता अर्जुन कपूर और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा साल 2012 में आई फिल्म 'इशकजादे' में पहली बार साथ नजर आए थे और इस बार इनकी जोड़ी अगली फिल्म 'संदीप और पिंकी फरार' में साथ नजर आने वाली है। इस फिल्म के ही एक दृश्य में परिणीति ने अर्जुन को थप्पड़ मारा है। दिबाकर बनर्जी की इस फिल्म में महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर गौर फरमाया गया है। अर्जुन ने कहा, ''महिलाओं के प्रति हिंसा का मुद्दा मेरे जैसे किसी इंसान के लिए बेहद गंभीर है, जो महिलाओं से घिरे एक माहौल में रहकर बड़ा हुआ है। मेरा यह मानना है कि जब आप किसी किरदार को निभाते हैं, तो आपको अपने निजी जीवन से बाहर निकलने की जरूरत पड़ती है, क्योंकि आपको किसी भूमिका को निभाने के लिए ही परियोजना में शामिल किया गया है। ऐसे लोग भी हमारे समाज में है, यह दिखाना पड़ता है।'' फिल्म के बारे में उन्होंने आगे बताया, ''मुझे इस फिल्म में भी परिणीति ने थप्पड़ मारा है जैसा कि 'इशकजादे' में मारा था। लेकिन ऐसा किसी दबाव में रहकर नहीं हुआ है, क्योंकि आपने स्क्रिप्ट पढ़ रखी है। किरदार को लेकर जो मांग है उसे समझा है, स्थितियों को जाना है और फिर कहीं न कहीं आप भावनात्मक रूप से उस किरदार के साथ जुड़ जाते हैं। रही बात मेरा किसी लड़की पर हाथ उठाने की, तो शायद ही मैं ऐसा कोई किरदार कभी निभाऊं।'' यह फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

ईशा देओल फिर करेंगी बड़े पर्दे पर वापसी, बोलीं कई स्क्रिप्ट पढ़ रही हूं

धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी ऐक्ट्रेस ईशा देओल ने मां बनने के बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी की तैयारी शुरू कर दी है। ईशा इस समय कई स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं और जल्द ही अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर सकती हैं। ईशा देओल अपनी बेटियों राध्या और मियारा के जन्म के बाद पूरा वक्त बेटियों के साथ बिता रही थीं। अब ईशा की बेटियां इतनी बड़ी हो गई हैं कि वह दोबारा फिल्मों में काम करना शुरू कर सकती हैं। लॉकडाउन के दौरान ईशा ने अपनी एक किताम 'अम्मा मिया' भी रिलीज की थी जिसमें छोटे बच्चों के लिए खाना बनाए जाने की रेसिपी बताई गई थीं। इस बकु को काफी पसंद भी किया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईशा ने कहा है कि उन्हें काम के अच्छे ऑफर्स मिल रहे हैं और वह एक बार फिर कैमरे का सामने तैयार करने के लिए तैयार हैं। ईशा ने अपनी वापसी के लिए अपना वजन भी काफी कम कर लिया है। उन्होंने कहा कि फिट रहना हमेशा उनकी प्रायॉरिटी में रहता है और अब वह एक बार फिर टोन हो चुकी हैं। कई स्क्रिप्ट पढ़ने के बीच ईशा ने अपने एक प्रोजेक्ट का काम भी खत्म कर लिया है और अभी अपने अगले प्रोजेक्ट की तैयारी कर रही हैं जिसकी शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू हो सकती हैं। बता दें कि ईशा ने साल 2002 में आफताब शिवदासानी के ऑपोजिट फिल्म 'कोई मेरे दिल से पूछे' से बॉलिवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने ना तुम जानो ना हम, क्या दिल ने कहा, कुछ तो है, एलओसी कारगिल, युवा, धूम, इंसान, मैं ऐसा ही हूं, काल, दस, नो एंट्री, प्यारे मोहन, कैश, वन टू थ्री जैसी फिल्मों में काम किया था। इसके बाद 2012 में ईशा देओल ने भारत तख्तानी से शादी कर ली थी। पिछली बार ईशा एक शॉर्ट फिल्म 'केकवॉक' में नजर आई थीं।

म्यूजिक वीडियो में दिखाई देगी जरीन खान - प्रिंस नरूला की केमिस्ट्री

बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान जल्द ही एमटीवी रोडीज 12 और बिग बॉस 9 विजेता विनर प्रिंस नरूला के संग रोमांस करती हुई नजर आने वाली हैं। इन दोनों का एक म्यूजिक वीडियो रिलीज होने वाला है। इस गाने में जरीन खान-प्रिंस नरूला एक रोमांटिक कपल के रूप में नजर आने वाले हैं। इस म्यूजिक वीडियो को लेकर जरीन काफी एक्साइटेड हैं। जरीन खान-प्रिंस नरूला के इस गाने को ज्योतिका टांगरी ने आवाज दी है। हाल ही में प्रिंस और जरीन की जोड़ी ने इस गाने की शूटिंग को शुरू किया है जो अभी चल रही है। शूटिंग के लोकेशन जरीन खान ने प्रिंस के साथ अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। इस गाने को लेकर जरीन का मानना है कि ये वीडियो उनके फैंस के लिए एक ट्रीट होने वाला है। प्रिंस नरूला और जरीन खान पहली बार एक साथ स्किन शेयर करने जा रहे हैं। प्रिंस नरूला ने भी सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस के साथ काम करने के लिए उन्हें एक अद्भुत व्यक्ति के रूप में प्रशंसा की है। एक्ट्रेस जरीन खान ने 2010 में 'वीर' मूवी से बॉलीवुड में डेब्यू किया। जिसके लीड रोल में सुपरस्टार सलमान खान थे। इसके बावजूद उनका फिल्मी करियर ज्यादा अच्छा नहीं रहा और वो बॉलीवुड से दूर रहीं। हालांकि अपने लुक को लेकर वो हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। जरीन खान रेडी, हाउसफुल 2, हेट स्टोरी 3, वजह तुम हो, अक्सर 2, 1921, हम भी अकेले तुम भी अकेले में नजर आ चुकी हैं। जरीन खान इन दिनों अपनी अगली हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'पातालपानी' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। जल्द ही उनकी ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

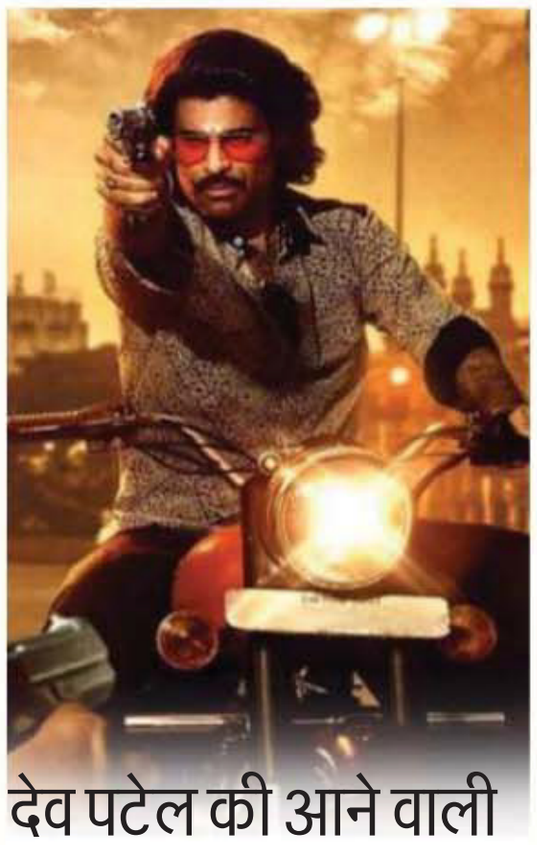

देव पटेल की आने वाली फिल्म मंकी मैन में नजर आएंगे सिकंदर खेर

स्टीमर नेटफ्लिक्स ने अभिनेता देव पटेल की निर्देशित पहली फिल्म मंकी मैन के लिए दुनिया भर में रिलीज करने के राइट हाल ही में खरीदे हैं। पटेल, स्लमडॉग मिलियनेयर, लायन और द पर्सनल हिस्ट्री ऑफ डेविड कॉपरफील्ड जैसी फिल्मों के लिए भी जाने जाते हैं। नेटफ्लिक्स औक फिल्म निर्माताओं के बीच समझौते की कीमत लगभग त्त80 मिलियन बताई गई है। इंडिया-सेट रिवेंज ड्रामा में मेड इन हेवन अभिनेता सोभिता धुलिपाला और पटेल की चैपी सह-कलाकार शार्लेटो कोपले भी दिखाई देंगे। ब्रिटिश भारतीय अभिनेता देव पटेल के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म मंकी मैन से अभिनेता सिकंदर खेर विश्व सिनेमा में पदार्पण करेंगे। खेर ने 2008 में बनी हंसल मेहता की वुडस्टॉक विला से फिल्मों में अभिनय की शुरुआत की थी और इसके बाद वह खेलें हम जी जान से, प्लेयर्स, औरंगजेब समेत कई फिल्मों में नजर आए। खेर (39) ने मंकी मैन में काम करने की जानकारी इंस्टाग्राम पर साझा की। उन्होंने लिखा, मैं चार महीने तक इंडोनेशिया में यही कर रहा था। हैशटैग मंकी मैन। इसके साथ ही उन्होंने पटेल के साथ तस्वीर भी साझा की। फिल्म में आधुनिक भारत के साथ मिथकों की झलक भी देखने को मिलेगी। पटेल ने पॉल अंगुनावेला और जॉन कोली के साथ मिलकर फिल्म की पटकथा लिखी है।

जूही चावला ने हैप्पीनेस के लिए अपना मंत्र साझा किया

बॉलीवुड अभिनेत्री जूही चावला ने सोमवार को जीवन में खुशियां हासिल करने के अपने मंत्र को साझा किया। जूही ने ट्विटर पर लिखा, ''दो चीजें हमें खुश होने से रोकती हैं- अतीत में रहना और दूसरों को ऑब्जर्व करना। इससे पहले रविवार को जूही चावला ने अपने दोस्त और सह-कलाकार आमिर खान के लिए जन्मदिन की शुभकामनाएं पोस्ट की थीं। जूही ने लिखा, ''आमिर के लिए 100 पेड़। पीछे मुड़कर देखूं तो, तो मैं आमिर के साथ काम करने के लिए बहुत खुश, सौभाग्यशाली और धन्य महसूस करती हूं। हमारे पास काफी मजेदार पल थे, हमने एकसाथ कई यादगार फिल्में बनाई। हैप्पी बर्थडे आमिर।

जयललिता की बायॉपिक 'थलाइवी' में कंगना रनौत नहीं होती तो अच्छा होता

बॉलिवुड और साउथ फिल्मों के जाने-माने डायरेक्टर-प्रड्यूसर राम गोपाल वर्मा जितना अपनी फिल्मों के सब्जेक्ट्स को लेकर हेडलाइंस में रहते हैं, उससे कहीं ज्यादा वह अपने बोल्ड-बेबाक, तेज-तर्रार और तीखे बयानों की वजह से नैशनल न्यूज में बने रहते हैं। इन दिनों रामू, गोवा में स्थित अपने ऑफिस में हैं और वहीं से अपनी रिलीज के लिए तैयार फिल्म 'डी कंपनी' का प्रमोशन भी कर रहे हैं।

कंगना की कुछ बातों को एग्री नहीं करता

रामू से कंगना रनौत को लेकर सवाल किया कि एक निर्देशक के तौर पर कंगना की पर्सनैलिटी को वह किस तरह देखते हैं? रामू ने जवाब में कहा, 'जो भी व्यक्ति निडर होता है और ऐसा व्यक्ति जिसके अंदर-बाहर अलग-अलग विचार होते हैं, ऐसे लोगों को कुछ लोग बहुत पसंद करते हैं, कुछ बिल्कुल भी नहीं। मैं कंगना की कुछ बातों और ट्वीट्स से सहमत हूं, लेकिन उनकी कुछ बातें ऐसी भी होती हैं, जिनसे मैं एग्री नहीं होता हूं। मेरे हिसाब से ऐसा ही होना भी चाहिए, मुझे कंगना से न तो कोई प्रॉब्लम है, न ही कुछ और है।'

कंगना को लेकर फिल्म बनाने की बात कभी नहीं सोचा

क्या आप कंगना के साथ कभी भी फिल्म बनाएंगे? क्या आप उनके स्टारडम को अपनी फिल्मों में भुनाएंगे? इस सवाल के जवाब में रामू ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं कंगना के साथ कभी कोई फिल्म बनाऊंगा। कंगना का जो इमेज है, वह बहुत ही मिक्स बैग वाला है। यह में कंगना को कॉम्प्लिमेंट दे रहा हूं। कंगना जिस तरह के रोल फिल्मों में करती हैं, मुझे ऐसा महसूस होता है कि उनके सभी किरदार थोड़ा-थोड़ा उनकी रियल लाइफ की तरह हैं। कंगना एक पर्सन के तौर पर अपनी फिल्म से बहुत ज्यादा बड़ी स्टार हैं। मेरे यह सोचना है, फिलहाल मेरे दिमाग में कंगना को लेकर कोई प्रॉजेक्ट या कहानी नहीं हैं।'

कंगना को थलाइवी के रोल में नहीं देख सकता

राम गोपाल वर्मा साउथ फिल्म इंडस्ट्री और वहां की पॉलिटिक्स को बहुत अच्छी तरह समझते हैं, इसलिए उनसे सवाल किया गया, जयललिता की बायॉपिक थलाइवी की पहली झलक आ गई है, क्या आपने देखा। कंगना आपको थलाइवी के किरदार में कैसी लग रही हैं? इस सवाल के जवाब में रामू की बेबाकी सामने आ गई और रामू ने बिना किसी फिलटर के साफ-साफ कहा, 'मैं थलाइवी को लेकर श्योर नहीं हूं क्योंकि साउथ में जिस तरह दिवंगत नेता जयाललिता थलाइवी का फेम है, मैं कंगना को थलाइवी के रोल में नहीं देखना चाहता हूं।'

कंगना को जया अम्मा के रोल में नहीं दिखाना चाहिए रामू आगे कहते हैं, 'मेरे पास अगर चॉइस हो तो मैं कंगना को मणिकर्णिका जैसी फिल्मों में ही देखना चाहूंगा, लेकिन मैं कंगना को थलाइवी के किरदार में कतई नहीं देखना चाहूंगा। कंगना जैसी स्टार को उनकी बॉडी की पर्सनैलिटी से अलग (जया अम्मा) नहीं दिखाना चाहिए। जो इमेज कंगना की है, फैन्स जिस इमेज में उनको देखना चाहते हैं, उनको वैसे ही किरदारों में दिखाना चाहिए।'

जयललिता की बायॉपिक में 50 साल की किसी ऐक्ट्रेस को लेना था

अगर आप बनाते जयललिता की बॉयोपिक तो किसको कास्ट करते? जवाब में रामू ने कहा, 'यह मैंने कभी सोचा नहीं, लेकिन जयललिता की जिंदगी में जो सबसे बड़ा ड्रामा हुआ वह 50 से 60 साल के बीच की उम्र में हुआ था, इस लिहाज से मुझे लगता है, जयललिता के किरदार के लिए कोई भी ऐक्ट्रेस जो कम से कम 50 साल की हो तभी थलाइवी के रोल के साथ जस्टिस कर सकेगी। इसकी कई वजहें हैं, सब जानते हैं कि जयललिता कितनी मशहूर रही हैं, सब यह भी जानते हैं कि अब वह हमारे बीच नहीं हैं, ऐसे में उनका किरदार निभाने वाली ऐक्ट्रेस का उनसे रिजेम्बलन्स होना बहुत ही ज्यादा जरूरी है।'

संक्षिप्त समाचार

पाक गेंदबाज हसन कोरोना पांच में नेगेटिव पाये गये

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली को कोविड-19 मामले में निगेटिव पाया गया है। हसन के कोविड-19 के लिये किये गये दो परीक्षण नेगेटिव आये हैं। ऐसे में अब तथा अब वह दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे दौरे से पहले पाकिस्तानी टीम से जुड़ जाएंगे। गौरतलब है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे दौरे से पूर्व सभी खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों का कोविड-19 के लिये परीक्षण करवाया था और केवल हसन का ही शुरूआती परिणाम पॉजीटिव आया था। हसन को इस महीने की शुरूआत में ही पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को स्थगित करने से एक दिन पहले ही पॉजीटिव पाया गया था। पीएसएल को फ्रेंचाइजी टीमों में संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

टोक्यो ओलंपिक में विदेशी वालिंटियर्स पर भी रोक

टोक्यो, (एजेंसी)। आगामी टोक्यो ओलंपिक खेलों में विदेशी वालिंटियर्स को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार कोरोना महामारी को देखते हुए ही यह रोक लगायी गयी है। इससे पहले आयोजकों ने विदेशी प्रशंसकों के प्रवेश पर रोक लगायी थी। यह दोनो ही कदम कोरोना संक्रमण रोकने के साथ ही ओलंपिक के सफल आयोजन के लिए उठाये गये हैं। आयोजकों ने हालांकि कहा कि विशेष कौशल वाले स्वयंसेवकों को सीमित संख्या में जापान आने की अनुमति दी जा सकती है। आयोजन समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) तोशिरो मुतो ने कहा, मैं इसके लिए क्षमाप्रार्थी हूं, पर हमारे पास इस कठिन फैसले के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। आयोजकों ने लगभग 80,000 अवैतनिक स्वयंसेवकों के इस्तेमाल की भी योजना बनाई थी पर विदेशी प्रशंसकों के नहीं होने के कारण कितने स्वयंसेवकों की जरुरत होगी यह अभी पता नहीं चला है।

अवनी के रजत से भारत तीसरे नंबर पर

अल ऐन, (एजेंसी)। भारत की अवनी लखेड़ा ने विश्व पैरा खेल निशानेबाजी विश्व कप में रजत पदक जीता है। इस प्रतियोगिता में 24 देशों के 120 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। अवनी के रजत से भारत शीर्ष तीन टीमों में आ गया है। अवधि महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में उक्रेन की इरिना एस से 0.3 अंक से हार गईं। फाइनल स्कोर 249.248.7 का रहा। वहीं भारतीय पैरालम्पिक समिति की अध्यक्ष दीपा मलिक ने निशानेबाजों के प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा है कि भारतीय पैरा खेलों के लिये यह एक बड़ा क्षण है। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के बाद अब निशानेबाजों ने विश्व पैरा खेलों में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य के साथ तीसरे स्थान पर है। जबकि उक्रेन चार स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक जीतकर नंबर एक पर है। वहीं संयुक्त अरब अमीरात तीन स्वर्ण और एक रजत के साथ दूसरे स्थान पर है।

मियामी ओपन से सेरेना ने नाम वापस लिया

मियामी, (एजेंसी)। अमेरिका की अनुभवी महिला टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियमस मियामी ओपन में नहीं खेलेंगी। सेरेना ने कोरोना महामारी के कारण इस टूनार्मेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। इससे पहले पुरुष वर्ग से नोवाक जेकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर ने भी कोरोना काल में लगे प्रतिबंधों को देखते हुए अपना नाम इस टूनार्मेंट से वापस ले लिया था। सेरेना ने आठ बार मियामी ओपन जीता है। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए एक विशेष टूनार्मेंट रहता है। मैं बहुत निराश हूं कि इस बार इसमें हिस्सा नहीं ले पा रही पर मैं जल्द वापसी की उम्मीद करती हूं।

भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद डीसीसीआई का गठन

मुम्बई, (एजेंसी)। दिव्यांग क्रिकेट का संचालन करने वाली विभिन्न समूहों ने साथ मिलकर भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) का गठन किया है हालांकि इसे अभी बीसीसीआई से मान्यता हासिल करनी होगी। इससे दिव्यांग क्रिकेटरों को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बैनर के अंदर खेलने का अवसर मिल सकता है। इससे दिव्यांग क्रिकेटरों का बीसीसीआई के बैनर के तहत और मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना बहुत जल्द सच हो सकता है। देश में दिव्यांग क्रिकेट का संचालन करने वाले विभिन्न समूहों ने एक साथ आकर कर्नाटक सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत डीसीसीआई का गठन किया है। दृष्टिबाधित क्रिकेट में योगदान देने वाले महंतेश जीके को डीसीसीआई का अध्यक्ष बनाया गया है। डीसीसीआई के गठन में महंतेश के अलावा शारीरिक रूप से दिव्यांग भारतीय क्रिकेट संघ के रवि चौहान, भारतीय व्हीलचेयर क्रिकेट संघ के स्क्वाड्रन लीडर (सेवानिवृत्त) अभय प्रताप सिंह और आईडीसीए के प्रतिनिधि सुमित जैन का योगदान रहा।

ओमान और यूएई के खिलाफ मुकाबलों से मिलेगा लाभ : संधू

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने कहा है कि ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसी कड़ी कठिन टीमों के खिलाफ मैत्री मैच खेलने से खिलाड़ियों को अपनी तैयारियों की समीक्षा करने में सहायता मिलेगी। वे कोविड-19 महामारी के कारण एक साल से भी ज्यादा समय बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैचों में वापसी कर रहे हैं। भारतीय पुरुष टीम को 25 मार्च को ओमान के खिलाफ और 29 मार्च को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ दुबई में दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलने है। संधू ने कहा, यह हम खिलाड़ियों के लिए और भारतीय फुटबॉल के लिए बहुत अच्छी खबर है कि हम अंतरराष्ट्रीय मैचों में फिर खेलेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों मैच बहुत कड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ हैं जिनके खिलाफ हम खेलना पसंद करेंगे और अपनी क्षमताओं को देखने चाहेंगे।

काउंटी क्लब लंकाशायर से खेलेंगे श्रेयस

मुम्बई, (एजेंसी)। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर आने वाले दिनों में इंग्लिश काउंटी टीम लंकाशायर की ओर से खेलेंगे। श्रेयस को रॉयल कप 2021 एकदिवसीय सीरीज के लिए लंकाशायर ने अपनी टीम में लिया है। श्रेयस 15 जुलाई को इस सीरीज के लिए ओल्ड ट्रैफर्ड पहुंचेंगे। श्रेयस मध्यक्रम में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। श्रेयस ने टीम में जगह मिलने पर कहा, लंकाशायर इंग्लिश क्रिकेट में एक बड़ा नाम है जिसका भारतीय क्रिकेट के साथ लंबे समय से संबंध रहा है। मैं लंकाशायर में फारूख इंजीनियर, सौरव गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण जैसे महान लोगों की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए जाऊंगा। मैं इसके लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। ओल्ड ट्रैफर्ड एक विश्व स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम है। मैं अपने साथियों और क्लब के समर्थकों से मिलने के लिए उत्सुक हूं। गौरतलब है कि इंग्लिश काउंटी क्लब का भारत के साथ पुराना रिश्ता है।

जेमिसन के एक कैच से सॉफ्ट सिग्नल को लेकर बहस तेज हुई

क्राइस्टचर्च, (एजेंसी)। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच यहां खेले जा रहे दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान काइल जेमिसन के अपनी की गेंद पर लिए एक कैच को लेकर विवाद उठा है। बांग्लादेश की पारी के 15वें ओवर का ये मामला है। इसमें जेमिसन के ओवर की पांचवीं गेंद पर बांग्लादेशी बल्लेबाज तमीम इकबाल ने शॉट खेला जिसे जेमिसन ने पकड़ लिया हालांकि उनका हाथ जमीन से लग गया। फील्ड अंपायर ने सॉफ्ट सिग्नल में तमीम इकबाल को आउट दिया पर जेमिसन ने कैच सही से पकड़ा था या नहीं, ये जांचने के लिए उन्होंने थर्ड अंपायर क्रिस जैफनी से मदद मांगी और इसके बाद बल्लेबाज को नॉट आउट दिया।

थर्ड अंपायर के इस फैसले के बाद सॉफ्ट सिग्नल को लेकर बहस तेज हो गई क्योंकि इसी तरह के एक फैसले के कारण ही इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को आउट दिया गया था जबकि तमीम इकबाल बच गये। वहीं सूर्यकुमार का कैच जब फील्डर ने पकड़ा था तो गेंद जमीन से लगी थी। ये टीवी रीप्ले में भी नजर आया था पर तीसरे अंपायर वीरेंद्र शर्मा इसे नजरअंदाज कर गए और सूर्यकुमार को वापस लौटना पड़ा था। इस फैसले के बाद सॉफ्ट सिग्नल नियम की काफी आलोचना हुई थी। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने भी था कि इस लेकर बहुत संशय है इसलिए इसमें बदलाव होना चाहिए।

सॉफ्ट सिग्नल के तहत जब फील्ड अंपायर अपने फैसले को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं होता है तो वो उसे थर्ड अंपायर को देता है। टीवी अंपायर कैमरे के हर एंगल को परखने के बाद अपना फैसला देता है।

टेक्सास में महिलाओं के एनसीसीए बास्केटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेते हुए जेडा रोबिंसन, टेलर फ्रीसन व अन्य खिलाड़ी।

कुणाल पंड्या और प्रसिद्ध कृष्णा ने किया एकदिवसीय पदार्पण

पुणे, (एजेंसी)। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में उतरते ही अपना एकदिवसीय पदार्पण किया है। क्रुणाल को छोटे भाई हार्दिक ने एकदिवसीय की डेब्यू कैप सौंपी। अपने भाई से कैप मिलने पर क्रुणाल भावुक हो उठे और उन्होंने कैप को आसमान की तरफ दिखाते हुए अपने दिवंगत पिता को याद किया। उनके पिता हिमांशु पंड्या की मौत इसी साल जनवरी में मौत हो गई थी।

पिछले महीने जब क्रुणाल ने विजय हजारे ट्रॉफी में त्रिपुरा के खिलाफ 97 गेंद पर 127 रन की पारी खेली थी। तब भी उन्होंने अपने पिता को याद किया था। दरअसल, ये लिस्ट-ए क्रिकेट में क्रुणाल का पहला शतक था पर इसे देखने के लिए उनके पिता मौजूद नहीं थे। इसे लेकर वो भावुक हो गए थे और उन्होंने ट्विटर पर लिखा था कि यह पहला मौका था जब मैंने शतक मारा और पिताजी इस मैच को देखने के लिए मेरे साथ मौजूद नहीं थे। वहीं दूसरी ओर प्रसिद्ध कृष्णा भी टीम इंडिया की जर्सी पहनने को लेकर बहुत खुश थे। उन्होंने एक दिन पहले ही सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर कर भारत के लिए खेलने का मौका मिलने पर खुशी प्रकट की थी। उन्होंने लिखा था कि यह पल मुझे हमेशा याद रहेगा क्योंकि सभी देश की ओर से खेलना चाहते हैं।

आईएसएसएफ विश्व कप में भारतीय पुरुष स्कीट टीम को स्वर्ण

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय पुरुष निशानेबाजी टीम को आईएसएसएफ विश्व कप स्कीट प्रारुप में स्वर्ण पदक मिला है। वहीं महिला वर्ग को रजत से ही संतोष करना पड़ा है। पुरुष वर्ग में गुरजोत खांगुरा, मैराज अहमद खान और अंगद वीर सिंह बाजवा की भारतीय टीम ने कतर के नासिर अल अतिया, अली अहमद ए ओ अल इशाक और राशिद हमाद को 6-2 से हराया। वहीं महिला फाइनल में भारत की परिनाज धालीवाल, कार्तिकी सिंह शक्तावत और गनीमत सेखों को रजत पदक मिला। महिला टीम कजाखस्तान की रिनाता नासिरोवा, ओल्गा पनारिना और जोया क्राचेंको से 4-6 से हार गई। इससे पहले क्वालीफिकेशन में भारतीय टीम के 341 जबकि कजाखस्तान के 327 अंक थे।

टोक्यो ओलंपिक के लिए 15 जून तक क्वालीफाई कर सकते हैं खिलाड़ी

कुआलालम्पुर, (एजेंसी)। विश्व बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण हुए नुकसान को देखते हुए ही टोक्यो ओलंपिक बैडमिंटन क्वालिफिकेशन विंडो को 15 जून तक के लिए आगे बढ़ा दिया गया है। वहीं क्वालिफिकेशन अवधि पहले 25 अप्रैल को समाप्त होनी थी। बीडब्ल्यूएफ के मुताबिक सिंगापुर ओपन इवेंट क्वालिफिकेशन के लिए अंतिम टूर्नामेंट होगा और इसे भी एक से छह जून की नई तारीखों के लिए स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके अलावा मलेशिया ओपन, जिसे शुरूआत में 31 मार्च से चार अप्रैल के लिए, निर्धारित किया गया था, को वापस 25 से 30 मई तक कर दिया गया है जबकि अप्रैल में निर्धारित मलेशिया मास्टर्स को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है। बीडब्ल्यूएफ ने अपने एक बयान में कहा कि मलेशिया ओपन और सिंगापुर ओपन के लिए नई तारीखें निर्धारित करने के साथ-साथ बीडब्ल्यूएफ ने इंडोनेशिया मास्टर्स 2021 और इंडोनेशिया ओपन 2021 के स्थगित होने की भी पुष्टि की है। नियत समय में इन टूर्नामेंटों के लिए प्रतिस्थापन तारीखों की घोषणा की जाएगी। बीडब्ल्यूएफ टोक्यो 2020 योग्यता प्रणाली को अपडेट करने के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ काम कर रहा है, जिसके तहत आईओसी द्वारा औपचारिक अनुमोदन के बाद अंतिम अद्यतन नियम साझा किए जाएंगे।

इनियन को विश्व यूनिवर्सिटी ब्लिट्ज शतरंज में रजत

चेन्नई, (एजेंसी)। भारत के पी इनियन ने विश्व ऑनलाइन यूनिवर्सिटी शतरंज चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है। रैपिड और ब्लिट्ज फॉर्मेट में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में 73 देशों के 1002 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनियन ने पहला राउंड हारने के बाद अच्छी वापसी करते हुए सात राउंड में 5.5 अंक हासिल करते हुए पहले स्थान के लिए टाई किया पर टाईब्रेक में वह दूसरे स्थान पर रहे। वहीं इतने ही अंक हासिल करने वाले आर्मेनिया के मरतिरोसयान विजेता बने हैं। ब्लिट्ज फॉर्मेट में 25 वें वरीयता प्राप्त इनियन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। वह भारत के भारतियार विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

कोर्नवाल के नाबाद अर्धशतक से वेस्टइंडीज ने पहली पारी में बनाये 268 रन

नॉर्थ प्वाइंट, (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने मेहमान टीम श्रीलंका के खिलाफ पहली पारी में आठ विकेट पर 268 रन बनाने के साथ ही 99 रनों की बढ़त हासिल कर ली है। ऑलराउंडर रहकीम कोर्नवाल के नाबाद अर्धशतक से उसे ये बढ़त मिली। इस दौरान कोर्नवाल की जोशुआ डा सिल्वा के साथ 8वें विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी हई। कोर्नवाल ने अपनी पारी के दौरान नाबाद 60 रन बनाये। वहीं सिल्वा ने 46 रन बनाए। इससे पहले श्रीलंकाई टीम ने अपनी पहली पारी में 169 रन बनाये थे। वेस्टइंडीज की टीम एक समय सात विकेट पर 171 रन बनाकर संकट में थी पर सिल्वा ने कोर्नवाल के साथ पारी को संभाला। दिन का खेल समाप्त होने के समय केमार रोच चार रन पर खेल रहे थे।

कोर्नवाल और सिल्वा की पारी ने श्रीलंकाई गेंदबाजों के इरादे पर पानी फेर दिया। इससे पहले वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम में जॉन कैंपबेल 42 और नक्रुमाह बोनर 31 के बीच दूसरे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी हुई। श्रीलंका की ओर से तेज गेंदबाज सुरंगा लखमल ने 45 रन देकर पांच विकेट लिए। लंकाई गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को विकेट पर लंबे समय टिकने नहीं दिया। लकमल ने वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रेथवेट को तीन रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद काइल मायर्स 45 को अपना शिकार बनाया लुकमल ने जेरमाइन ब्लैकवुड (दो) और जैसन होल्डर (19) को आउट करके स्कोर छह विकेट पर 169 रन कर दिया। लखमल ने अलजारी जोसेफ को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया।

एआईबीए ने कोवाक्स को महासचिव बनाया

नई दिल्ली, (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (एआईबीए) ने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता पूर्व मुक्केबाज इस्तवान कोवाक्स को महासचिव बनाया है। कोवाक्स इस सप्ताह के आखिर में अपना पद संभालेंगे। एआईबीए के निदेशक बोर्ड की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये हुई बैठक के दौरान कोवाक्स को महासचिव बनाये जाने पर फैसला लिया गया। एआईबीए के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव ने कहा, हमारे संगठन के निर्णय अब स्वयं मुक्केबाज करेंगे। वे इसे अच्छी तरह से जानते हैं कि किसी भी अन्य मैनेजर की तुलना में खेल की जरूरतों को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं।

उन्होंने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि निदेशक बोर्ड के सदस्यों ने इस्तवान कोवाक्स को मुक्केबाजी संघ का महासचिव बनाया है। मुझे पूरा भरोसा है कि महासचिव के रूप में वे एआईबीए को और बेहतर बनाएंगे और प्रबंधन के काम में अधिक पारदर्शिता लाएंगे। एआईबीए के बयान में कोवाक्स ने कहा, एआईबीए निदेशक बोर्ड का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मुझमें विश्वास दिखाया। अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ का महासचिव बनना बहुत बड़ा सम्मान और साथ ही बड़ी जिम्मेदारी है।

कोवाक्स 50 वर्ष के हैं और हंगरी के रहने वाले हैं। उन्होंने अटलांटा ओलंपिक 1996 में बैंथमवेट में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने अपने एमेच्योर करियर में 282 जीत दर्ज की जबकि केवल 14 अवसरों पर उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

आकाश चोपड़ा ने नो आर्चर, नो रूट वाले बयान पर वॉन को दिया करारा जवाब

पुणे, (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के इस बयान पर कि जोफ्रा आर्चर और जो रूट के बिना उनकी टीम की एकदिवसीय सीरीज में हार तय है करारा जवाब दिया है। आकाश ने लिखा, नो बुमराह, नो शमी, नो जडेजा। इससे आकाश ने वॉन को साफ कर दिया कि अगर आपकी टीम में आर्चर और रूट नहीं हैं तो भारतीय टीम में भी जसप्रीत बुमराह , मोहम्मद शमी और आरविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी नहीं हैं।

इंग्लैंड की टीम में रूट शामिल नहीं हैं जबकि आर्चर कोहनी की चोट के कारण सीरीज से बाहर हैं। भारत के खिलाफ 5 टी20 की सीरीज में आर्चर ने अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया था। आर्चर इस सीरीज में शार्दुल ठाकुर के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उन्होंने 5 मैच में 7 विकेट लिए थे। आर्चर 2019 विश्व कप के बाद से इंग्लैंड के प्रमुख गेंदबाज हैं। वहीं दूसरी ओर, रूट इंग्लैंड के अहम बल्लेबाज हैं। वो मध्य क्रम को मजबूत करते हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ चार टेस्ट की सीरीज में सबसे ज्यादा 368 रन बनाए थे। इन दोनों के बाहर होने के बाद भी टीम के पास कई मैच विजेता खिलाड़ी हैं।

वहीं भारतीय टीम की बात करें तो बुमराह शादी की वजह से टीम से बाहर हैं। वहीं, शमी और जडेजा अभी अपनी चोट से उबर रहे हैं। भारत के पास भी इनके विकल्प के रूप में भुवनेश्वर कुमार और शार्दुल ठाकुर जैसे अच्छे गेंदबाज हैं।

स्टॉकहोम में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए जलेटान इब्राहिमोविक।

आईपीएल से पहले क्वारंटाइन के लिए मुंबई पहुंचे केकेआर के कई क्रिकेटर

मुंबई, (एजेंसी)। अगले माह नौ अप्रैल से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को देखते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाड़ी इसके लिए एकत्र होने लगे हैं। यह सभी खिलाड़ी एक सप्ताह तक के पृथकवास पर रहेंगे। सबसे पहले यहां पहुंचने वाले खिलाड़ियों में पूर्व कप्तान दिनेश कार्तिक, वरूण चक्रवर्ती, राहुल त्रिपाठी, कमलेश नागरकोटी, संदीप वारियर, वैभव अरोरा आदि थे। इसके अलावा सहायक कोच अभिषेक नायर और गेंदबाजी कोच ओंकार साल्वी भी यहां पहुंच गए हैं। केकेआर ने अपने एक ट्वीट में कहा, पृथकवास का समय। केकेआर इस सत्र के लिये पहुंच रहे हैं। शिविर शुरू होने वाला है। वहीं वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और सुनील नारायण भी जल्दी ही पहुंचने वाले हैं। केकेआर ने उड़ान में मास्क लगाकर बैठे रसेल की एक तस्वीर भी भेजी है, देखो कौन भारत आ रहा है। जल्दी ही मिलेंगे। वहीं एक अन्य ट्वीट में लिखा, कैरेबियन नाइट्स अपने दूसरे घर भारत पहुंचने ही वाले हैं। गौरतलब है कि कोरोना महामारी को देखते हुए बीसीसीआई के नियमों के तहत सभी खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और टीम प्रबंधन को होटल के कमरों में सात दिन तक के लिए पृथकवास में रहना होगा। केकेआर ने कहा, हर व्यक्ति की कई बार जांच होगी। इसके बाद नेगेटिव परिणाम आने पर ही वे कमरे से बाहर निकलकर आउटडोर अभ्यास कर सकेंगे।

खेलो इंडिया योजना अगले पांच साल तक बढ़ी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। उभरते खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए बनी खेलो इंडिया योजना को अगले पांच साल तक बढ़ा दिया है। केन्द्रीय खेल मंत्री किरेन रिजीजू के अनुसार खेलो इंडिया योजना को साल 2025-26 तक के लिये बढा दिया गया है। खेल मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा , खेलो इंडिया योजना को 2021-22 से 2025-26 तक के लिए बढ़ा दिया गया है। मंत्रालय ने इस संबंध में वित्त व्यय समिति (ईएफसी) द्वारा तैयार ज्ञापन वित्त मंत्रालय को भी भेज दिया है। इसमें कहा गया है , नयी खेलो इंडिया योजना पर 8750 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है और वित्त व्यय समिति के ज्ञापन में इसे बताया भी गया है। इस वर्ष के बजटीय आवंटन में खेलो इंडिया योजना को 657.71 करोड़ रुपए दिये गए है।